वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2021-2022

आरोग्यम् सुखसम्पदा

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान

The National Institute of Health and Family Welfare

Munirka, New Delhi - 110067

वार्षिक प्रतिवेदन

Annual Report

2021-2022

आरोग्यम् सुखसम्पदा

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
बाबा गंगनाथ मार्ग, मुनीरका, नई दिल्ली.110067
The National Institute of Health and Family Welfare
Baba Gangnath Marg, Munirka, New Delhi - 110067

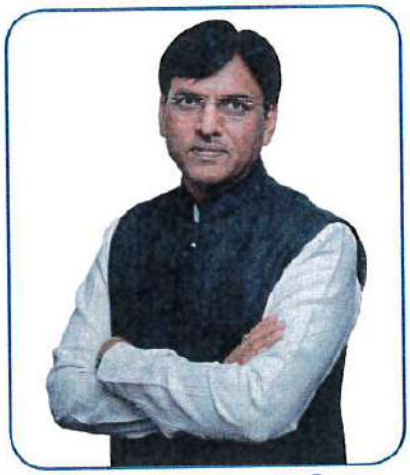

डॉ. मनसुख मांडविया

Dr. Mansukh Mandaviya

माननीय केन्द्रीय मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

Hon'ble Union Minister for Health and Family Welfare

Government of India

डॉ. भारती प्रविण पवार

Dr. Bharati Pravin Pawar

माननीय राज्य मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

Hon'ble Minister of State for Health and Family Welfare

Government of India

क्रम संख्या	विषय-वस्तु	पृष्ठ
	निदेशक की कलम से...	i
	सिंहावलोकन	ii-viii
1.	शिक्षा	1-4
2.	प्रशिक्षण	5-8
3.	अनुसंधान एवं मूल्यांकन	9-21
4.	विशिष्ट परियोजनाएं एवं कंसोर्टियम गतिविधियां	22-28
5.	विशिष्ट सेवाएं	29-35
6.	परामर्श और सलाहकार सेवाएं	36-42
7.	प्रशासनिक समाचार	43
8.	सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग	44-46
9.	घटनाक्रम	47-50
10.	प्रकाशन	51-57
11.	नियुक्ति, पदोन्नति और सेवानिवृत्ति	58
12.	अनुलग्नक	59
I	शासी निकाय सदस्यों की सूची	60-61
II	स्थायी वित्त समिति के सदस्यों की सूची	62
III	कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्यों की सूची	63-64
IV	संकाय सदस्यों की सूची	65
V	संस्थान में स्वीकृत जनशक्ति की स्थिति	66

निदेशक की कलम से

संस्थान की वर्ष 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट आपके सामने रखते हुए मुझे हर्ष का अनुभव हो रहा है। संस्थान वर्तमान में अपने कामकाज के 46वें वर्ष में है और इन सभी दशकों में संस्थान ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। प्रस्तुत रिपोर्ट में संस्थान की प्रमुख गतिविधियों और उपलब्धियों के संक्षिप्त विवरण उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। यह रिपोर्ट हमारी मजबूत नींव और उत्तरोत्तर विकसित होते प्रदर्शन का प्रमाण है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के आवश्यक निर्देशों और समर्थन के बिना हम जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियों को लागू करने में प्रमुखता हासिल नहीं कर पाते। संस्थान के शासी निकाय के प्रतिष्ठित सदस्यों, स्थायी वित्त समिति और कार्यक्रम सलाहकार समिति द्वारा वर्ष भर प्रदान किए गए समर्थन के लिए भी मैं ईमानदारी से कृतज्ञता ज्ञापित करती हूं।

हमारे मिशन और दृष्टि के आधारभूत तत्व एमडी (सीएचए), डीएचए, पीजीडीपीएचएम, डीएलसी और अन्य पाठ्यक्रमों सहित नियमित शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में परिलक्षित होते हैं। बीते वर्ष में, हमने अपने सभी शिक्षण और प्रशिक्षण गतिविधियों के दौरान प्रगतिशील और प्रेरक वातावरण बनाने का प्रयास किया है। हमारे संकाय सदस्यों ने अपनी व्यावसायिक अभिप्रेरणाओं के आधार पर अधिगम पथ में अपने प्रयासों को समर्पित किया है और वर्ष के दौरान विभिन्न प्रशिक्षणों/कार्यशालाओं/बैठकों में एक अग्रसर कौशल यात्रा के रूप में प्रतिभागियों को विशेषज्ञों से जोड़ने का प्रयास किया है। जन स्वास्थ्य में लगभग 34 शोध अध्ययन संपन्न किए गए। शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों से लेकर विभिन्न अतिरिक्त गतिविधियों में संकाय ने स्रोत व्यक्तियों के रूप में विशेषज्ञता प्रदान की है। उन्होंने विभिन्न संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भाग लिया और शोध आलेख प्रस्तुत किए। हमारे पास आगे की चुनौतियों की तैयारी करते हुए गर्व के साथ पीछे मुड़कर देखने के लिए बहुत कुछ है। सबसे बड़ी समस्या संकाय सदस्यों की कमी है। इसके अलावा, हमें स्पष्ट रूप से हमारे शिक्षण, प्रशिक्षण, मूल्यांकन और अनुसंधान गतिविधियों के संदर्भ में कोविड-19 उपरांत स्थिति में एक नया रास्ता तय करने की आवश्यकता है। नवीनतम तकनीक के साथ विकसित होने की हमारी यात्रा में, हम संस्थान की सूचना प्रौद्योगिकी को सर्वश्रेष्ठ करने हेतु अद्यतित कर रहे हैं।

संकाय, कर्मचारियों और छात्रों की ओर से, हमारे संस्थान को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए समर्पित परिश्रम और प्रतिबद्धता के लिए कृपया मेरा हार्दिक धन्यवाद स्वीकार करें।

सुश्री निधि केसरवानी
निदेशक (अतिरिक्त प्रभार), रा.स्वा.प.क. संस्थान

सिंहावलोकन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान ने अपनी स्थापना के समय से ही शैक्षिक पाठ्यक्रमों, प्रशिक्षणों, अनुसंधान और मूल्यांकन गतिविधियों के माध्यम से क्षमता निर्माण जैसी विविध गतिविधियों के संचालन हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में योगदान दिया है। संस्थान के प्रमुख क्षेत्रों में स्वास्थ्य और संबंधित नीतियां, जन स्वास्थ्य प्रबंधन, स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार, स्वास्थ्य अर्थशास्त्र और वित्त पोषण, जनसंख्या अनुकूलन, प्रजनन स्वास्थ्य, अस्पताल प्रबंधन, स्वास्थ्य के लिए संचार और स्वास्थ्य में प्रशिक्षण प्रौद्योगिकी शामिल हैं। समय-समय पर चल रहे दस विभागों और अन्य परियोजनाओं ने ऊपर बताए गए मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला को साकार करना संभव बना दिया है।

दृष्टि

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, जन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण में प्रशिक्षण प्रदान करने में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने वाला वैश्विक ख्याति का संस्थान होगा। यह दुनिया के लिए जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक अग्रणी उदाहरण बनने का प्रयास करेगा।

मिशन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान जन स्वास्थ्य और संबंधित स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रमों में प्रशिक्षण के लिए एक थिंक टैंक (प्रबुद्ध मंडल), उत्प्रेरक और नवप्रवर्तनक होगा। इस मिशन हेतु निम्नलिखित गतिविधियों का अनुसरण किया जाएगा:

i. शिक्षा और प्रशिक्षण
ii. अनुसंधान एवं मूल्यांकन
iii. परामर्श और सलाहकारी सेवाएं
iv. अंतर-अनुशासनात्मक दल (टीम) के माध्यम से विशेष सेवाओं का प्रावधान तथा
v. राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अन्य संस्थानों और संगठनों के साथ नेटवर्किंग।

प्रमुख समितियां

संस्थान की प्रमुख समितियों में शासी निकाय, स्थायी वित्त समिति और कार्यक्रम सलाहकार समिति शामिल हैं। शासी निकाय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री की अध्यक्षता में संस्थान के समग्र शासन को देखता है। स्थायी वित्त समिति का नेतृत्व केंद्रीय सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय करते हैं और वित्तीय पहलुओं का ध्यान रखते हैं। कार्यक्रम सलाहकार समिति संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों की निगरानी करती है। निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, इन सभी समितियों में सदस्य-सचिव के रूप में कार्य करते हैं।

शिक्षा और प्रशिक्षण

शैक्षणिक गतिविधियां

स्नातकोत्तर शिक्षा

बुनियादी जन स्वास्थ्य शिक्षा की आवश्यकताओं को पूरा करने और देश में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रमों के क्षेत्र में अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए संस्थान द्वारा निम्नलिखित शैक्षिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है:

(i) **एमडी (सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन)** : सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन में तीन वर्षीय स्नातकोत्तर डिग्री एमडी (सीएचए) दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध है और भारतीय चिकित्सा परिषद (एमसीआई) द्वारा मान्यता प्राप्त है। यह पाठ्यक्रम 1969 से जारी है। इस पाठ्यक्रम में प्रत्येक वर्ष दस सीटें निर्धारित होती हैं।

(ii) **स्वास्थ्य प्रशासन में डिप्लोमा** : स्वास्थ्य प्रशासन में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा (डीएचए), दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध है और भारतीय चिकित्सा परिषद (एमसीआई) द्वारा मान्यता प्राप्त है। इस पाठ्यक्रम में हर साल छह छात्रों की प्रवेश क्षमता है।

(iii) **जन स्वास्थ्य प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीपीएचएम)**: यह पाठ्यक्रम 2008 में संस्थान द्वारा पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से शुरू किया गया था जोकि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा समर्थित था। पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय उम्मीदवारों के लिए 30 सीटें और अंतरराष्ट्रीय उम्मीदवारों के लिए 10 सीटें हैं। पाठ्यक्रम का उद्देश्य मध्यम स्तर के सेवारत स्वास्थ्य पेशेवरोंकी क्षमता को बढ़ाना है।

एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित दूरस्थ शिक्षा मोड के माध्यम से **15** महीने की अवधि के प्रस्तावित पीजीडीएम कार्यकारी पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं:

(i) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण प्रबंधन (कार्यकारी) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(ii) अस्पताल प्रबंधन में प्रबंधन (कार्यकारी) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(iii) स्वास्थ्य संवर्धन में प्रबंधन (कार्यकारी) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

प्रशिक्षण और कार्यशाला गतिविधियाँ

संस्थान ने पाठ्यक्रम रूपरेखा और मूल्यांकन, स्वास्थ्य संवर्धन, नर्सिंग प्रशासन, सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार, व्यावसायिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य, अस्पताल प्रशासन, नेतृत्व और परामर्श, निगरानी और मूल्यांकन इत्यादि कई प्रशिक्षण आयोजित किए। संस्थान द्वारा कुल मिलाकर 44 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और कार्यशालाएं (वेबिनार सहित) आयोजित की गईं।

अनुसंधान एवं मूल्यांकन

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के विभिन्न पहलुओं में अनुसंधान एक प्राथमिकता वाला क्षेत्र है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संस्थान छब्बीस शोध अध्ययनों में शामिल रहा। इनमें से तेरह शोध अध्ययन पूरे हो चुके हैं। इसमें एमडी (सीएचए) के छात्रों द्वारा किए गए सात अध्ययन शामिल हैं। शेष 13 का अध्ययन प्रगति पर है।

अंतर-अनुशासनात्मक दलों के माध्यम से विशिष्ट सेवाओं का प्रावधान

नैदानिक, प्रलेखन, मुद्रण और प्रकाशनों सहित संस्थान की विशिष्ट सेवाओं का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

क्लिनिक सेवाएं

संस्थान को प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल में उत्कृष्टता के एक केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान क्लिनिकल (नैदानिक) सेवाएं प्रदान करता है जिसमें संतानहीनता प्रबंधन, प्रजनन एंडोक्रिनोलॉजिकल और स्त्री रोग संबंधी विकारों का प्रबंधन, प्रसवपूर्व देखभाल, प्रसवपूर्व, रोगियों, शिशुओं और बच्चों का टीकाकरण और गर्भनिरोधक सेवाएं शामिल हैं।

प्रयोगशाला सुविधाएं

संस्थान की प्रयोगशाला जैव-रासायनिक, शारीरिक, एंडोक्रिनोलॉजिकल आदि जैसे प्रजनन संबंधी विकारों के कारणों की गहन जांच प्रदान करती है। एंडोक्रिनोलॉजिकल और प्रजनन संबंधी विकारों के प्रबंधन में अपनाए गए वैज्ञानिक दृष्टिकोण और बांझपन प्रबंधन ने समृद्ध लाभांश प्रदान किया है।

आधिकारिक प्रकाशन

- स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य एवं मुद्दे- यह 1978 से प्रकाशित हो रहा संस्थान का एक त्रैमासिक जर्नल है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान 2021 के लिए एचपीपीआई के सभी अंक (वॉल्यूम नंबर 44 (3, 4 और 5) और 2022 (वॉल्यूम नंबर 44 (1) प्रकाशित हो चुके हैं।
- जन स्वास्थ्य धारणा- यह जन स्वास्थ्य के विषयों पर केन्द्रित 1995 से प्रकाशित हो रही संस्थान की हिंदी पत्रिका है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान जन स्वास्थ्य धारणा का 27वां अंक प्रकाशित हो चुका है।

सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग

संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन की नियमित निगरानी इस उद्देश्य के लिए गठित एक समिति द्वारा की जाती है। प्रतिवेदित अवधि के दौरान, 81.45% पत्र (ई-मेल और फैक्स संदेशों सहित), 84.01% पत्र क्षेत्र 'क' के लिए, 71.89% क्षेत्र 'ख' के लिए और 76.26 फीसदी क्षेत्र 'ग' के लिए हिंदी में जारी किए गए थे। पत्राचार हेतु 'क' और 'ख' क्षेत्रों के लिए 100% और 'ग' क्षेत्र के लिए 65% का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उक्त अवधि के दौरान (अर्थात् अप्रैल, 2021 से मार्च, 2022 तक) सामान्य आदेश शत-प्रतिशत द्विभाषी रूप में जारी किए गए थे। हिंदी में दैनिक अनुवाद कार्य के अतिरिक्त, वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक लेखा 2021-22, प्रोफार्मा, सर्वेक्षण कार्यक्रम, प्रमाण पत्र से संबंधित सामग्री, बैनर और विभिन्न विभागों के विज्ञापनों सहित कई विशिष्ट अनुवाद कार्य भी पूरे किए गए।

राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र

'राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र' विकासशील पुस्तकालय तंत्र का एक सक्रिय सदस्य है और लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस, वाशिंगटन सहित 5000 से अधिक सदस्य पुस्तकालयों के साथ अपने संसाधनों को साझा करता है। राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र 258 पत्रिकाओं तक मुफ्त पहुंच प्रदान करने के लिए एनएमएल-ईआरएमईडी इंडिया कंसोर्टियम का भी सदस्य है। उपरोक्त के अलावा, ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) के माध्यम से, सभी प्रकाशनों/दस्तावेजों की ग्रंथ सूची संबंधी विवरण लिंक-एचटीटीपी://14.1393.63.242/ पर उपलब्ध हैं। समिति/आयोग की रिपोर्ट, तकनीकी रिपोर्ट, एचपीपीआई पत्रिकाओं, संस्थान के महत्वपूर्ण प्रकाशनों आदि जैसे महत्वपूर्ण प्रकाशनों को डिजिटलीकृत किया गया है और इसे http://www.nihfw.org/WNDC.aspx लिंक के माध्यम से सुलभ बनाया गया है।

स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केंद्र

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल (एनएचपी) की गतिविधियों के प्रबंधन के लिए सचिवालय के रूप में काम करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केंद्र (सीएचआई) की स्थापना की है। सीएचआई का राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल बहुभाषी स्वास्थ्य सूचना, अनुप्रयोग और संसाधनों तक पहुंच के एकल बिंदु के रूप में कार्य करता है। शिक्षाविदों, नागरिकों, छात्रों, स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों, शोधकर्ताओं, आदि जैसे उपयोगकर्ताओं के व्यापक स्पेक्ट्रम को राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल से लाभान्वित किया जाता है। स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केंद्र को कोविड-19 इंडिया पोर्टल के लिए 'गवर्नेंस गोल्ड स्कॉच अवार्ड' भी मिला है। हर घर कवच ऐप को घर में अलग-थलग पड़े कोविड -19 रोगियों की निगरानी और उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सीएचआई गैर-संचारी रोगों की परीक्षण निगरानी प्रणाली (एनसीडी-एसटीएस) के लिए एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर हेतु क्लाउड संसाधन उपलब्ध करा रहा है। मेरा

अस्पताल ऐप उपयोगकर्ता द्वारा विभिन्न माध्यमों से अस्पताल में प्राप्त सेवाओं के लिए रोगी की प्रतिक्रिया को दर्ज करता है। 31 मार्च 2022 तक आवेदन के अंतर्गत 11231 अस्पताल पंजीकृत हैं। विभिन्न अन्य पोर्टलों जैसे सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (सुमन), प्रधान मंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए), गृह आधारित नवजात शिशु देखभाल, राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय वृद्ध स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। कुछ डैशबोर्ड- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय सेंट्रल डैशबोर्ड, बजट, राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति-2017, अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य, लक्ष्य, ईएमआर, पीएमएसएसवाई और चिकित्सा शिक्षा का रखरखाव सीएचआई द्वारा किया जा रहा है।

राष्ट्रीय शीत-श्रृंखला और टीका प्रबंधन संसाधन केंद्र (एनसीसीवीएमआरसी)

राष्ट्रीय शीत-श्रृंखला और वैक्सीन प्रबंधन संसाधन केंद्र भारत सरकार का एक शीर्षस्थ तकनीकी संसाधन केंद्र है। जिसकी स्थापना 2013 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और यूनिसेफ द्वारा एक संयुक्त पहल के रूप में की गई थी, जिसका उद्देश्य सुरक्षित और शक्तिशाली टीकों के माध्यम सार्वभौमिक टीकाकरण कवरेज सुनिश्चित करने के लिए भारत में उच्च गुणवत्ता, प्रभावी और कुशल टीकाकरण आपूर्ति श्रृंखला की स्थापना को सुविधाजनक बनाना है। राष्ट्रीय शीत-श्रृंखला और वैक्सीन प्रबंधन संसाधन केंद्र टीम का नेतृत्व एक समन्वयक के रूप में करता है और इसमें प्रशिक्षण, एमआईएस और ईवीएम समन्वय, टीकाकरण आपूर्ति श्रृंखला, अनुसंधान, निगरानी और इक्विटी के क्षेत्र में काम कर रहे तकनीकी दल शामिल हैं।

एनसीसीवीएमआरसी भारत में टीकाकरण आपूर्ति श्रृंखला से संबंधित अनुसंधान, प्रशिक्षण और टीकाकरण आपूर्ति श्रृंखला योजना के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने हेतु एक नोडल केंद्र के रूप में कार्यरत है। इसे देश में राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक एवं प्रभावी वैक्सीन प्रबंधन (ईवीएम) मूल्यांकन के लिए सचिवालय के रूप में निर्दिष्ट किया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने भारत में सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी) के शीत-श्रृंखला प्रणाली को मजबूत करने हेतु तथा कोल्ड चेन उपकरण, प्रतिरक्षण लोजिस्टिक प्रबंधन, और वैक्सीन से संबंधित मूल्यांकन के विनिर्देश पर मार्गदर्शन और तकनीकी इनपुट प्रदान करने के लिए एनसीसीवीएमआरसी को राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार निकाय (एनटीएबी) के सचिवालय के रूप में नामित किया है।

राष्ट्रीय टीकाकरण तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई)

एनटीएजीआई सचिवालय की स्थापना एनटीएजीआई और एसटीएससी और इसके कार्यकारी समूहों को तकनीकी-प्रबंधकीय सहायता प्रदान करने के लिए 2013 में की गई थी। 09 दिसंबर, 2016 को यह निर्णय लिया गया कि एनटीएजीआई सचिवालय को भारत सरकार द्वारा पूरी तरह से समर्थन दिया जाएगा और राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में एनटीएजीआई सचिवालय स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में, सचिवालय ने मई, 2017 से अपना कामकाज फिर से शुरू किया। एनटीएजीआई सचिवालय पर एक वर्ष में दो एनटीएजीआई और चार

एसटीएससी बैठकें आयोजित करने के लिए जिम्मेदार है। समीक्षाधीन वर्ष में, एनटीएजीआई ने कुल 10 एसटीएससी बैठकें, एनटीएजीआई बैठक और 36 कार्य समूह बैठकें आयोजित कीं।

राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला (दक्ष)

भारत सरकार ने योग्यता-आधारित प्रशिक्षण की एक प्रणाली शुरू की है जिसमें प्रमाणन कार्यक्रम को कौशल प्रयोगशालाओं के माध्यम से कार्यान्वित किया जाता है। कौशल प्रयोगशाला स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए एक प्रोटोटाइप प्रदर्शन और अधिगम केंद्र के रूप में कार्य करता है; और यह योग्यता आधारित प्रशिक्षण पर केंद्रित है। इसकी स्थापना के बाद से 31 मार्च 2022 तक कुल 876 स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों को प्रशिक्षित किया गया है। इसमें से 53 प्रतिभागियों को समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 8 बैचों में प्रशिक्षित किया गया।

मातृ एवं शिशु निगरानी सुविधा केंद्र (एमसीटीएफसी)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में मातृ एवं शिशु निगरानी सुविधा केंद्र स्थापित किया गया है। यह भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में सुधार के लिए उठाया गया एक बड़ा कदम है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, डेटा सत्यापन, प्रचार और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की सुविधा के लिए एमसीटीएफसी के माध्यम से लाभार्थियों (गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशु अभिभावकों) को 17.10 लाख कॉल किए गए हैं। डेटा सत्यापन और उनके प्रश्नों के समाधान के लिए आशा और एएनएम को 8.8 हज़ार से अधिक कॉल किए गए। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, लाभार्थियों को मातृ एवं शिशु देखभाल के संबंध में 4.4 लाख ध्वनि संदेश भेजे गए हैं।

सलाहकारी और परामर्श सेवाएं

संस्थान के निदेशक और संकाय सदस्य विभिन्न क्षमताओं में विभिन्न राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और स्वैच्छिक संगठनों को सलाहकार और परामर्श सेवाएं प्रदान करते हैं। निदेशक और संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लिया।

सुविधाएं

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में हाई-टेक पब्लिक-एड्रेस सिस्टम से लैस 280-सीटर ऑडिटोरियम के अलावा अत्याधुनिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा है। आधुनिक शिक्षण-साधनों से सुसज्जित अनेक हॉलों वाला एक विशिष्ट शिक्षण खंड उन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए समर्पित है जिनमें एक साथ कई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं। छात्रावास एक बार में लगभग 100 अतिथियों को

समायोजित कर सकता है। इसमें एक व्यायामशाला, एक बैडमिंटन कोर्ट और आउट-डोर खेलों के साथ-साथ शतरंज, कैरम और टेबल टेनिस इनडोर-गेम की सुविधा के लिए क्रिकेट-सह-फुटबॉल मैदान है।

अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास का उद्घाटन 5 फरवरी 2022 को माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री द्वारा किया गया था और इसमें 51 कमरे हैं।

शिक्षा

संस्थान में विभिन्न प्रकार के शिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाते है। जिसके अंतर्गत, सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन में तीन वर्षीय स्नातकोत्तर उपाधि (एमडी-सीएचए), स्वास्थ्य प्रशासन में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा (डीएचए), जन स्वास्थ्य प्रबंधन में दूरस्थ शिक्षण माध्यम से एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा, एक वर्ष की अवधि के तीन डिप्लोमा पाठ्यक्रम, ई-लर्निंग मोड के माध्यम से एक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, पीएचडी कार्यक्रम आदि शामिल हैं।

शिक्षण

संस्थान ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान निम्नलिखित शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए:

सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन में तीन वर्षीय एम.डी.

देश की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने तथा उपयुक्त प्रशिक्षित स्वास्थ्य श्रमशक्ति प्रदान करने के प्रयोजन से, संस्थान वर्ष 1969 से सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन में तीन वर्षीय स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम, एमडी पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। यह पाठ्यक्रम दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध है तथा भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त है। वर्षों से इस पाठ्यक्रम ने देश में स्वास्थ्य व्यावसायिकों के बीच अत्यंत लोकप्रियता प्राप्त की हैं। कुल 308 छात्रों ने इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण किया है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, तीसरे वर्ष में सात, दूसरे वर्ष में सात तथा पहले वर्ष में आठ छात्रों सहित कुल 22 छात्रों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया।

स्वास्थ्य प्रशासन में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा

इस डिप्लोमा को संस्थान द्वारा वर्ष 1993 में शुरू किया गया। स्वास्थ्य प्रशासन में दो वर्षीय पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा दिल्ली विश्वविद्यालय से भी संबद्ध है तथा भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त है।
समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, दूसरे वर्ष में दो और पहले वर्ष में तीन छात्रों सहित कुल 5 छात्रों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया। इस पाठ्यक्रम में कुल 05 छात्र उत्तीर्ण हुए हैं।

जन स्वास्थ्य प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार तथा जन स्वास्थ्य संघ के सहयोग से संस्थान जन स्वास्थ्य प्रबंधन (पब्लिक हेल्थ मैनेजमेंट) में पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रदान करता है। भारत सरकार, पार्टनर्स इन पॉप्युलेशन एंड डेव्लपमेंट (पीपीडी) से सुविधा प्राप्त 10 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को फेलोशिप प्रदान

करता है। इसमें राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2021-22 के लिए भारत से आठ छात्रों ने प्रवेश लिया। इस पाठ्यक्रम की शुरुआत से अब तक, 217 छात्रों ने इसे उत्तीर्ण किया है।

दूरस्थ शिक्षण पाठ्यक्रम

अस्पताल प्रबंधन में प्रबंधन (कार्यकारी) स्नातकोत्तर डिप्लोमा

15 महीने की अवधि के साथ 300 छात्र प्रति वर्ष प्रवेश हेतु इस पाठ्यक्रम को एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त है। अस्पताल प्रबंधन (कार्यकारी) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा विशेष रूप से अस्पतालों में प्रबंधकीय समस्याओं सहित स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली की मौजूदा संरचना और कामकाज के बारे में प्रतिभागियों को ज्ञान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके अतिरिक्त, इस पाठ्यक्रम में विभिन्न प्रबंधन अवधारणाओं, तकनीकों, उपकरणों और संसाधन प्रबंधन पर चर्चा की जाती है जो कि चिकित्सा, नर्सिंग, दंत चिकित्सा और आयुष स्नातकों हेतु है। वर्तमान में, 2021-22 लिए 115 आवेदकों का नामांकन किया गया था।

यह पाठ्यक्रम एक वर्ष की अवधि के साथ अस्पताल प्रबंधन में डिप्लोमा के रूप में लोकप्रिय था। इस पाठ्यक्रम की शुरुआत अगस्त 1995 में 100 छात्रों के नामांकन के साथ की गई थी। अब तक 2856 छात्रों ने सफलतापूर्वक इस डिप्लोमा पाठ्यक्रम को पूरा किया है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण प्रबंधन में प्रबंधन (कार्यकारी) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

बैच 2021-22 के लिए 15 महीने की अवधि के साथ 100 वार्षिक प्रवेश हेतु इस पाठ्यक्रम को एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त है। पाठ्यक्रम को विशेष रूप से स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली की मौजूदा संरचना और कार्यप्रणाली के बारे में प्रतिभागियों को ज्ञान प्रदान करने के लिए रचना की गई है, जिसमें इसकी प्रबंधकीय समस्याएं भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, इस पाठ्यक्रम में विभिन्न प्रबंधन अवधारणाओं, तकनीकों, उपकरणों और संसाधन प्रबंधन पर चर्चा की जाती है, जो कि चिकित्सा, नर्सिंग, दंत चिकित्सा और आयुष स्नातकों के लिए है। वर्ष 2021-2022 के लिए 41 आवेदकों ने इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया।

इस पाठ्यक्रम को पूर्व में एक वर्ष की अवधि के साथ स्वास्थ्य और परिवार कल्याण प्रबंधन में डिप्लोमा के नाम से जाना जाता था। वर्ष 1991-92 से वर्ष 2020-21 तक इस पाठ्यक्रम की शुरुआत के बाद से, 1648 छात्रों को इस डिप्लोमा से सम्मानित किया गया है।

स्वास्थ्य संवर्धन में प्रबंधन (कार्यकारी) स्नातकोत्तर डिप्लोमा

बैच 2021-22 के लिए 15 महीने की अवधि के साथ 150 वार्षिक प्रवेश हेतु इस पाठ्यक्रम को एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त है। इस पाठ्यक्रम को प्रतिभागियों की जीवन शैली से संबंधित समस्याओं पर केंद्रित ज्ञान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है तथा यह चिकित्सा, पैरामेडिकल और अन्य हितधारकों के लिए भी है। वर्तमान में, वर्ष 2021-2022 के लिए 10 आवेदकों ने इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया।

पूर्व में स्वास्थ्य संवर्धन डिप्लोमा की मान्यता एक वर्ष की अवधि की थी। यह पाठ्यक्रम अकादमिक वर्ष 2010-11 में शुरू किया गया था। अब तक, 367 छात्रों को यह डिप्लोमा प्रदान किया गया है।
निम्नलिखित पाठ्यक्रमों एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त करने के लिए प्रतीक्षारत है :

दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से अनुप्रयुक्त महामारी विज्ञान में डिप्लोमा

यह पाठ्यक्रम 2015-16 में 100 वार्षिक प्रवेश के साथ 12 महीने की अवधि के लिए शुरू किया गया था। यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से विभिन्न महामारी विज्ञान तकनीकों और प्रतिभागियों को महामारी विज्ञान के उपयोग का ज्ञान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। बैच 2021-22 में एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त नहीं होने के कारण कोई प्रवेश नहीं हुआ। अब तक कुल 105 उम्मीदवारों ने नामांकन किया है, जिनमें से 65 उत्तीर्ण हुए हैं।

दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से जन स्वास्थ्य पोषण में डिप्लोमा

यह पाठ्यक्रम 2015-16 में 100 वार्षिक प्रवेश के साथ 12 महीने की अवधि के लिए शुरू किया गया था। पाठ्यक्रम को विशेष रूप से प्रतिभागियों के बीच जन स्वास्थ्य पोषण से संबंधित पोषण विज्ञान की अधिक जागरूकता और समझ विकसित करने के लिए बनाया गया है। बैच 2021-22 में एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त नहीं होने के कारण कोई प्रवेश नहीं हुआ। कुल 126 आवेदकों ने प्रवेश लिया, जिनमें से 76 ने इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया है।

दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से स्वास्थ्य संचार में डिप्लोमा

यह पाठ्यक्रम 2015-16 में 100 वार्षिक प्रवेश के साथ 12 महीने की अवधि के लिए शुरू किया गया था। पाठ्यक्रम को विशेष रूप से प्रतिभागियों के बीच स्वास्थ्य संचार की अधिक जागरूकता और समझ उत्पन्न करने के लिए बनाया गया है। बैच 2021-22 में एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त नहीं होने के कारण कोई प्रवेश नहीं हुआ। कुल 8 आवेदकों ने प्रवेश लिया, जिनमें से 4 ने इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया है।

पीएच.डी कार्यक्रम:

हाल ही में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने संस्थान के पीएचडी कार्यक्रम को मान्यता देने के लिए सहमति जताई है और मामला प्रक्रियाधीन है। यह मामला एसएफसी की 63वीं बैठक में रखा गया था। एसएफसी के सदस्यों ने संस्थान को फीस को युक्तिसंगत बनाने के मामले पर फिर से विचार करने की सलाह दी।

वर्तमान में चार छात्र जन स्वास्थ्य और जैव चिकित्सा अनुसंधान के विभिन्न विषयों में कई विश्वविद्यालयों से डॉक्टरेट का कार्य कर रहे हैं।

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण / इंटर्नशिप कार्यक्रम:

इस कार्यक्रम के अंतर्गत, विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र जन स्वास्थ्य के विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों में अपने परियोजना कार्य को आगे बढ़ाते हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों के 21 छात्रों ने जन स्वास्थ्य के विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों में अपने परियोजना कार्य (2-3 महीने) को आगे बढ़ाया। समीक्षाधीन अवधि के दौरान सोलह छात्रों ने संस्थान के विभिन्न विभागों में अपने अल्पकालिक ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूर्ण किए।

शैक्षणिक दौरे:

नर्सिंग एवं मेडिकल के छात्र पूरे देश से विभिन्न सरकारी और निजी नर्सिंग और मेडिकल कॉलेज से राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में आते हैं। 75 नर्सिंग और मेडिकल छात्रों ने अपने पाठ्यक्रम के भाग के रूप में देश के विभिन्न हिस्सों से विभिन्न सरकारी और निजी नर्सिंग और मेडिकल कॉलेजों से इस संस्थान का दौरा किया।

प्रशिक्षण

संस्थान द्वारा, जन स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के क्षेत्र में स्वास्थ्य चिकित्सकों के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है। संस्थान द्वारा हर वर्ष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (आंतरिक और बाह्य) आयोजित किये जाते हैं, जिसका उद्देश्य (i) प्रतिभागियों को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रम के लक्ष्यों और उद्देश्यों से अवगत कराना है (ii) कार्यान्वयन के परिचालन (ओपरेशनल) संबंधी कठिनाईयों के बारे में उनके ज्ञान और समझ को अद्यतन (अपडेट) करना तथा (iii) ऐसी बाधाओं को दूर करने के लिए उपचारात्मक उपायों के लिए सुझाव देना है।

संस्थान ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में 42 प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान संचालित कराये गये प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की सूची नीचे उल्लेखित की गयी है:-

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	समन्वयक का नाम / नोडल अधिकारी	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	नव निर्मित एम्स के निदेशकों के लिए प्रथम फाउंडेशन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रो संजय गुप्ता	19 अप्रैल, 2021 से 15 मई, 2021 तक	04
2	कोविड-19 टीकाकरण रोल आउट पर ई-आईटेक प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रो संजय गुप्ता	19 मई, 2021 से 20 मई, 2021 तक	30
3	टीकाकरण तथा शीत श्रृंखला प्रबंधन पर, 13वां वर्चुअल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (T-VaCC)	प्रो. रेणु सहरावत	31 मई 2021 से 5 जून, 2021	35
4	टीकाकरण तथा शीत श्रृंखला प्रबंधन पर, 14वां वर्चुअल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (T-VaCC)	प्रो. रेणु सहरावत	6 से 11 दिसंबर, 2021	19
5	शीत श्रृंखला तकनीशियनों के लिए आईस लाईन रेफ्रिजरेटर (आईएलआर), डीप रेफ्रिजरेटर (डीएफ) एवं वोल्टेज स्टैबलाईजर मरम्मत (रिपेयर) एवं रखरखाव के लिए एनसीसीवीएमआरसी में आयोजित वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रो. रेणु सहरावत	31 मई, 2021 से 11 जून, 2021 21 जून, 2021 से 2 जुलाई, 2021 13 से 24 सितंबर, 2021 1 से 9 दिसंबर, 2021 15 से 23 फरवरी, 2022 7 से 12 मार्च, 2022	17 19 19 20 18 20
6	स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए बुनियादी बांझपन (Infertility) प्रबंधन पर ऑनलाईन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रो. रेणु सहरावत	4 से 6 अगस्त, 2021	45
7	महामारी की तैयारी और प्रबंधन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रो. संजय गुप्ता	28 से 30 जुलाई, 2021	74
8	पाठ्यक्रम प्रारुप पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रो. नीरा धर	28 से 30 जुलाई, 2021	38
9	जीवन शैली संबंधी रोगों और स्वास्थ्य संवर्धन (प्रोमोशन) पर ऑनलाईन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रो. पूनम खट्टर	10-13 अगस्त, 2021	49
10	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के लिए लॉजिस्टिक्स एवं आपूर्ति प्रबंधन प्रणाली पर 27 वां ट्रेनिंग पाठ्यक्रम	प्रो. मनीष चतुर्वेदी	5 जुलाई से 9 जुलाई, 2021	57

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	समन्वयक का नाम / नोडल अधिकारी	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
11	वरिष्ठ अस्पताल प्रशासकों के लिए अस्पताल प्रशासन पर 97वां प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रो. मनीष चतुर्वेदी	9 अगस्त, 2021 से 12 अगस्त, 2021	44
12	नवस्थापित एम्स के उपनिदेशकों के लिए फाउंडेशन एवं रिफ्रेशर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रो. संजय गुप्ता प्रो. मनीष चतुर्वेदी	13 सितंबर, 2021 से 8 अक्टूबर, 2021	14
13	सीमा सुरक्षा बल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों के लिए अस्पताल प्रबंधन पर आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रो. मनीष चतुर्वेदी	4 से 8 अक्टूबर, 2021	18
14	स्वास्थ्यकर्मियों के लिए जनसांख्यिकीय आंकड़ा विश्लेषण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रो. पुष्पांजलि स्वैन	23 अगस्त, 2021 से 25 अगस्त, 2021	65
15	राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, एन.एच.एम के तहत पीआईपी सहित विषयों के संदर्भ में स्वास्थ्य नीति, योजना और वित्तपोषण पर वर्चुअल माध्यम से प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रो. वी.के. तिवारी	26 जुलाई से 28 जुलाई, 2021	81
16	आंकड़ा विश्लेषण के प्रारंभ पर वर्चुअल माध्यम से प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रो. मिहिर कुमार मलिक	9 अगस्त से 11 अगस्त, 2021	54
17	वरिष्ठ नर्सिंग प्रशासकों के लिए प्रबंधन पर ऑनलाईन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. नंदिनी सुब्बैया	9 अगस्त से 11 अगस्त, 2021	107
18	स्वास्थ्य देखभाल प्रदातों के लिए मानसिक स्वास्थ्य पर ऑनलाईन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रो. मीराम्बिका महापात्रो	10 अगस्त, 2021 से 12 अगस्त, 2021	53
19	जीवन शैली रोगों और स्वास्थ्य संवर्धन (प्रोमोशन) पर ऑनलाईन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रो. पूनम खट्टर	10 अगस्त, 2021 से 13 अगस्त, 2021	49
20	प्रजनन जैव चिकित्सा के क्षेत्र में चिकित्सा अधिकारी/ संकाय /शोधकर्ताओं के लिए एडवांस तकनीकों पर वर्चुअल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. एस. रामचंद्र राव	11 अगस्त, 2021 से 13 अगस्त, 2021	33
21	कोलिशन पार्टनर्स (गठबंधन भागीदारों) और भारत के प्रमुख हितधारकों के लिए आरसीटीसी के तहत पहल के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रसार कार्यशाला	प्रो. पूनम खट्टर	20 अगस्त, 2021	32
22	स्वास्थ्यकर्मियों के लिए जनसांख्यिकीय आंकड़ा विश्लेषण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रो. पुष्पांजलि स्वैन	23 अगस्त से 25 अगस्त, 2021	65
23	आयुष मंत्रालय के तहत कार्यरत आयुष अधिकारियों के लिए प्रशासनिक और वित्तीय कौशल पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रो. वी.के. तिवारी	6 से 10 सितंबर, 2021	26
24	स्वास्थ्य सेवा में कार्यरत कर्मचारियों के लिए बुनियादी प्रजनन जैव चिकित्सा तकनीकें एवं क्षमता निर्माण हेतु ऑनलाईन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. राजेश कुमार	1 सितंबर, 2021 से 3 सितंबर, 2021	16
25	दक्ष राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला में कौशल प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण	डॉ. गीतांजलि	6 सितंबर, 2021 से 11 सितंबर, 2021	5
26	आयुष मंत्रालय के निदेशकों/आयुष संस्थान के प्रभारियों के लिए नेतृत्व एवं प्रबंधन के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रो. मिहिर कुमार मलिक	16 सितंबर, 2021 से 17 सितंबर, 2021	19

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	समन्वयक का नाम / नोडल अधिकारी	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
27	दक्ष, राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला में चिकित्सा अधिकारियों, स्टाफ नर्सों और नर्सिंग संकाय के लिए प्रशिक्षण	डॉ. गीतांजलि	20 सितंबर, 2021 से 25 सितंबर, 2021	8
28	चिकित्सा सोशल कार्यकर्ताओं के लिए रोगी देखभाल प्रबंधन पर ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. सरिता गौतम	21 सितंबर, 2021 से 23 सितंबर,2021	34
29	दक्ष, राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला में चिकित्सा अधिकारियों, स्टाफ नर्सों और नर्सिंग संकाय के लिए प्रशिक्षण	डॉ. गीतांजलि	4 अक्टूबर, 2021 से 10 अक्टूबर, 2021	6
30	कोल्ड चैन तकनीशियनों के लिए आईस लाइन रेफ्रिजरेटर (आईएलआर), डीप रेफ्रिजरेटर (डीएफ) एवं वोल्टेज स्टैबलाईजर की मरम्मत (रिपेयर) एवं रखरखाव के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रो. रेणु सहरावत	8 नवंबर, 2021 से 16 नवंबर, 2021	20
31	राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार (एसबीसीसी) में एएनएम प्रशिक्षण केंद्रों के स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों और शिक्षकों के क्षमता निर्माण पर ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. अंकुर यादव	25 अगस्त, 2021 से 27 अगस्त, 2021	14
32	जोखिम संचार और सामुदायिक जुड़ाव (आरसीसीई) में स्वास्थ्य पेशेवरों के क्षमता निर्माण पर ऑनलाइन पायलट प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. अंकुर यादव	23 नवंबर, 2021 से 25 नवंबर, 2021	28
33	जोखिम संचार और सामुदायिक जुड़ाव (आरसीसीई) में स्वास्थ्य पेशेवरों के क्षमता निर्माण पर ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. अंकुर यादव	20 से 22 दिसंबर, 2021	38
34	नर्सिंग पेशेवरों के लिए अनुसंधान पद्धति पर ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रो. नंदिनी सुब्बैया	6 से 10 दिसंबर, 2021	52
35	महामारी विज्ञान में जैव सांख्यिकी के अनुप्रयोग पर ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रो. पुष्पांजलि स्वैन	20-21 दिसंबर, 2021	91

बाह्य प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	समन्वयक(कोर्डिनेटर) का नाम / नोडल अधिकारी	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	आइस लाईन रेफ्रिजरेटर (आईएलआर)- डीप फ्रीजर (डीएफ), वोल्टेज स्टैबलाईजर (वीएस) मरम्मत और रखरखाव (त्रिपुरा और बिहार)	ई.आर. योगेश भामरे, एनसीसीआरसी समन्वयक, पूणे	27से30 जुलाई, 2021	30
2	आइस लाईन रेफ्रिजरेटर (आईएलआर)-डीप फ्रीजर (डीएफ) - वोल्टेज स्टैबलाईजर (वीएस) मरम्मत और रखरखाव (ओडीशा)	ई.आर. योगेश भामरे, एनसीसीआरसी समन्वयक, पूणे	24से 27 अगस्त, 2021	54

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	समन्वयक(कोर्डिनेटर) का नाम / नोडल अधिकारी	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
3	आइस लाईन रेफ्रिजरेटर (आईएलआर) - डीप फ्रीजर (डीएफ)-सौर डायरेक्ट ड्राईव (एसडीडी) - वोल्टेज स्टेबलाईजर (वीएस) - वॉकिंग कूलर (डब्ल्यूआईसी)-वाकिंग फ्रीजर (डबल्यूआईएफ) मरम्मत और रखरखाव (महाराष्ट्र)	ई.आर. योगेश भामरे, एनसीसीआरसी समन्वयक, पूणे	18से 30 अक्टूबर, 2021	16
4	आइस लाइन रेफ्रिजरेटर (आईएलआर)-डीप फ्रीजर (डीएफ)-वोल्टेज स्टैबलाईजर (वीएस) मरम्मत और रखरखाव (महाराष्ट्र)	ई.आर. योगेश भामरे, एनसीसीआरसी समन्वयक, पूणे	23 नवंबर से 5 दिसंबर, 2021	54

बैठकों का आयोजन किया गयाः

वित्तीय वर्ष **2021-22** के दौरा, आयोजित बैठकों की सूची नीचे दी गयी हैः-

क्. सं.	बैठक का शीर्षक	समन्वयक (कोर्डिनेटर) का नाम / नोडल अधिकारी	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	63वीं और 64वीं स्थायी वित्त समिति	निदेशक	22 नवंबर, 2021 से 29 जनवरी, 2022	सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय), ए.एस एफ.ए., डी.जी.एच.एस, जे.एस. (प्रशिक्षण), निदेशक, रास्वापक. संस्थान
2.	कार्यक्रम सलाहकार समिति	निदेशक	27 जनवरी, 2022	संकाय सदस्य, चिकित्सा अधिकारी, अनुसंधान अधिकारी
3.	टीकाकरण शीत श्रृंखला लॉजिस्टिक्स सचिवालय पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार निकाय (एनटीएबी)	निदेशक नोडल अधिकारी, एनसीसीवीएमआरसी	10-08-2021, 10-02-2022	राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार निकाय के सभी सदस्य
4	तकनीकी विशिष्टता विकास समूह की बैठकें	नोडल अधिकारी, एनसीसीवीएमआरसी	23-06-2021 28-07-2021	टीएसडीजी के सभी सदस्य
5	तकनीकी विशिष्टता समिति की बैठकें	डी.जी.एच.एस	7-10-2021 01-12-2021 07-01-2022	टीएससी के सभी सदस्य

वेबिनार आयोजित

वित्तीय वर्ष **2021-22** के दौरान आयोजित वेबिनार की सूची नीचे दी गयी हैः-

क्र. सं.	बैठक का शीर्षक	समन्वयक (कोर्डिनेटर) का नाम / नोडल अधिकारी	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	भारत में स्वास्थ्य के लिए मानव संसाधनों को मजबूत करके सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त करनाः वर्चुअल माध्यम से स्वास्थ्य के लिए मानव संसाधन के एक परिणाम के रूप में कार्रवाई अनुमोदन हेतु कॉल (CALL) संगोष्ठी	प्रो. रजनी बग्गा	9 जुलाई, 2021	752
2.	चिकित्सक और प्रवासनः प्रमुख कारक, और प्रभाव	प्रो. पूनम खट्टर	9 सितंबर, 2021	914

अनुसंधान एवं मूल्यांकन

संस्थान स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के विभिन्न पहलुओं में अनुसंधान कार्य को प्राथमिकता देता है। संस्थान में एक अकादमिक समिति और एक उच्च स्तरीय कार्यक्रम सलाहकार समिति है, जिसमें पूरे भारत के प्रख्यात विशेषज्ञ शामिल हैं। शैक्षणिक प्रयासों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए इन समितियों द्वारा संस्थान की सभी शैक्षिक और अनुसंधान गतिविधियों की जांच की जाती है और संबद्ध विचार-विमर्श भी किया जाता है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक शोध प्रस्ताव को संस्थान के नैतिक समीक्षा बोर्ड के समक्ष रखा जाता है जिसमें नैतिक और अन्य प्रासंगिक मुद्दों को देखने के लिए स्वास्थ्य, अनुसंधान और प्रासंगिक तकनीकी पृष्ठभूमि के शिक्षाविद शामिल होते हैं।

संस्थान भारत सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न गतिविधियों और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का मूल्यांकन अध्ययन करता है।

अनुसंधान और मूल्यांकन

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, संस्थान 15 शोध अध्ययनों में शामिल रहा है। इन शोध अध्ययनों में से 10 पूरे हो चुके हैं। इसमें एम.डी. (सीएचए) के छात्रों द्वारा किए गए 5 अध्ययन शामिल हैं। शेष 05 चल रहे हैं।

पूर्ण अनुसंधान अध्ययन

1. भारत में कोविड-19 के पश्चात तंबाकू नियंत्रण एवं इस संबंध में हुए विकास: साहित्य की एक माध्यमिक समीक्षा (अन्वेषक: डॉ. अंकुर तथा प्रो. पूनम खट्टर)

उद्देश्य:

- कोविड -19 के पश्चात तंबाकू नियंत्रणस्थिति के संबंध में विकास का अध्ययन करने के संबंध में:
  क. सार्वजनिक स्थानों पर थूकने पर प्रतिबंध।
  ख. धूम्रपान एवं कोविड़-19 से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों के संबंध में उपलब्ध साहित्य का अध्ययन करना
- कोविड -19 के पश्चात तंबाकू नियंत्रण के संबंध में भारत सरकार द्वारा जारी स्वास्थ्य सलाह/दिशानिर्देशों या अधिसूचनाओं की तुलना करना।
- महामारी कोविड -19 परिदृश्य और जन स्वास्थ्य के आलोक में तंबाकू नियंत्रण के लिए नीतिगत उपायों का सुझाव देना।

प्रमुख निष्कर्ष:

- तंबाकू, कोविड -19 के संचारण और परिणाम को अनुबंधित करने और बढ़ाने में सबसे महत्वपूर्ण जोखिम के कारणों में से एक है।

- अनुसंधान (द्वितीयक डेटा के आधार पर) से पता चला है कि धूम्रपान और तंबाकू के अन्य रूप शरीर के विभिन्न अंगों (विशेषकर फेफड़े) में एसीई2 रिसेप्टर्स को नियंत्रित करते हैं जो धूम्रपान करने वालों/तंबाकू उपभोक्ताओं को कोविड 19 रोग के प्रति अधिक संवेदनशील बनाते हैं।

संस्तुतियां:

- लोगों को एवं नीति निर्माताओं को धूम्रपान तथा वापिंग दरों को कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर विचार करना चाहिए, क्योंकि धूम्रपान से कोविड के संचारण, पैथो-फिजियोलॉजी और रोग के परिणाम बढ़ा सकते हैं।
- धूम्रपान न करने वालों के बीच धूम्रपान की रोकथाम की पहल को बढ़ावा देने के लिए जन स्वास्थ्य प्रणालियों द्वारा सक्रिय प्रयासों की आवश्यकता को मजबूत करना, साथ ही धूम्रपान करने वालों की पहचान करना, सलाह देना एवं उन्हें बंद करने के प्रयासों में शामिल करना।
- प्रभावी तंबाकू समाप्ति के लिए इस चुनौतीपूर्ण समय में कमजोर आबादी को सक्रिय रूप से लक्षित करना: जैसे कि मानसिक स्वास्थ्य रोगी, बुजुर्ग, बिना संपर्क में आए मादक पदार्थों और शराब के आदी व्यक्ति, प्रतिबंधित गतिशीलता और स्वास्थ्य साक्षरता के निम्न स्तर के कारण।
- एसएलटी उत्पादों की बिक्री पर नए लगाए गए प्रतिबंध और देश में थूकने पर प्रतिबंध अभियान को अनिश्चित काल तक जारी रखा जाएगा, ताकि इस प्रतिबंध को बनाए रखने के प्रयासों को सुनिश्चित किया जा सकें।

2. मौजूदा वैक्सीन परिवहन बनाम वाहनों की आउटसोर्सिंग की लागत-प्रभावी विश्लेषण

(अन्वेषक: प्रो. रेणु सहरावत, अभियंता हितेश कुमार, सुश्री दीप्ति सिंघल, श्री नदीम अहमद)

उद्देश्य:

- देश में वैक्सीन रसद आपूर्ति के लिए आउटसोर्सिंग तंत्र के साथ मौजूदा परिवहन प्रणाली (657 मौजूदा तथा 144 की खरीद के लिए प्रस्तावित) के लिए अनुमानित वार्षिक लागत की तुलना करके लागत प्रभावी का विश्लेषण करना।
- देश में वैक्सीन की आपूर्ति के लिए आउटसोर्सिंग तंत्र (144 वाहन/साइट) के साथ प्रस्तावित 144 वाहनों (खरीदे जाने वाले) के लिए अनुमानित वार्षिक लागत की तुलना करके लागत प्रभावी का विश्लेषण करना।

प्रमुख निष्कर्ष:

- टीकाकरण आपूर्ति श्रृंखला में सभी 801 (657 मौजूदा +144 प्रस्तावित) वाहनों के लिए, मौजूदा तंत्र में अनुमानित वार्षिक लागत 33.52 करोड़ है और वैक्सीन वितरण वाहन को किराए पर लेने की अनुमानित वार्षिक लागत 76.41 करोड़ है। मौजूदा तंत्र के सभी स्तरों पर भर्ती तंत्र (हायरिंग मैकेनिज्म) की तुलना में 42.89 करोड़ (56%) कम खर्चीला है।

- टीकाकरण आपूर्ति श्रृंखला में 144 प्रस्तावित वैक्सीन वितरण वाहनों/साइटों के लिए, मौजूदा तंत्र में अनुमानित वार्षिक लागत 6.60 करोड़ है और वैक्सीन वितरण वाहन को किराए पर लेने की अनुमानित वार्षिक लागत 12.43 करोड़ है। मौजूदा तंत्र 144 वैक्सीन डिलीवरी वाहनों/साइटों के लिए भर्ती तंत्र (हायरिंग मैकेनिज्म)की तुलना में 5.83 करोड़ (47%) कम खर्चीला है।

3. दिल्ली एनसीआर में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) का आकलन (अन्वेषक: डॉ श्याम सुंदर दुर्गम और डॉ संजय गुप्ता)

उद्देश्य:

- लाभार्थियों के बीच एबी-पीएमजेएवाई योजना के विवरण के बारे में जागरूकता के स्तर का पता लगाना।
- अस्पताल में एबी-पीएमजेएवाई योजना के उपयोग पैटर्न का अध्ययन करना।
- अस्पताल में एबी-पीएमजेएवाई योजना का लाभ उठाने वाले मरीजों के खर्चों का आकलन करना ।

प्रमुख निष्कर्ष:

- यह देखा गया है कि प्रधान मंत्री के पत्र पीएमजेएवाई के बारे में प्राथमिक जानकारी का प्रमुख स्रोत थे, लेकिन पड़ोसियों, सहकर्मियों, दोस्तों और रिश्तेदारों के बीच मौखिक प्रचार के माध्यम से योजना के गहन विवरण को बढ़ावा दिया गया था।
- इस अध्ययन के अनुसार, सामान्य चिकित्सा विभाग में पीएमजेएवाई योजना का विशेष उपयोग सबसे अधिक पाया गया, कुल मामलों में 15% का योगदान, इसके बाद सामान्य सर्जरी में 13%, हेमोडायलिसिस में 11% तथा कार्डियोलॉजी में 10 % का उपयोग हुआ है।
- अध्ययन में पाया गया कि पीएमजेएवाई योजना के 66% लाभार्थियों ने अस्पताल में उपयोग की जाने वाली सेवाओं के लिए भुगतान नहीं किया। सेवाओं के लिए भुगतान करने वाले 34% लाभार्थियों में से 21% ने 2000 रुपये से कम का भुगतान किया।

संस्तुतियां:

- अस्पताल जागरूकता वृद्धि के माध्यम से, विकल्पों की सूचना द्वारा पीएमजेएवाई योजना के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सकती है जिसके लिए रोगी स्तर के प्रयास शुरू किए जा सकते है। सूचना प्राप्त रोगी, रोगी एवं प्रदाताओं के मध्य विवाद को कम करना सुनिश्चित करेगा।
- इस अध्ययन से पता चला कि एक तिहाई से अधिक मामले केवल 3 विशिष्टताओं के थे, हालांकि अस्पताल 20 से अधिक विशिष्टताओं के लिए सूचीबद्ध है। केवल चयनित सेवाओं के अतिरिक्त सभी पैनलबद्ध विशिष्टताओं के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की सिफारिश की जा सकती है।

- पीएमजेएवाई रोगियों की जांच के लिए एक समर्पित चिकित्सा समन्वयक की नियुक्ति करें और केवल निदान की पुष्टि के लिए तर्कसंगत जांच करने के लिए संबंधित विशेषज्ञों के साथ परामर्श की सुविधा प्रदान करें।
- डायलिसिस रोगियों में, क्रोनिक किडनी रोगों में हेमोडायलिसिस प्रक्रिया से संबंधित जटिलताओं के कारण अधिक पैसा खर्च होता था। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण या राज्य स्वास्थ्य एजेंसी ऐसी स्थितियों पर विचार कर सकती है और पुरानी हेमोडायलिसिस से संबंधित जटिलताओं के लिए एक अलग पैकेज प्रदान कर सकती है।

4. दिल्ली में टाइप 2 मधुमेह के लिए एलोपैथिक और आयुर्वेदिक उपचार पर चिकित्सकों और रोगियों की धारणा का अध्ययन। (अन्वेषक- डॉ. रूपेश गुप्ता और प्रो. संजय गुप्ता)

उद्देश्य:

- टाइप II मधुमेह के रोगियों में उपचार व्यवहार का आकलन करना।
- मधुमेह प्रकार II और एकीकरण के आयुर्वेद उपचार के प्रति एलोपैथिक चिकित्सकों की धारणा का आकलन करना।
- मधुमेह प्रकार II और एकीकरण के लिए एलोपैथिक उपचार के प्रति आयुर्वेद चिकित्सकों की धारणा का आकलन करना।

प्रमुख निष्कर्ष:

- आयुर्वेद उपचार के उपयोग के लिए जिन रोगियों को चिकित्सक/स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता ने परामर्श दिया, उनकी संख्या कम थी।
- लगभग आधे (48%) रोगी मधुमेह के लिए अतिरिक्त उपचार का उपयोग कर रहे थे। घरेलू नुस्खों का भी उपयोग प्रचलित है। अविश्वसनीय स्रोतों (10.5%) से अज्ञात औषधि का उपयोग करने वाले लोगों का एक बड़ा प्रतिशत है।
- कम से कम प्रतिशत (10% आयुर्वेद और 3.5% एलोपैथिक) रोगी अपने उपचार करने वाले चिकित्सकों को अतिरिक्त उपचार के उपयोग के बारे में सूचित कर रहे थे।
- अधिकांश एलोपैथिक चिकित्सकों (एन = 6) ने आयुर्वेद सिद्धांतों (50%) में वैज्ञानिक प्रमाणों की कमी और इन दवाओं (40%) से अज्ञात प्रतिकूल दुष्प्रभावों के कारण अपने रोगियों को आयुर्वेद उपचार की सिफारिश नहीं की।
- अधिकांश आयुर्वेद चिकित्सक अपने रोगियों से एलोपैथिक उपचार के उपयोग के बारे में पूछताछ करते हैं। आपातकालीन स्थिति के लिए या जिन रोगियों को शल्यचिकित्सा की आवश्यकता होती है, चिकित्सक उन रोगियों को एलोपैथी की सलाह देते हैं।

संस्तुतियां:

- आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के बारे में ज्ञान और जागरूकता वैज्ञानिक एवं प्रामाणिक होने की आवश्यकता है।
- रोगी को विकल्पों में से अपनी पसंदीदा चिकित्सा प्रणाली का चयन करने में सक्षम होना चाहिए।
- एलोपैथी और आयुर्वेद के बीच क्रॉस रेफरेंसिंग के लिए एक एकीकृत उपचार प्रोटोकॉल विकसित किया जा सकता है ताकि दोनों प्रणालियों के बीच तालमेल का उपयोग किया जा सकें और एक दूसरे की खामियों का समर्थन किया जा सकें।
- नियमित केस चर्चा और अकादमिक साहित्य का आदान-प्रदान दोनों प्रणालियों के चिकित्सकों के बीच संवाद और सहयोग के अवसर प्रदान करता है।

5. तृतीयक देखभाल अस्पतालों में कार्यस्थल पर हिंसा और स्वास्थ्य देखभाल व्यावसायिकों की आरोग्यता पर इसका प्रभाव (अन्वेषक- डॉ. मनोज कुमार और प्रो. रजनी बग्गा)

उद्देश्य:

- तृतीयक देखभाल अस्पतालों में स्वास्थ्य व्यावसायिकों के प्रति विभिन्न प्रकार के कार्यस्थलीय हिंसा की सीमा का अध्ययन करना।
- स्वास्थ्य व्यावसायिकों पर कार्यस्थलीय हिंसा के प्रभाव का अध्ययन करना।
- स्वास्थ्य व्यावसायिकों के मध्य मनोसामाजिक तनाव और बर्नआउट (अधिक गुस्से) का अध्ययन करना।
- अस्पतालों में कार्यस्थल पर हिंसा की रोकथाम और स्वास्थ्य व्यावसायिकों की सुरक्षा में सुधार के लिए उपायों/सिफारिशों का सुझाव देना।

प्रमुख निष्कर्ष:

- कुल मिलाकर, पिछले 12 महीनों की अवधि के दौरान कुल 302 में से 146 (48.3%) एचसीपी द्वारा विभिन्न प्रकार की कार्यस्थल हिंसा की 210 घटनाएं दर्ज की गईं, जिसमें मौखिक दुर्व्यवहार (45%) सबसे अधिक बार, डराना/भीड़ द्वारा पीछा किया जाना (15.9%), शारीरिक हिंसा (6.3%), नस्लीय उत्पीड़न (1.7%) तथा यौन उत्पीड़न (0.7%) शामिल है।
- कम आयु वर्ग (20 से 29 वर्ष) के प्रतिभागियों के साथ पुरुष और एकल/ अविवाहित प्रतिभागियों ने सबसे अधिक कार्यस्थल पर हिंसा का अनुभव किया।
- व्यवसाय के संबंध में, चिकित्सकों को सबसे अधिक कार्यस्थल हिंसा, शारीरिक हिंसा, मौखिक दुर्व्यवहार और नस्लीय उत्पीड़न का सामना करना पड़ा, जबकि नर्सों ने उच्च स्तर के अपशब्द/भीड़ द्वारा पीछा किया गया तथा यौन उत्पीड़न का सामना करने की सूचना दी।
- सबसे अधिक शारीरिक हिंसा और नस्लीय उत्पीड़न की सूचना सामान्य चिकित्सा विभाग से मिली, इसके बाद त्वचा-विज्ञान विभाग से मौखिक दुर्व्यवहार, ओबीजीवाई से अपशब्द/भीड़ का

पीछा किया गया तथा हताहतों से यौन उत्पीड़न की सूचना मिली। साथ ही, एचसीपी ने प्रति सप्ताह 90 घंटे से अधिक काम करते हुए उच्च स्तर की कार्यस्थल हिंसा का अनुभव किया।

- जहां तक अपराधियों का संबंध था, रोगियों के संबंधियों, स्टाफ सदस्यों, सामान्य जनता और रोगियों की पहचान कार्यस्थल पर होने वाली विभिन्न प्रकार की हिंसाओं के प्राथमिक अपराधियों के रूप में की गई थी।
- कार्यस्थलीय हिंसा की रिपोर्टिंग के संबंध में, अधिकांश मामले शारीरिक हिंसा के दर्ज़ किए गए तथा केवल 50 % से कम मामले, मौखिक दुर्व्यवहार, अपशब्द /भीड़ द्वारा पीछा और नस्लीय उत्पीड़न के दर्ज़ किए गए और यौन उत्पीड़न के कोई मामले दर्ज नहीं किए गए।
- शारीरिक और मनोवैज्ञानिक कार्यस्थल हिंसा के लिए मुख्य योगदान करने वाले कारकों की पहचान 'रोगियों की अधिकता, 'एक रोगी के साथ परिचारकों की अधिक संख्या', 'अस्पताल में उचित सुरक्षा न होना ' तथा 'कर्मचारी/चिकित्सकों पर कार्य का अधिक बोझ होना' के रूप में की गई थी।
- एचसीपी में आरोग्यता तथा बर्नआउट (अधिक गुस्से) के संबंध में, अधिकांश प्रतिभागियों ने डब्ल्यूईएमडब्ल्यूबीएस पैमाने पर 'औसत' मानसिक अस्तित्व स्कोर प्राप्त किया, जबकि अधिकांश एचसीपी ने 'व्यक्तिगत उपलब्धि' (पीए), 'भावनात्मक थकावट' (ईई) और 'प्रतिरूपण' (डीपी) श्रेणी में कम स्कोर प्राप्त किया। ।
- कार्यस्थल हिंसा के स्तरों के साथ डब्ल्यूईएमडब्ल्यूबीएस और एमबीआई स्कोर का मिलान करने पर, परिणामों से पता चला कि यौन उत्पीड़न के अतिरिक्त किसी भी प्रकार की कार्यस्थल हिंसा का अनुभव करने वाले एचसीपी के मानसिक स्वास्थ्य के लिए कम औसत स्कोर थे और एचसीपी जिन्होंने किसी भी प्रकार के कार्यस्थल हिंसा का अनुभव किया हो, उन्होंने 'भावनात्मक थकावट' और 'प्रतिरूपण श्रेणियां' के लिए उच्च माध्य स्कोर प्राप्त किया, जबकि 'व्यक्तिगत उपलब्धि' श्रेणी के लिए कम अंक देखे गए, जो किसी भी प्रकार के कार्यस्थल पर हिंसा का अनुभव करने वाले एचसीपी के बीच उच्च मनोसामाजिक तनाव और बर्नआउट को दर्शाते हैं।

संस्तुतियां:

नीतिगत स्तर पर सुझाव

- स्वास्थ्य क्षेत्र में डब्ल्यूपीवी के खिलाफ एक अधिनियम पेश करना
- पारस्परिक संचार और व्यवहार कौशल पर विषयों को शामिल करने के लिए चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रम का संशोधन
- कानूनी सेल
- सामान्य हेल्पलाइन

अस्पताल प्रशासन और प्रबंधन स्तर पर सुझाव

- कार्यस्थल हिंसा के विरुद्ध शून्य सहिष्णुता नीति विकसित करना
- एचसीपी के लिए रोगी संचार और परामर्श कौशल प्रशिक्षण
- हिंसक घटनाओं के लिए एक विशिष्ट कोड की शुरुआत करना

- उपयुक्त स्टाफिंग (कर्मचारी)
- सुरक्षा और बचाव के उपाय
- संबंध की संस्कृति को विकसित करने के लिए वरिष्ठ संकाय/परामर्शदाताओं और कनिष्ठ कर्मचारियों के मध्य संवाद बढ़ाने हेतु नियमित उपाय

स्वास्थ्य देखभाल व्यावसायिकों के स्तर पर सुझाव

- कार्यस्थल पर होने वाली हिंसा की घटनाओं की रिपोर्टिंग
- संचार और पारस्परिक कौशल में सुधार
- कार्यस्थल पर होने वाली हिंसा की घटनाओं के बारे में बात करना ।
- संवेदनशील स्थिति में काम करते समय सतर्क रहना ।

6. एक तृतीयक देखभाल अस्पताल के ब्लड बैंक में संचालित रक्त सुरक्षा के संबंध में हेमोविजिलेंस कार्यक्रम का मूल्यांकन (अन्वेषक- डॉ. ईशांत कुमार और प्रो. मनीष चतुर्वेदी)

उद्देश्य:

- हेमोविजिलेंस कार्यक्रम के निष्पादन और रक्तदाताओं और प्राप्तकर्ताओं में रक्ताधान संबंधी प्रतिकूल घटनाओं के संभावित कारणों को रोकने के लिए किए गए उपायों का अध्ययन करना।
- रक्ताधान और रक्त-दाता से संबंधित प्रतिकूल घटनाओं और प्रतिक्रियाओं का अध्ययन करना।

प्रमुख निष्कर्ष:

- ब्लड बैंक से कुल 43,679 रक्त घटक जारी किए गए, जिनमें से 31 यूनिट रक्त के प्राप्तकर्ताओं में परिणामस्वरूप प्रतिकूल आधान प्रतिक्रिया (एटीआर) हुई।
- रक्तदान करने वाले 25,050 रक्तदाताओं में से 30 दाताओं ने अध्ययन अवधि के दौरान या दान के बाद प्रतिकूल प्रतिक्रिया विकसित की।
- प्रतिकूल आधान प्रतिक्रिया (एटीआर) विकसित होने की संभावना 0.07 प्रति 100 रक्त यूनिट जारी की गई थी और प्रतिकूल रक्तदाता प्रतिक्रिया की आवृत्ति 0.11% पाई गई थी।

संस्तुतियां:

- सभी स्वास्थ्य सुविधाओं को भारत के हेमोविजिलेंस कार्यक्रम में नामांकित होना चाहिए और ट्रांसफ्यूजिंग चिकित्सकों/नर्सों/तकनीशियनों को अद्यतन और प्रेरित करने के लिए नियमित सीएमई का आयोजन किया जाना चाहिए।
- अंडर-रिपोर्टिंग को रोकने के लिए डेटा संग्रहण हेतु एक सुव्यवस्थित तंत्र और एक निष्पक्ष तृतीय-पक्ष निगरानी प्रणाली के साथ बेहतर अंतर-विभागीय समन्वय स्थापित किया जाना चाहिए।

- नीतियों का उचित कार्यान्वयन और मानक संचालन प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन, गुणवत्ता में सुधार लाने और प्रतिकूल घटनाओं को कम करने में मदद कर सकता है।
- रक्ताधान और रक्तदान की मूल बातें स्नातक पाठ्यक्रम में सिखाई जानी चाहिए और इंटर्न की क्रमवार तैनाती ब्लड बैंक में अनिवार्य होनी चाहिए।
- रक्तदाताओं के लिए अनुवर्ती/प्रतिक्रिया तंत्र स्थापित करना भी उपयोगी है।

7. नई दिल्ली में शहरी स्वास्थ्य सेवा वितरण सेवाओं में मोहल्ला क्लीनिक का मूल्यांकन (अन्वेषक- डॉ. गौरव कुमार झा एवं प्रो. मनीष चतुर्वेदी)

उद्देश्य:

- राज्य के मोहल्ला क्लीनिकों के कामकाज का आकलन करना
- मोहल्ला क्लीनिकों की कार्य-क्षमता और सीमाओं की पहचान करना और
- सुधार के उपाय सुझाना, यदि कोई हों।
- रक्तदाताओं और प्राप्तकर्ताओं में रक्ताधान संबंधी प्रतिकूल घटनाओं के संभावित कारणों को रोकने के लिए किए गए हेमोविजिलेंस कार्यक्रम और उपायों के कार्यान्वयन का अध्ययन करना।

प्रमुख निष्कर्ष:

- मुख्य रूप से मोहल्ला क्लीनिक लोगों के घरों के करीब होने के कारण, कुल मिलाकर प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को लोगों के करीब लाने में सक्षम थे।
- मोहल्ला क्लीनिक के पास व्यवस्थित अच्छी रेफरल प्रणाली, निर्बाध और समय पर खरीद के साथ-साथ दवाओं की नियमित आपूर्ति और क्लीनिकों में उपलब्ध नैदानिक सेवाओं की विस्तृत श्रृंखला है।
- संबंधित कार्य की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां संबंधित एचसीपी को व्यवस्थित रूप से सौंपी गईं जिससे काम में कम अराजकता और बेहतर एकरूपता आई।
- कुल मिलाकर रोगियों की संतुष्टि काफी अधिक थी और स्वास्थ्य सेवा प्रदाता भी मोहल्ला क्लीनिकों की कार्य स्थितियों से संतुष्ट थे।
- रोगियों द्वारा प्रयोगशाला सेवाओं और दवाओं का भी भरपूर उपयोग किया गया।
- बुनियादी ढांचे, भवन निर्माण और एचसीपी के नियमित प्रशिक्षण और सहायक कर्मचारियों के कम वेतन के मामले में कुछ चुनौतियाँ थीं।

संस्तुतियां:

- प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की एक पूरी श्रृंखला प्रदान करने के लिए निवारक और प्रोत्साहक स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रदान की जानी चाहिए।

- शारीरिक रूप से अक्षम या आकस्मिक मामलों को अधिक सुलभ बनाने के लिए रैंप, व्हीलचेयर, स्ट्रेचर का प्रावधान होना चाहिए।
- विभिन्न सुरक्षा प्रोटोकॉल, आपदा प्रबंधन प्रोटोकॉल और अन्य हालिया चिकित्सा अपडेट के साथ उन्हें अद्यतन करने के लिए कर्मचारियों का नियमित प्रशिक्षण किया जाना चाहिए।
- व्यक्तिगत क्लीनिकों की समस्याओं को समझने, चर्चा करने और हल करने के लिए सभी मोहल्ला क्लिनिक चिकित्सकों की समीक्षा बैठक साप्ताहिक / मासिक आयोजित की जानी चाहिए।
- एक स्वास्थ्य प्रमोटर या समकक्ष पद की नियुक्ति होनी चाहिए जो परिवार नियोजन परामर्श, जीवन शैली संशोधन सत्र और अन्य स्वास्थ्य प्रचार और निवारक स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन करेगा।
- आपातकालीन स्थिति में काम के घंटों के दौरान ऑनलाइन कार्डियोलॉजिस्ट सलाहकार के साथ प्रत्येक मोहल्ला क्लिनिक में ईसीजी मशीनों की व्यवस्था होनी चाहिए।
- काम के घंटों के बाद प्रोत्साहन टेलीकंसल्टेशन सेवाएं चौबीसों घंटे और सातों दिन मौजूद रहनी चाहिए।
- कागज रहित न्यूनतम संपर्क कार्य करने के लिए प्रत्येक एएएमसी में टोकन वेंडिंग मशीन और दवा वेंडिंग मशीन स्थापित की जानी चाहिए।
- क्लीनिकों के प्रतीक्षास्थलों पर पर्याप्त कुर्सियां होनी चाहिए और यह अधिमानतः छत वाली जगह होनी चाहिए।
- एएनसी और टीकाकरण सेवाओं के लिए एक सप्ताह में विशेष सत्र निर्धारित किए जाने चाहिए।
- आपातकालीन मामलों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एम्बुलेंस सेवाओं जैसी आपातकालीन सेवा उपलब्ध होनी चाहिए।
- जन स्वास्थ्य सेवाओं का एकीकरण जैसे लंबवत स्वास्थ्य कार्यक्रम (जैसे राष्ट्रव्यापी पल्स-पोलियो कार्यक्रम) इसे और अधिक सार्वभौमिक दृष्टिकोण दे सकते हैं।

8 हरियाणा राज्य के एक जिले में आरएमएनसीएच+ए में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन निधि के उपयोग का अध्ययन (अन्वेषक: डॉ रुचि गेलॉन्ग और प्रो. वी. के. तिवारी)

विशिष्ट उद्देश्य

- आरएमएनसीएच+ए में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में एक जिले और उससे नीचे के फंड दिशानिर्देशों, तंत्र और प्रक्रियाओं की पहचान करना।
- आरएमएनसीएच+ए के तहत विभिन्न गतिविधियों के लिए जिला और जिला स्तर से नीचे के बजट के वितरण की प्रक्रिया का अध्ययन करना।
- आरएमएनसीएच+ए में विभिन्न घटकों पर किए गए व्यय के उपयोग और निगरानी का विश्लेषण करना।
- हरियाणा राज्य के किसी जिले और उससे नीचे के आरएमएनसीएच+ए में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की निधियों के उपयोग से संबंधित कोई बाधा हो तो उनका वर्णन करना और उन्हें दूर करने के उपाय सुझाना।

प्रमुख निष्कर्ष:

- आबंटित बजट राशि राज्य को दिए गए डीएचएपी के अनुसार नहीं है, जिसके लिए अनुमोदन और कटौती का कोई कारण प्राप्त नहीं हुआ है। इसके परिणाम स्वरूप धन का कम उपयोग होता है।
- उपकेंद्र पर एएनएम ने पीएचसी या सीएचसी से धन प्राप्त करने में देरी की सूचना दी क्योंकि उन्हें वित्तीय वर्ष के अंत के करीब एक ही बार में धन प्राप्त हो गया था, जिससे उन्हें उपयोग करने के लिए बहुत कम समय बचा था।
- कई उप-बजट शीर्षों के कारण सुविधाओं का उपयोग दिखाने में असमर्थ हैं, जिससे पूरी वित्तीय प्रणाली जटिल हो गई है। तीन वित्तीय वर्षों में नोट किए गए विभिन्न बजट शीर्षों के उपयोग में विसंगति थी।
- जिला और निचले स्तरों पर, वित्त का प्रबंधन सीमित संख्या में खाता कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। एक लिंक अधिकारी का प्रावधान किए जाने से स्थिति में सुधार हो सकता है।

संस्तुतियां:

- जरूरत और सुविधा की मांगों के आधार पर धन आवंटित करने के लिए बॉटम-अप योजना लागू की जानी चाहिए।
- बजट में कटौती और अनुमोदन के कारणों के साथ, राज्य से केंद्र को पीआईपी जमा करने की प्रक्रिया, साथ ही बाद की एनपीसीसी बैठकें और अंतिम पीआईपी जमा करने की प्रक्रिया समयबद्ध आधार पर आयोजित की जानी चाहिए ताकि राज्य को समय पर आरओपी प्राप्त हो और जिला आरओपी समय पर जमा हो सके।
- नए पीआईपी दिशानिर्देशों पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण आयोजित कराना ।
- एक "एस्केलेशन क्लॉज" शामिल करें।
- नियमित हस्ताक्षरकर्ता अनुपलब्ध होने की स्थिति में कौन हस्ताक्षरकर्ता हो सकते हैं और कौन लिंक अधिकारी के रूप में कार्य करेगा, इस पर स्पष्ट दिशानिर्देश।

9. दिल्ली, भारत की शहरी आबादी के बीच घरेलू स्तर पर लेफ्ट-ओवर मेडिसिन डिस्पोजल प्रैक्टिस: एक क्रॉस-सेक्शनल स्टडी (जांचकर्ता: डॉ. पूजा गर्ग और प्रो. रेणुशहरावत)

उद्देश्य:

- घरों में बची हुई दवाओं की मात्रा और प्रकार की पहचान करना।
- घरों में बची हुई दवाओं के कारणों की पहचान करना।
- घरेलू स्तर पर दवा निस्तारण के तरीकों का वर्णन करना।

प्रमुख निष्कर्ष:

- दौरे के समय लगभग सभी उत्तरदाताओं के घरों में दवाएं थीं। उनमें से ज़्यादातर लोगों के पास (79%) बची हुई दवाएं थीं। अधिकांश (97.18%) दवाएं कमरे के तापमान पर संग्रहित की गईं।

- सबसे सामान्य रूप टैबलेट (72%) पाया गया, जिसमें कैप्सूल के बाद तरल पदार्थ, क्रीम/जेल, स्प्रे और पाउडर शामिल हैं। सबसे आम वर्ग में, सबसे बड़ी मात्रा में रोगाणुरोधी (17.65%) पाया गया, उसके बाद एंटासिड्स, ज्वरनाशक दवाओं का स्थान रहा।
- अधिकांश (79.8%) बची हुई दवाओं की समय सीमा समाप्त नहीं हुई थी। भले ही भारत के सरकारी क्षेत्र में फिर भी मुफ्त दवाएं उपलब्ध हैं, अधिकांश प्रतिभागियों (46.2%) ने निजी क्षेत्र (निजी चिकित्सकों/अस्पतालों) के माध्यम से अपनी दवाएं प्राप्त कीं, इसके बाद केमिस्टों से काउंटर पर (27.7%) खरीदारी की।
- बची हुई दवाओं के भंडारण का सबसे प्रचलित कारण, भविष्य में उपयोग (40%) के लिए उन्हें स्टोर करना था, इसके बाद स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार (30.6%) था।
- 60 वर्ष की औसत आयु और तीन सदस्यों वाले परिवारों में पर्याप्त संख्या में दवाओं के भंडारण और पुरानी बीमारियों वाले सदस्यों के बीच एक सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण संबंध पाया गया है।

संस्तुतियां:

- घरेलू स्तर पर बची हुई दवाओं के सुरक्षित निपटान के लिए नीति तैयार करना जैसे दवा वापस लेने की नीति। दवा कंपनियों को बची हुई दवाओं को वापस लेने के लिए बाध्य किया जाना चाहिए।
- दवा कंपनियों को निर्देश देना चाहिए कि पैकेजिंग पर दवाओं का सही तरीके से निपटान कैसे किया जाए।
- संभावित बची हुए दवाओं को कम करने के लिए तर्कसंगत तरीकों का प्रयोग करने की आवश्यकता है।
- ड्रॉपबॉक्स/मेडिसिन कलेक्शन बॉक्स को अस्पताल की व्यवस्था में रखा जाना चाहिए ताकि लोग बची हुई दवाओं को एक स्थान पर रख सकें और आगे इसे छोड़ दिया जा सके या अन्य रोगियों के लिए फिर से उपयोग किया जा सके यदि प्रयोग सीमा समाप्त नहीं हुई है।
- पर्यावरण में दवाओं के निपटान के हानिकारक प्रभावों के बारे में सुरक्षित निपटान के तरीकों के साथ एक जन जागरूकता अभियान वर्ष में एक या दो बार चलाया जाना चाहिए जिसमें कुछ लक्षित समूहों जैसे कि बुजुर्गों, स्थानीय सरकारों, स्थानीय गैर सरकारी संगठनों और अन्य पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

10. दिल्ली में कोविड-*19* रोगियों के प्रबंधन में शामिल सरकारी अस्पतालों में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों के बीच मानसिक स्वास्थ्य (अन्वेषक: डॉ वर्षा, और प्रो. मीराम्बिका महापात्रा)

उद्देश्य:

- कोविड-*19* महामारी के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों की मानसिक स्वास्थ्य स्थिति (चिंता, अवसाद, अनिद्रा) का अध्ययन करना।

- कोविड-*19* महामारी के दौरान स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारकों का पता लगाना।
- महामारी के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों के बीच अवसाद का आकलन करने के लिए।
- स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के सोने के पैटर्न का निर्धारण करना।

प्रमुख निष्कर्ष:

- अध्ययन में अवसाद के निश्चित मामलों का 88% और कुछ अनिद्रा के 44.6% प्रसार का पता चला।
- ची-स्क्वायर परीक्षण ने चिंता, अनिद्रा और परिवार के सदस्यों को संक्रमित करने के डर तथा पीपीटी किट पहनने के दौरान संकोच के बीच 0.002 के एक रैखिक-दर-रेखीय संबंध की सूचना दी।

संस्तुतियां:

- अध्ययन में पाया गया कि संक्रमित रोगियों के उपचार के माध्यम से सीधे संपर्क में आने वाले स्वास्थ्य कर्मियों तथा संक्रमित रोगियों के साथ सीधे संपर्क नहीं आने वाले स्वास्थ्य कर्मियों की तुलना में अपने चिंता स्कोर अधिक था। इसलिए महामारी के दौरान सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में एचसीपीएस के बीच सक्रिय सहायता को सक्रिय रूप से लागू किया जाना चाहिए।

संस्थान में चल रहे अनुसंधान अध्ययन

शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 में चल रहे शोध अध्ययन निम्नलिखित हैं।

क्र.सं.	शोध अध्ययन का विषय	प्रमुख अन्वेषक	सह अन्वेषक
1	नर गर्भनिरोधक के विकास के लिए हार्मोन के साथ संयोजन में इस्तेमाल होने वाले नर चूहों में विषाक्तता पर नीम फाइटोकेमिकल निकालने का मूल्यांकन: एक पायलट अध्ययन	डॉ. एस. रामचंद्र राव	डॉ. राजेश कुमार
2	दिल्ली में झुग्गी-झोपड़ी और गैर-झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों के बीच 50 वर्ष और उससे अधिक उम्र के पुरुषों में प्रोस्टेट विशिष्ट एंटीजन की जांच के लिए एक पायलट अध्ययन	डॉ. राजेश कुमार	डॉ. एस. रामचंद्र राव
3	एलएन अस्पताल, नई दिल्ली के प्रसवपूर्व क्लिनिक में आने वाली दुर्व्यवहारग्रस्त विवाहित गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य स्थिति पर व्यवहार हस्तक्षेप पैकेज का प्रभाव- एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण	प्रो. मीराम्बिका महापात्रा	प्रो सुधा प्रसाद प्रो नीरा धर
4	मध्यप्रदेश के मिशन परिवार विकास जिलों में युवाओं के व्यवहार परिवर्तन पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम से संबंधित सूचना, शिक्षा, संचार गतिविधियों का प्रभावः एक प्रायोगिक अध्ययन	डॉ. अंकुर यादव	प्रो. मिहिर कुमार मलिक
5	भारत में टीकाकरण आपूर्ति श्रृंखला का तापमान निगरानी अध्ययन	प्रो रेणु शहरावत	डॉ. कंचन, श्री शशि कांत राय, श्री राकेश कुमार

एमडी (सीएचए/डीएचए) छात्रों द्वारा चल रहे थीसिस कार्य

एमडी (सीएचए)/डीएचए छात्रों (बैच 2020-2023) द्वारा चल रहे 8 थीसिस कार्य निम्नलिखित हैं।

क्र. सं.	थीसिस का विषय	छात्र का नाम	पर्यवेक्षक का नाम
1	दिल्ली में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में पीएमजेएवाई के तहत भर्ती मरीजों में अधिक व्यय पर एक अध्ययन।	शिवार्चका ओंकार	प्रो. मनीष चतुर्वेदी
2	स्वास्थ्य मंच अनमोल: दिल्ली/एनसीआर के एक जिले में उपयोगिता और कार्यान्वयन।	डॉ अभिषेक दीक्षित	प्रो. मनीष चतुर्वेदी
3	दिल्ली की शहरी मलिन बस्तियों में गर्भवती महिलाओं द्वारा अंतर्गर्भाशयी देखभाल उपयोग पर कोविड-19 महामारी के प्रभाव पर अध्ययन।	डॉ. अथिरा के.आर.	डॉ. रेणु शहरावत
4	दिल्ली के चयनित जिलों में पोषण अभियान का मूल्यांकन।	डॉ. चिराग गुप्ता	प्रो. संजय गुप्ता
5	दिल्ली में कोविड -19 टीकाकरण का परिचय-पश्चात मूल्यांकन (पीआईई)	डॉ. कंचन	प्रो वी.के. तिवारी
6	दिल्ली में तृतीयक देखभाल अस्पतालों में राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम (एनओटीपी) के कार्यान्वयन का अध्ययन।	डॉ. प्रशांत भारद्वाज	प्रो. संजय गुप्ता
7	दिल्ली में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत दिशा (किशोरों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए दिल्ली पहल) क्लीनिक का आकलन।	डॉ. राजन	प्रो वी.के. तिवारी
8	दिल्ली के एनसीटी में जॉइन कमीशन इंटरनेशनल (जेसीआई) से मान्यता प्राप्त अस्पतालों में 'मेडिकल वैल्यू ट्रैवल' की वर्तमान स्थिति।	डॉ. विनीत गौतम	प्रो. संजय गुप्ता

विशिष्ट परियोजनाएं और कंसोर्टियम गतिविधियां

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान राष्ट्रीय शीत श्रृंखला और वैक्सीन प्रबंधन संसाधन केंद्र, राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला (दक्ष), स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केंद्र, मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केंद्र, टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीजीआई) परियोजना जैसी कई विशिष्ट परियोजनाओं की विभिन्न गतिविधियों का प्रबंधन करता है।

राष्ट्रीय शीत-श्रृंखला और वैक्सीन प्रबंधन संसाधन केंद्र (एनसीसीवीएमआरसी)

राष्ट्रीय शीत-श्रृंखला और वैक्सीन प्रबंधन संसाधन केंद्र भारत सरकार का एक शीर्षस्थ तकनीकी संसाधन केंद्र है। जिसकी स्थापना 2013 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और यूनिसेफ द्वारा एक संयुक्त पहल के रूप में की गई थी, जिसका उद्देश्य सुरक्षित और शक्तिशाली टीकों के माध्यम से सार्वभौमिक टीकाकरण कवरेज सुनिश्चित करने के लिए भारत में उच्च गुणवत्ता, प्रभावी और कुशल टीकाकरण आपूर्ति श्रृंखला की स्थापना को सुविधाजनक बनाना है। एनसीसीवीएमआरसी देश में लगभग 29,000 कोल्ड चेन पॉइंट्स में 1,00,000 से अधिक विद्युत उपकरण (ईसीसीई) की मरम्मत और रखरखाव करने के लिए सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत काम करने वाले सभी जिला-स्तरीय कोल्ड चेन तकनीशियनों (सीसीटी) की क्षमता का निर्माण करता है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में, एनसीसीवीएमआरसी ने कोविड महामारी के बाद भी कई गतिविधियों का आयोजन किया। एनसीसीवीएमआरसी ने भारत में स्वास्थ्य कार्यबल के क्षमता निर्माण के लिए कई वर्चुअल/भौतिक कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिसमें आइस लाइन्ड रेफ्रिजरेटर/डीप फ्रीजर और वोल्टेज स्टेबलाइजर (तीन बैच वर्चुअल और तीन बैच फिजिकल) की मरम्मत और रखरखाव सहित, वॉक इन कूलर (डब्ल्यूआईसी) वॉक इन फ्रीजर (डब्ल्यूआईएफ) (एक बैच भौतिक), वैक्सीन और कोल्ड चेन प्रबंधन (टी-वैक) पर प्रशिक्षण (दो बैच वर्चुअल), एनसीसीएमआईएस और सहायक पर्यवेक्षण (नियमित टीकाकरण, शीत श्रृंखला और कोविड-19 सत्र साइट निगरानी), समीक्षा और पुन: अभिविन्यास कार्यशाला (17 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश आभासी) का आयोजन किया गया। एनसीसीवीएमआरसी ने भारत में सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी) के कोल्ड चेन सिस्टम को मजबूत करने तथा कोल्ड चेन उपकरण, प्रतिरक्षण लोजिसटिक प्रबंधन, वैक्सीन संबंधित मूल्यांकन के विनिर्देश पर तकनीकी जानकारी प्रदान करने के लिए तकनीकी सचिवालय विकास समूह (टीएसदीजी) की दो बैठकों, राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार निकाय की दो बैठकों का भी आयोजन किया।

एनसीसीवीएमआरसी ने माननीय स्वास्थ्य मंत्री के प्रश्नों का समाधान करने के लिए मौजूदा वैक्सीन परिवहन बनाम वाहनों की आउटसोर्सिंग की लागत-प्रभावशीलता का विश्लेषण किया। एनसीसीवीएमआरसी वर्तमान में भारत में आईएससी में तापमान निगरानी अध्ययन पर अनुसंधान गतिविधि आयोजित कर रहा है।

एनसीसीवीएमआरसी ने भारत में कोविड-19 वैक्सीन की शुरुआत करने में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को सहयोग देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसमें परिचालन दिशा-निर्देश तैयार करना, प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना, टीकाकरण रोल-आउट के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित करना, सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के तहत खरीदे गए नए उपकरणों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया स्थापित करना, टीकाकरण अभियान और नई सीसीई खरीद तथा वितरण योजना तैयार करने को लेकर डब्ल्यूआईसीएस और डब्ल्यूआईएफएस की मरम्मत और रखरखाव के संबंध में जीएकएसडी कोलकाता, जीएकएसडी करनाल और बिहार राज्य को तकनीकी सहायता प्रदान करना, उपयोग किए जाने वाले लॉजिस्टिक का विश्लेषण करना शामिल है। एनसीसीवीएमआरसी ने करनाल, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता को कोविड-19 वैक्सीन के भंडारण एवं प्रबंधन के लिए अपनी जगह की आवश्यकता की पहचान करने हेतु चार जीएमएसडी का जीएमएसडी स्थल आंकलन किया तथा एनसीसीवीएमआरसी ने यूनिसेफ के साथ मिलकर कोविड-19 वैक्सीन के भंडारण के सभी स्तरों पर देश में अतिरिक्त कोल्ड चेन स्पेस की गणना करने के लिए वैक्सीन कोल्ड चेन स्पेस कैलकुलेटर विकसित किया।

एनसीसीवीएमआरसी कोल्ड चेन की सूची तथा कोल्ड चेन स्पेस प्लानिंग, पूर्वानुमान एवं बीमारी दर के लिए इसकी कार्यात्मक स्थिति को ट्रैक करने के लिए आन्तरिक रूप से विकसित राष्ट्रीय कोल्ड चेन मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (एनसीसीएमआईएस) वेब-पोर्टल का अनुरक्षण भी करता है। एनसीसीवीएमआरसी देश में कोविड़-19 महामारी के दौरान कोल्ड चेन स्पेस प्लानिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नियमित टीकाकरण (आरआई) तथा सघन मिशन इंद्रधनुष (आईएमआई) सेशन साइट, घर-घर (एच2एच) निगरानी, कोविड-19 सेशन साइट तथा कोविड-19 एच2एच निगरानी, कोल्ड चेन मॉनिटरिम (प्राथमिक/उप राष्ट्रीय स्टोर, जिला वैक्सीन स्टोर, तथा स्वास्थ्य सुविधा) और योजना निवारक रखरखाव (पीपीएम) के सहायक पर्यवेक्षण के लिए, चेकलिस्ट बनाना तथा एनसीसीएमआईएस पोर्टल को संचालित करने का कार्य करते हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल (एनएचपी) के लिए स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केंद्र (सीएचआई)

स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केंद्र (सीएचआई) देश में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त करने और स्वास्थ्य साक्षरता बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के डिजिटलीकरण की दिशा में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में कार्यरत है। अप्रैल 2021-मार्च 2022 के दौरान स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा विकसित और अनुरक्षित विभिन्न डिजिटल एप्लिकेशन जैसे पोर्टल, डैशबोर्ड, एम-स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, सोशल मीडिया नीचे दिए गए हैं:

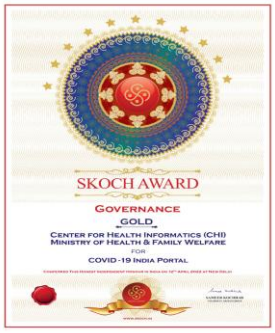

स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केंद्र ने आयुष्मान भारत कार्यक्रम के अंतर्गत 1.5 लाख स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र के निर्माण कार्य की प्रगति की निगरानी हेतु एक पोर्टल विकसित और संचालित किया है। 31 मार्च 2022 तक 117,440 स्वास्थ्य कल्याण केंद्र काम कर रहे थे। आईएमआई 4.0 टीकाकरण अभियान के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए गहन मिशन इंद्रधनुष 4.0 पोर्टल बनाया गया है। दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित रोगियों के इलाज के लिए स्वैच्छिक दान की सुविधा हेतु क्राउडफंडिंग और दुर्लभ बीमारियों के लिए स्वैच्छिक दान के लिए डिजिटल पोर्टल विकसित किया गया। स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम की सूचना प्रदान करने और कार्यक्रम के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक वेब आधारित एप्लिकेशन विकसित किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल के अंतर्गत नई बीमारियों, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य संबंधी घटनाओं की जानकारी को कवर किया जाता है।

मार्च 2020 में स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा विकसित कोविड-19 वेब प्लेटफॉर्म 'रियल टाइम वेब' प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य कर रहा है और अब, कोविड -19 से संबंधित अन्य एप्लिकेशन को इस पोर्टल के साथ एकीकृत किया जा रहा है। 7 से 8 फरवरी 2022 को हैदराबाद, तेलंगाना में आयोजित ई-गवर्नेंस के 24वें राष्ट्रीय पुरस्कारों में इस पोर्टल को "श्रेणी 6 -कोविड- 19 के प्रबंधन में आईसीटी का उपयोग" के अंतर्गत "स्वर्ण" पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केंद्र को कोविड-19 इंडिया पोर्टल के लिए गवर्नेंस गोल्ड, स्कॉच अवार्ड भी मिला। हर घर कवच ऐप को घर में अलग-थलग पड़े कोविड -19 रोगियों की निगरानी और उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सीएचआई गैर-संचारी रोगों की जांच ट्रैकिंग प्रणाली (एनसीडी-एसटीएस) के लिए एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर हेतु क्लाउड संसाधन उपलब्ध करा रहा है। मेरा अस्पताल ऐप उपयोगकर्ता द्वारा विभिन्न माध्यमों से अस्पताल में प्राप्त सेवाओं के लिए रोगी की प्रतिक्रिया को दर्ज करता है। 31 मार्च 2022 तक आवेदन के अंतर्गत 11231 अस्पताल पंजीकृत हैं। विभिन्न अन्य पोर्टलों जैसे सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (सुमन), प्रधान मंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए), नवजात और छोटे बच्चे की गृह आधारित देखभाल, राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम, बुजुर्गों की स्वास्थ्य देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। कुछ डैशबोर्ड- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय सेंट्रल डैशबोर्ड, बजट, राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति-2017, अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य, लक्ष्य, ईएमआर, पीएमएसएसवाईऔर चिकित्सा शिक्षा का रखरखाव सीएचआई द्वारा किया जा रहा है।

सीएचआई एनआईसी गेटवे के माध्यम से एसएमएस/ओटीपी भेजने में को-विन एप्लिकेशन के साथ शामिल है। डब्लूएचओ के सहयोग से सीएचआई टीम द्वारा एकीकृत स्वास्थ्य सूचना मंच के तहत एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम का तकनीकी प्रबंधन किया जाता है। सीएचआई विभिन्न एमओएचएफडब्ल्यू वेबसाइटों को सुरक्षा परीक्षा, ई-ऑफिस/एलएमएस कार्यान्वयन पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान को परामर्श और ई-स्वास्थ्य प्रभाग के माध्यम से वैश्विक डिजिटल स्वास्थ्य

भागीदारी की गतिविधियों में सहायता प्रदान कर रहा है। सीएचआई सोशल मीडिया पर सक्रिय है और स्वास्थ्य संबंधी विषयों की जानकारी का विस्तार कर रहा है।

राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला (दक्ष)

सुपरवाइज़रों तथा संकाय सदस्यों/प्रसूति केन्द्रों पर उत्तम आरएमएनसीएच+ए सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु कार्यरत प्रसूति विशेषज्ञों एवं शिशु रोग चिकित्सकों के कौशल को उन्नत बनाने के उद्देश्य से एलएसटीएम, यू.के तथा मातृत्व स्वास्थ्य प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से भारत सरकार द्वारा 9 मार्च, 2015 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला (दक्ष) की स्थापना की गई। कौशल प्रयोगशाला स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के लिए एक प्रोटोटाइप प्रदर्शन, सीखने की सुविधा तथा योग्यता आधारित प्रशिक्षण पर केंद्रित है। कौशल प्रयोगशाला में पुनरावृत्ति कौशल अभ्यास, क्लिनिकल परिदृश्य में सिमुलेशन प्रशिक्षण, योग्य प्रशिक्षकों के पर्यवेक्षण में प्रशिक्षण के अवसर भी प्रदान किए जाते हैं। इस प्रयोगशाला में 4 कौशल स्टेशन तथा 1 मॉडल प्रसूति कक्ष है, जहाँ प्रशिक्षणार्थी पुतलों पर अभ्यास, अनुकरणात्मक अभ्यास, प्रदर्शन, भूमिका प्रदर्शन, विडियो और प्रस्तुतिकरणों के माध्यम से 6 दिनों में 35 मूलभूत कौशल सीखते हैं। प्रशिक्षणार्थीयों को प्रसव-पूर्व, प्रसव के दौरान, प्रसवोत्तर और नवजात देखभाल, परिवार नियोजन, संक्रमण की रोकथाम, जटिलताओं का प्रबंधन, किशोर परामर्श और अन्य आरएमएनसीएच+ए सेवाओं के क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाता है।

दक्ष की स्थापना के पश्चात से 31 मार्च 2022 तक कुल 876 स्वास्थ्य देखभाल व्यावसायिकों को प्रशिक्षित किया गया है। इसमें से 53 प्रतिभागियों को समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 08 बैचों में प्रशिक्षित किया गया।

राष्ट्रीय टीकाकरण तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) परियोजना:

वर्ष 2001 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के एक आदेश द्वारा राष्ट्रीय टीकाकरण तकनीकी सलाहकार समूह की स्थापना की गई थी। टीकाकरण पर भारत के शीर्ष सलाहकार निकाय के रूप में, एनटीएजीआई देश में टीकाकरण द्वारा बचाव योग्य बीमारियों के प्रभावी नियंत्रण के लिए टीकाकरण और टीकाकरण सेवाओं के प्रावधान पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को मार्गदर्शन और सलाह प्रदान करता है। एनटीएजीआई की अध्यक्षता सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण (स्वास्थ्य एवं कल्याण) द्वारा की जाती है और सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) और सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) और महानिदेशक-भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा सह-अध्यक्षता की जाती है।

एनटीएजीआई, एसटीएससी और इसके कार्यकारी समूहों को तकनीकी-प्रबंधकीय सहायता प्रदान करने के लिए एनटीएजीआई सचिवालय की स्थापना 2013 में की गई थी। अप्रैल, 2016 में, यह निर्णय लिया गया कि एनटीएजीआई सचिवालय को भारत सरकार द्वारा पूरी तरह से समर्थन दिया जाएगा और इसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में स्थापित किया जाएगा। एनटीएजीआई सचिवालय राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण में मई, 2017 से कार्य कर रहा है।

एनटीएजीआई को स्थायी तकनीकी उप-समिति (एसटीएससी) द्वारा सहायता प्रदान की जाती है, जिसे अग्रलिखित क्रमश:दो स्थायी कार्य समूहों द्वारा सहायता प्रदान की जाती है: (i) वैक्सीन प्रिवेंटेबल डिजीज सर्विलांस; (ii) टीकाकरण और वैक्सीन अनुसंधान और क्षमता निर्माण। हैजा कार्य समूह, टाइफाइड कार्य समूह, हेपेटाइटिस कार्य समूह, इन्फ्लुएंजा कार्य समूह, रोटावायरस कार्य समूह, पीसीवी कार्य समूह, कुष्ठ कार्य समूह, एचपीवी कार्य समूह, वैक्सीन लागत-प्रभावशीलता कार्य समूह, अभ्यास कार्य समूह, जापानी इंसेफेलाइटिस कार्य समूह, मातृ टीकाकरण उपसमूह, वैक्सीन आत्मविश्वास उप समूह, रोटावायरस वैक्सीन कार्य समूह और कोविड-19 कार्य समूहों द्वारा आवश्यकता आधारित सहायता प्रदान की जाती है। एसटीएससी, में शामिल स्वतंत्र सदस्यों को टीकाकरण नीति और कार्यक्रमों से संबंधित मामलों पर वैज्ञानिक साक्ष्य की तकनीकी समीक्षा करने का काम सौंपा गया है।

2021-22 के वर्ष में, जिसे कोविड-19 टीकाकरण का वर्ष कहा जा सकता है, एनटीएजीआई द्वारा कोविड-19 टीकाकरण पर नीतिगत सिफारिशें की गईं।

निम्नलिखित प्रमुख गतिविधियों को एनटीएजीआई सचिवालय द्वारा सुगम बनाया गया था:

- एक एनटीएजीआई बैठक 28 मई, 2021 को आयोजित की गई।
- दस एसटीएससी बैठकें: 13 मई, 29 जुलाई, 24 सितंबर, 7 अक्टूबर, 22 अक्टूबर, 6 दिसंबर, 29 दिसंबर, 30 दिसंबर 2021, 8 फरवरी और 23 मार्च, 2022 को आयोजित की गईं।
- कोविड-19 वर्किंग ग्रुप की 25 बैठकें आयोजित की गई ।
- जापानी इंसेफेलाइटिस वर्किंग ग्रुप की एक बैठक 14 जून, 2021 को आयोजित की गई ।
- एसडब्ल्यूजी-टीकाकरण और वैक्सीन अनुसंधान और क्षमता निर्माण की एक बैठक 16 अगस्त, 2021 को आयोजित की गई ।

- एनटीएजीआई आचार संहिता के संशोधन की तीन बैठकें 2 सितंबर, 15 सितंबर और 12 नवंबर, 2021 को आयोजित की गईं।
- टाइफाइड वर्किंग ग्रुप की तीन बैठकें 30 सितंबर, 14 अक्टूबर और 18 अक्टूबर, 2021 को आयोजित की गईं।
- एचपीवी वर्किंग ग्रुप की एक बैठक 21 मार्च, 2022 को आयोजित की गई ।
- झारखंड राज्य की वीपीडी निगरानी और यूआईपी समीक्षा दिसंबर 2021 को आयोजित की गई।

मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केंद्र (एमसीटीएफसी)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केंद्र की स्थापना की गई और इसे 29 अप्रैल, 2014 को लाइव किया गया। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में सुधार करने हेतु राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा लिया गया यह एक बड़ा कदम था।

नवंबर 2016 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ हस्ताक्षरित अनुबंध के माध्यम से टर्नकी आधार पर मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केंद्र परियोजना को बढ़ाने के लिए मैसर्स टेरासिस (जिसे पहले मैसर्स आईएल एंड एफएस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) को हेल्पडेस्क सेवा प्रदाता (एचएसपी) के रूप में नियुक्त किया गया था। यह अनुबंध परियोजना के आरम्भ (गो लाइव) की तिथि से 5 वर्षों अर्थात 10 मार्च 2017 तक के लिए वैध थी। यह परियोजना पूर्व में किये गए अनुबंध की नियम व शर्तों के आधार पर एक वर्ष या एनएचएसआरसी द्वारा परियोजना मूल्यांकन रिपोर्ट प्रस्तुत करने (जो भी पहले समाप्त हो) तक बढ़ा दिया गया है।

मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केंद्र का बुनियादी ढांचा

परियोजना के एक भाग के रूप में, एचएसपी ने परियोजना के लिए आवश्यक संपूर्ण बुनियादी ढांचे की खरीद, स्थापना और रखरखाव का कार्य किया है, जिसका स्वामित्व स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के पास है। एमसीटीएफसी के पास सर्वर, नेटवर्क और दूरसंचार उपकरण और एप्लिकेशन की मेजबानी के लिए एक केंद्रीय सर्वर रूम है।

एचएसपी ने आरसीएच एप्लिकेशन पर पंजीकृत लाभार्थियों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को इनबाउंड/आउटबाउंड कॉलिंग और एसएमएस भेजने हेतु सक्षम बनाने के लिए वेब-आधारित स्वचालित एमसीटीएफसी समाधान भी विकसित एवं रखरखाव का कार्य किया। 'एमसीटीएफसी' समाधान वेब सेवाओं के माध्यम से आरसीएच लाभार्थियों के डेटा विनिमय के लिए आरसीएच एप्लीकेशन के साथ एकीकृत है।

चरण 1 के पूरा होने के बाद, यानी बुनियादी ढांचे की खरीद, स्थापना और संचालन और सॉफ्टवेयर विकसित होने के बाद, एमसीटीएफसी परियोजना 10 मार्च, 2017 को गो-लाइव कर दी गई तथा तब से कॉल सेंटर निरंतर कार्यरत है। दूरसंचार कनेक्टिविटी के लिए, एचएसपी ने पीआरआई लाइन सेवाओं के

प्रावधान के लिए एक दूरसंचार सेवा प्रदाता (टीएसपी) के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। दूरसंचार सेवा प्रदाता सेवाओं के लिए बिलों (राशि) का भुगतान एचएसपी द्वारा किया जाता है, बाद में इन बिलों की प्रतिपूर्ति स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा की जाती है।

मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केन्द्र अनुप्रयोग (एप्लिकेशन)

लाभार्थियों तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के साथ हुए वार्तालाप के आधार पर, एमसीटीएफसी की रिपोर्टिंग प्रणाली द्वारा कार्य-निष्पादन-रिपोर्ट तैयार की जाती हैं, जिसे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को फीडबैक हेतु प्रस्तुत किया जाता हैं। कुछ प्रमुख कार्य-निष्पादन संकेतकों (परफारमेंस इंडिकेटर) का इन रिपोर्टों से पता लगाया गया है तथा इन प्रमुख निष्पादन संकेतकों के आधार पर राज्यों के कार्य-निष्पादन का आकलन किया गया है। तद्नुसार राज्यों द्वारा अपने निष्पादन संकेतकों (परफारमेंस इंडिकेटर) में सुधार लाने के लिए आवश्यक निवारक कार्यवाही की जाती है।

मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केन्द्र का संचालन

एजेंट द्वारा राष्ट्रीय अवकाश के दिनों के अतिरिक्त प्रत्येक दिन आउटबाण्ड कॉल की जाती हैं तथा लाभानुभोगियों तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को कॉल के माध्यम से प्रश्नों का उत्तर देते हैं। इसके अतिरिक्त 2 चिकित्सकों को भी नियुक्त किया गया हैं जो लाभार्थियों और स्वास्थ्य कर्मियों के विशिष्ट प्रश्नों का उत्तर देते हैं और उन्हें गैर-नैदानिक सलाह भी प्रदान करते हैं।

मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केंद्र के लाभार्थियों से जुड़े कॉल

1 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2022 तक, डेटा सत्यापन, और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में सुविधा के लिए एमसीटीएफसी के माध्यम से लाभार्थियों को 17.10 लाख से अधिक कॉल किए गए। डेटा सत्यापन और उनके प्रश्नों के समाधान के लिए एएनएम और आशा को 8.8 हजार से अधिक कॉल किए गए और लाभार्थियों को मातृ एवं शिशु देखभाल पर 4.4 लाख से अधिक ध्वनि संदेश दिए गए हैं।

विशिष्ट सेवाएं

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के क्षेत्र में कई विशिष्ट सेवाओं का संचालन कर रहा है जैसे - एमसीएच और अप्रजन्नशीलता-प्रबंधन, किशोर और युवा स्वास्थ्य, रजोनिवृत्ति स्वास्थ्य, नैदानिक प्रयोगशाला सेवाएं, राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र सेवाएँ, प्रेस इकाई, ऑडियो-विज़ुअल से कंप्यूटर सेंटर सेवाएँ, छात्रावास सेवाएं आदि।

विशिष्ट सेवाएं

संस्थान का क्लिनिक

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के क्लिनिक में नैदानिक सेवाएं प्रदान की जाती हैं। इन सेवाओं में अप्रजन्नशीलता प्रबंधन, प्रजनन संबंधी एंडोक्रिनोलॉजिकल और स्त्री रोग संबंधी विकारों के प्रबंधन, प्रसवपूर्व देखभाल, जन्म से रोगियों तथा बच्चों के लिए सेवाएं प्रदान की जाती हैं। दोपहर में, किशोर और युवा एवं महिला क्लीनिक भी चलाए जाते हैं। सभी रोगियों के लिए पंजीकरण निःशुल्क है। प्रयोगशाला सेवाओं सहित गरीब रोगियों को सेवाएं बिना किसी भी शुल्क के मुफ्त प्रदान की जाती हैं। शेष रोगियों के लिए, संस्थान के मानदंडों के अनुसार शुल्क लागू होते हैं। क्लिनिक में कम आय वर्ग के रोगियों को मुफ्त दवा देने के लिए एक इन-हाउस फार्मेसी भी है। नि:संतान मरीजों को पहली बार आने पर प्रबंधन के लिए एक जोड़े के रूप में पंजीकृत किया जाता है। बाद के सभी अनुवर्ती परामर्श उसी चिकित्सक के साथ निर्धारित किए जाते हैं, जो देखभाल की निरंतरता सुनिश्चित करता है और चिकित्सक-रोगी संबंध बनाता है। अधिकांश प्रयोगशाला इन-हाउस रूप में उपलब्ध हैं और प्रयोगशाला सेवाएं स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के निवारक और उपचारात्मक पहलुओं की रीढ़ हैं। हर रोगी के लिए रिकॉर्ड रूम में बहिररोगी चिकित्सा रिकॉर्ड बनाए जाते हैं और जब भी मरीज आगे परामर्श के लिए जाते हैं तो उनका रिकार्ड पुनः प्राप्त कर लिया जाता है। सभी इन-हाउस प्रयोगशाला रिपोर्ट मरीजों के संबंधित केस रिकॉर्ड फाइलों में दर्ज की जाती हैं ताकि मरीज द्वारा रिपोर्ट-संग्रह की परेशानी को कम किया जा सकें। प्रदान की जा रही सेवाओं का विवरण इस प्रकार है:

1. क्लिनिकल सेवाएँ

प्रात:कालीन क्लिनिक (सुबह 9 बजे - दोपहर 1:00 बजे):

- प्रसवपूर्व सेवाएं (जांच, समस्या की पहचान और रेफरल सहित उचित कार्रवाई)
- पल्स पोलियो प्रतिरक्षण (पीपीआई) सहित राष्ट्रीय टीकाकरण अनुसूची के अनुसार टीकाकरण
- गर्भनिरोधक सेवाएं
- बांझ दंपतियों का प्रबंधन
- प्रजनन संबंधी एंडोक्रिनोलॉजिकल और स्त्री रोग संबंधी विकारों का प्रबंधन

अपराह्न का क्लिनिक (दोपहर *2:00* बजे - शाम *4:00* बजे):

- किशोर और युवा क्लिनिक (10 वर्ष - 24 वर्ष की आयु)
- महिला सम्पूर्ण स्वास्थ्य क्लिनिक (35 वर्ष - 60 वर्ष की आयु)

विशिष्ट प्रक्रिया

- अंतरगर्भाशयी गर्भाधान

सहायक नैदानिक सेवाएं

प्रयोगशाला सेवाएं

- नियमित रक्त एवं मूत्र परीक्षण
- चुनिंदा सीरोलॉजिकल परीक्षण
- वीर्य विश्लेषण
- रक्त जैव रसायन
- हार्मोनल परख
- शुक्राणु कार्यशीलता परीक्षण
- हिस्टोपैथोलॉजी- ईबी ऊतक और एफएनएसी और पैप स्मीयर *

रेडियोलॉजिकल सेवाएं

- एक्स-रे
- हिस्टेरोस्लापिंगोग्राफी
- अल्ट्रासोनोग्राफी*
- फोलिकुलर
- पैल्विक पैथोलॉजी
- प्रारंभिक गर्भावस्था

माइनर ओटी सर्विसेज

- एंडोमेट्रियलबायोप्सी
- वृषणएफएनएसी

* कार्य में नहीं है

वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए इन सेवाओं का विवरण नीचे दिया गया है:

	नए मामले	**अनुवर्ती मामलों**	
अप्रजननशीलता	461 जोड़े	महिला	पुरूष

			2608	1435
प्रजनन एंडोक्रिनोलॉजीस्त्रीरोग		478	597	
एएनसी		119	214	
किशोर				
	महिला	26	38	
	पुरूष	0	02	
सम्पूर्ण महिला स्वास्थ्य क्लिनिक		28	27	
सामान्य स्टाफ				
	महिला	02	01	
	पुरूष	08	03	
सामान्य				
	महिला	99	96	
	पुरूष	149	181	
बच्चे (केवल टीकाकरण)	महिला	113	190	
पुरूष		133	184	

प्रयोगशाला सेवाएं

नियमित रक्त और मूत्र परीक्षण (एचबी, टीएलसी, डीएलसी, ईएसआर, मूत्र आर / ई, मूत्र एम / ई)	1988
सीरोलॉजिकल टेस्ट (वीडीआरएल, ब्लड ग्रुप)	1081
वीर्य विश्लेषण	1475
ब्लड बायो-केमिस्ट्री (ब्लड शुगर, एलएफटी, केएफटी,जीटीटी, लिपिड प्रोफाइल, जीटीसी)	1132
हार्मोनल जांच (प्रोलैक्टिन, इंसुलिन, एलएच, एफएसएच, टीएसएच, टेस्टोस्टेरोन, टी 3, टी 4, ई 2)	2377
शुक्राणु आकृति विज्ञान	338
एंटीबॉडी परीक्षण	0
जीसीएम	64
वीर्य जैव रसायन (जीपीसी, फ्रुक्टोज, एसिड फॉस्फेट)	44
शुक्राणु श्लेष्मा पैठ परीक्षण	51

आईयूआईनमूना तैयार करना	57
गर्भावस्था परीक्षण	227
पश्च कोइटल परीक्षण	994

रेडियोलॉजिकल सेवाएं

एक्स-रे	0
हिस्टेरोसाल्पिंगोग्राफी	0

गौण ओटी सेवाएँ

एंडोमेट्रियल बायोप्सी	45
विशिष्ट प्रक्रिया: आईयूआई (अंतर्गर्भाशयी गर्भाधान)	57

गर्भ निरोधक सेवाएं

कॉपर-टी प्रविष्टि	12
ओरल गर्भनिरोधक लाभार्थी	263
गर्भनिरोधकों का वितरण	1600

कोविड -19 टीकाकरण केंद्र

कुल 15,505 लाभार्थियों ने संस्थान में कोविड -19 टीकाकरण केंद्र में सेवाओं का लाभ उठाया।

प्रेस इकाई

संस्थान के अनुसंधान, प्रशिक्षण, परामर्श और प्रशासनिक गतिविधियों का प्रकाशन और मुद्रण प्रेस यूनिट द्वारा किया जाता है। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण प्रबंधन, अस्पताल प्रबंधन, स्वास्थ्य संवर्धन, स्वास्थ्य संचार, अनुप्रयुक्त महामारी विज्ञान और जन स्वास्थ्य पोषण में डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए पृष्ठभूमि दस्तावेज (मॉड्यूल और ब्लॉक) प्रतिवेदित वर्ष के दौरान तैयार किए गए थे। विभिन्न प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों, सर्वेक्षण कार्यक्रम और प्रशासनिक उद्देश्य के लिए अन्य रूपों की पृष्ठभूमि और परिचयात्मक दस्तावेज भी पुन: तैयार किए गए।

मुद्रण एवं प्रकाशन सेवाएँ

संस्थान अपने सतत शिक्षा कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में प्रति वर्ष विभिन्न प्रकाशनों को मुद्रित और प्रकाशित करता है। कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशन निम्न प्रकार थे:

- विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए बहुरंगीय ब्रोशर
- डीएलसी के मॉड्यूल/ब्लॉक
- संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट
- संस्थान की वार्षिक लेखा रिपोर्ट
- कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) दस्तावेज़
- सभी विभागों की स्टॉक सत्यापन रिपोर्ट, रास्वापक. संस्थान
- पत्रिका 'जन स्वास्थ्य धारणा'
- नए भर्ती किए गए सीएचएस चिकित्सा अधिकारियों के लिए एक हस्त पुस्तिका
- संस्थान न्यूजलैटर
- जर्नल: स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य एवं मुद्दे
- एनटीसीपी का प्रशिक्षण मॉड्यूल

स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य एवं मुद्दे

संस्थान 1978 से नियमित रूप से अपने आईएसएसएन-संख्या वाले बहु-विषयक त्रैमासिक जर्नल, स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य और मुद्दों को नियमित रूप से प्रकाशित कर रहा है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रसार के साथ, इसमें वैज्ञानिक और शैक्षिक रुचि के लेख शामिल हैं। स्वास्थ्य सेवाओं, परिवार कल्याण, जनसंख्या, अस्पताल प्रशासन, स्वास्थ्य-अर्थशास्त्र, स्वास्थ्य-संचार, जनसंख्या, सामाजिक विज्ञान और अन्य संबद्ध विषयों के क्षेत्र। जर्नल इंडेडेड, एनआईसी, नई दिल्ली और गूगल स्कॉलर में अनुक्रमित है।

जर्नल में प्रकाशित पत्रों के सार संस्थान की वेब साइट www.nihfw.org पर भी उपलब्ध हैं; जबकि पूर्ण दस्तावेज़ medind.nic, (http://medind.nic.in/index.html) पर उपलब्ध हैं।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान 2021 के लिए एचपीपीआई के सभी मुद्दे (वॉल्यूम संख्या 44 (3, 4 और 5)) और एचपीपीआई 2022 के लिए वॉल्यूम संख्या 45 (1) प्रकाशित किए गए हैं।

श्रव्य-दृश्य सेवाएँ

प्रतिवेदित अवधि में विभिन्न गतिविधियों के लिए संस्थान द्वारा कला, फोटो और प्रक्षेपण सेवाएं प्रदान की गईं।

राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र

राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र में उपलब्ध पुस्तकालय सुविधाएं, इस क्षेत्र में संभवतः भारत में सर्वश्रेष्ठ पुस्तकालयों में से एक हैं। दो दशकों की अवधि में, राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र ने 62000 से अधिक दस्तावेजों का विधिवत,

संतुलित और अद्यतित संग्रह विकसित किया है, जिसमें किताबें, पत्रिकाएं, तकनीकी रिपोर्ट, वार्षिक रिपोर्ट, सांख्यिकीय रिपोर्ट, सम्मेलन की कार्यवाहियाँ, मॉड्यूल और गैर-पुस्तकीय सामग्री और दुनिया भर में जानकारी ले जाने वाले स्वास्थ्य, जनसंख्या, परिवार कल्याण और संबद्ध क्षेत्रों के बारे में विशेष संग्रह शामिल हैं।

राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र निम्नलिखित ऑनलाइन सेवाओं का सदस्य है:

राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र 258 पत्रिकाओं की मुफ्त इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं को एक्सेस करने कि सुविधा प्रदान करने के लिए http://www.nihfw.org/ERMEDConsorsiumJournals.html पर एनएमएल-ईआरएमईडी इंडिया कंसोर्टियम का एक सक्रिय सदस्य है।

राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र की निम्नलिखित गतिविधियों का लिंक http://www.nihfw.org/WNDC.aspx के माध्यम से सुलभ है।

- एमडी (पीएसएम), एमडी (सीएचए), अस्पताल प्रशासन आदि में स्नातकोत्तर अनुसंधान का डेटाबेस।
- दिल्ली में स्वास्थ्य विज्ञान पुस्तकालयों में उपलब्ध गैर-प्रिंट सामग्री की केंद्रीय सूची।
- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण से संबंधित रिपोर्टों/ दस्तावेजों का संग्रह।
- डिजिटलीकरण परियोजना ने अपना पहला चरण पूरा कर लिया है। अधिकांश दुर्लभ और महत्वपूर्ण प्रकाशनों जैसे कमेटी रिपोर्ट, तकनीकी रिपोर्ट, एचपीपीआई जर्नल और प्रकाशन आदि का डिजिटलीकरण किया गया है।

राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र निम्नलिखित ऑनलाइन सेवाएं भी प्रदान कर रहा है:

- ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग
- ई-स्वास्थ्य समाचार प्रेस क्लिप (हिंदी और अंग्रेजी)
- स्वास्थ्य समाचार रिपोजिटरी (अंग्रेजी और हिंदी)
- स्वास्थ्य संबंधित समिति/आयोगों की रिपोर्ट
- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सार
- 'स्वास्थ्य और जनसंख्या: परिप्रेक्ष्य और मुद्दे' जर्नल
- संस्करण की सूची

उपरोक्त के अतिरिक्त, वेब ओपेक के माध्यम से, सभी प्रकाशनों/ दस्तावेजों की ग्रंथ सूचियों का विवरण http://14.1393.63.242/ लिंक पर उपलब्ध है। राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र 1999 से स्वास्थ्य विज्ञान पुस्तकालय में सूचना प्रबंधन के लिए सूचना प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग पर एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित कर रहा है। राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र संगठनों और व्यक्तियों को जानकारी साझा करने और प्रसार के उद्देश्य से

एक जन स्वास्थ्य पुस्तकालय संघ की स्थापना करने की योजना बना रहा है। जिसमें जनसंख्या, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और अन्य गतिविधियों जैसे कि थीसिस/डिजर्टेशन का डिजिटलीकरण, आरएफआईडी पद्धति का संस्थापन और उपयोगकर्ताओं के लिए एक साइबर प्रयोगशाला बनाना आदि शामिल हैं।

कंप्यूटर केंद्र की सुविधा

संस्थान में कैंपस वाइड एरिया नेटवर्क के माध्यम से सभी संकायों, छात्रों, अनुसंधान और प्रशासनिक कर्मचारियों को कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा प्रदान की गयी है। पूरा नेटवर्क कंप्यूटर सेंटर से संचालित किए गए पांच सर्वरों से जुड़ा है, जो राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) द्वारा प्रदान की गई 1 जीबी बैंडविड्थ कनेक्टिविटी के माध्यम से संस्थान में 400 नोड्स को जोड़ता है।

कंप्यूटर सेंटर सक्रिय रूप से डेटा विश्लेषण, प्रोग्रामिंग और कंप्यूटर असिस्टेड अधिगम में लगा हुआ है। कंप्यूटर सेंटर में शिक्षण/प्रशिक्षण उद्देश्यों और छात्रों के उपयोग के लिए दो सुसज्जित कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ हैं। संस्थान में विकसित इंट्रानेट सॉफ्टवेयर का उपयोग वेतन, पेंशन और बिलों की जानकारी देने के लिए किया जाता है। बायोमेट्रिक उपस्थिति अनुवीक्षण पद्धति संस्थान में कार्यशील है। ये सुविधाएं सभी कर्मचारियों और छात्रों के लिए सुलभ है। संस्थान की अपनी गतिशील वेबसाइट www.nihfw.org है और अधिकारियों के लिए ई-मेल सुविधाएं हैं।

कंप्यूटर केंद्र वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा से युक्त है जोकि ई-लर्निंग और बैठकों के लिए उपयोग किया जाता है। केंद्र में एक विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया साउंड प्रूफ रूम, एंटरप्राइज क्लास, पॉलीकॉम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरण और हाई बैंडविड्थ इंटरनेट लाइन है। कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में अधिकतम 20 प्रतिभागी शामिल हो सकते हैं।

परामर्श और सलाहकार सेवाएं

संस्थान के निदेशक और संकाय सदस्यों ने विभिन्न क्षमताओं में राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और स्वैच्छिक संगठनों को सलाहकार और परामर्श सेवाएं प्रदान की।

निदेशक, संकाय सदस्यों और अन्य अधिकारियों की गतिविधियां-

बैठकें/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी:

क्र. सं	बैठक/कार्यशाला/संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक/अवधि	स्थान
प्रो. वी.के. तिवारी			
1.	भारतीय जनसंख्या अध्ययन संघ (आईएएसपी) के महासचिव के रूप में, इंडियन एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ पॉपुलेशन द्वारा आयोजित 'आईएएसपी स्वर्ण जयंती सम्मेलन' में भाग लिया और 'भारत के चयनित राज्यों में जीवन शैली रोग निदानिका में, आयुष उपचार प्राप्त करने वाले रोगियों के लिए 'जीवनशैली में बदलाव' पर एक आलेख प्रस्तुत किया	26-28 नवंबर, 2021	नई दिल्ली
प्रो. पुष्पांजलि स्वैन			
2.	भारतीय जनसंख्या अध्ययन संघ (इंडियन एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ पॉपुलेशन) द्वारा आयोजित 'आईएएसपी के स्वर्ण जयंती सम्मेलन' में भाग लिया और "बच्चों में टीकाकरण कवरेज और पोषण की स्थिति के बीच संबंध: राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण से साक्ष्य (चरण- 4)" शीर्षक पर आलेख प्रस्तुत किया	26-28 नवंबर, 2021	नई दिल्ली
3.	14 सीआरएम विनिदेशन बैठक (डीब्रीफिंग बैठक)	27 नवंबर 2021	नई दिल्ली
4.	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के "मृत्यु के कारणों का निर्धारण करने के लिए कार्यप्रणाली पर तकनीकी समूह" की तृतीय बैठक	2 नवंबर, 2021	ऑन-लाइन
5.	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और एनआईएमएस की मृत्यु के कारणों को निर्धारित करने के लिए कार्यप्रणाली पर तकनीकी समूह की चौथी बैठक	31 मार्च, 2022	ऑन-लाइन
6.	'भारत में स्वास्थ्य के लिए मानव संसाधन को मज़बूत करके सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त करना': एचआरएच संगोष्ठी के परिणामस्वरूप '7 कॉल फॉर एक्शन'में भाग लिया	9 जुलाई, 2021	ऑन-लाइन
7.	सामुदायिक चिकित्सा केंद्र (एम्स) द्वारा नाको के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय उत्तर निगरानी बैठक में भाग लिया।	24-25 मार्च, 2022	नई दिल्ली
8.	"डेटा विश्लेषिकी और स्वास्थ्य देखभाल में इसके अनुप्रयोग" पर 10 दिनों की ऑनलाइन संगोष्ठी में भाग लिया	18-27 फरवरी, 2022	डेटा विज्ञान और बुद्धि प्रणाली विभाग, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, धारवाड़ द्वारा आयोजित ऑनलाइन

क्र. सं	बैठक/कार्यशाला/संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक/अवधि	स्थान
प्रो. नंदिनी सुब्बैया			
9.	सफदरजंग अस्पताल द्वारा आयोजित नैदानिक नर्सिंग अभ्यास में नर्सिंग प्रशासन के सामंजस्य पर कार्यशाला में "संकट के समय में नेतृत्व" पर आलेख प्रस्तुत किया	27 सितंबर 2021	सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली
प्रो. मनीष चतुर्वेदी			
10.	सामुदायिक स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों की महत्वत्ता और भूमिका पर चर्चा	21 जून, 2021	आकाशवाणी भवन, नई दिल्ली
11.	सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति, नेतृत्व और प्रबंधन में एक संसाधन संकाय के रूप में कार्यकारी कार्यक्रम का आयोजन	1 जुलाई, 2021	एम्स, जोधपुर
12.	चिकित्सा महाविद्यालय द्वारा स्वास्थ्य और आरोग्यता केंद्रों (एचडब्ल्यूसी) को अपनाने के लिए आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य और आरोग्यता केंद्रों (एबी- एचडब्ल्यूसी) की विशेषज्ञ समूह समिति की बैठक	23 जुलाई, 2021	राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र (एनएचएसआरसी)
13.	जन स्वास्थ्य शिक्षा में सुधारों के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेष जानकारों के विशेषज्ञ समूह के सदस्यों की बैठक	27 जून-2 अगस्त, 2021	स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय/स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
14.	राष्ट्रीय वार्षिक प्रशिक्षण सम्मेलन (एनएटीसी-2022) में भाग लिया	14 मार्च, 2022	राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान रोहिणी परिसर, नई दिल्ली
15.	वरिष्ठ सलाहकार-आरसीएच निगरानी पद के लिए एनएचएसआरसी में चयन/साक्षात्कार पैनल में बाह्य विशेषज्ञ सदस्य के रूप में कार्य किया	16 मार्च, 2022	राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र (एनएचएसआरसी)
डॉ. धर्मेंद्र यादव			
16.	अंतर्विषयक अनुसंधान (आईसीएआर-2021) में प्रगति पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पुनः प्रतिचयन (रीसैंपलिंग) तकनीक: अवधारणा, अनुप्रयोग और औचित्य" एक आलेख प्रस्तुत किया	26 से 28 अक्तूबर, 2021	शिया पीजी कॉलेज, लखनऊ और विज्ञान प्रौद्योगिकी संस्थान, लखनऊ
17.	अंतर्विषयक अनुसंधान में प्रगति विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन 2021 में "स्वास्थ्य अनुसंधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) के अनुप्रयोग" पर एक आलेख प्रस्तुत किया ।	29 से 31 जुलाई 2021	अमीरुद्दौला इस्लामिया डिग्री कॉलेज, लखनऊ और विज्ञान प्रौद्योगिकी संस्थान, लखनऊ
18.	राष्ट्रीय वेबिनार "आज की दुनिया में सांख्यिकीविदों के लिए अवसर"	29 जून, 2021	आर्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पानीपत, हरियाणा, गणित विभाग और आईक्यूएसी प्रकोष्ठ
19.	"सांख्यिकी और मशीन लर्निंग: प्रवृत्ति की महत्वत्ता" पांचवें अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में "सांख्यिकीय सिद्धांत और अनुप्रयोगों में वर्तमान रुझान-2021 (डब्लूएसटीए-*2021*)"	29 जून 2021 से 2 जुलाई 2021	सांख्यिकी विभाग, केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेंद्रम
20.	सांख्यिकी और डेटा विज्ञान (सीएसडीएस-2021) पर ऑनलाइन तीसरे सम्मेलन में भाग लिया	28से30 अक्टूबर, 2021	ऑनलाइन

क्र. सं	बैठक/कार्यशाला/संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक/अवधि	स्थान
21.	"विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों/उच्च शिक्षा संस्थानों में संकायों" के लिए चार सप्ताह का समावेशन या इंडक्शन/अभिसंस्करण या ओरिएंटेशन कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया	19 जून से 18 जुलाई, 2021	शिक्षण अधिगम केंद्र(टीएलसी), रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
22.	इक्कीसवीं सदी के लिए सांख्यिकी पर सातवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसटीसी-2021) में "परिवर्तनीय अध्ययन के ज्ञात माध्यम का उपयोग करके जनसंख्या माध्य का अनुमान"	15 से 19 दिसंबर 2021	सांख्यिकी विभाग, केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेंद्रम
23.	जनसंख्या और सामाजिक अनुसंधान संस्थान (आईपीएसआर) में "वास्तविक जीवन डिजिटल स्वास्थ्य हस्तक्षेप में मशीन लर्निंग के अनुप्रयोग"	15 दिसंबर, 2021	महिदोल विश्वविद्यालय, थाईलैंड
24.	सतत विकास के सांख्यिकीय आकलन पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक और व्यावहारिक सम्मेलन में भाग लिया	27 से 28 जनवरी 2022.	सेंट-पीटर्सबर्ग राज्य आर्थिक विश्वविद्यालय, सेंट पीटर्सबर्ग में संघीय राज्य सांख्यिकी सेवा विभाग और लेनिनग्राद क्षेत्र (पेट्रोस्टैट), रूसी संघ के सांख्यिकीविदों का समाजशास्त्रीय संस्थान, सेंट पीटरबर्ग, रूस
डॉ. ए. एम. एलिजाबेथ			
25.	भारतीय जनसंख्या अध्ययन संघ द्वारा आयोजित आईएएसपी के स्वर्ण जयंती सम्मेलन में "वैश्विक स्तर पर कोविड-19 संक्रमित उत्तरजीवी लोगों के बीच मनोवैज्ञानिक समस्याएं: एक पद्धतिबद्ध समीक्षा" पर पोस्टर का शीर्षक प्रस्तुत किया	26 से 28 नवंबर, 2021	नई दिल्ली
26.	भारतीय जनसंख्या अध्ययन संघ द्वारा आयोजित आईएएसपी के स्वर्ण जयंती सम्मेलन में "भारत में वृद्ध स्वास्थ्य और आरोग्यता का सतत विकास: क्षेत्रीय स्तर पर एक एकीकृत बहु-क्षेत्रीय दृष्टिकोण" शीर्षक पर आलेख प्रस्तुत किया गया	26 से 28 नवंबर, 2021	नई दिल्ली
डॉ रमेश गंदोत्रा			
27.	भारतीय जनसंख्या अध्ययन संघ द्वारा आयोजित आईएएसपी के स्वर्ण जयंती सम्मेलन में 'भारत के चयनित राज्यों में जीवन शैली रोग क्लीनिकों के तहत आयुष उपचार प्राप्त करने वाले रोगियों के बीच जीवन शैली में बदलाव' पर आलेख प्रस्तुत किया	26 से 28 नवंबर, 2021	नई दिल्ली
श्री सुभाष चंद			
28.	भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एम.आर) और एनआईएमएस द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय सर्वेक्षण में आकंडा गुणवत्ता को लेकर दिशा-निर्देश" कार्यशाला में भाग लिया	नवंबर 23 से 24, 2021	इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली
सुश्री वैशाली जायसवाल			
29.	भारतीय जनसंख्या अध्ययन संघ द्वारा आयोजित आईएएसपी के स्वर्ण जयंती सम्मेलन में "कोविड-19 महामारी और पुनः प्रवासन (रिवर्स माइग्रेशन): अवसर, चुनौतियां एवं अग्रसर पथ" पर आलेख प्रस्तुत किया गया	26 से 28 नवंबर, 2021	नई दिल्ली

क्र. सं	बैठक/कार्यशाला/संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक/अवधि	स्थान
डॉ. षेरिन राज टी.पी			
30.	भारतीय जनसंख्या अध्ययन संघ द्वारा आयोजित आईएएसपी के स्वर्ण जयंती सम्मेलन में 'भारत के चयनित राज्यों में जीवन शैली रोग क्लीनिकों के तहत आयुष उपचार प्राप्त करने वाले रोगियों के बीच जीवन शैली में बदलाव' पर आलेख प्रस्तुत किया और भाग लिया	26 से 28 नवंबर, 2021	नई दिल्ली
31.	भारतीय जनसंख्या अध्ययन संघ द्वारा आयोजित आईएएसपी स्वर्ण जयंती सम्मेलन में "ग्रामीण भारतीय पुरुषों की पोषण स्थिति में क्षेत्रीय विविधताएं: राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण से साक्ष्य" पर पोस्टर का शीर्षक प्रस्तुत किया	26 से 28 नवंबर, 2021	नई दिल्ली
32.	भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एम.आर) और एनआईएमएस द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय सर्वेक्षण में आकंडा गुणवत्ता को लेकर दिशा-निर्देश" कार्यशाला में भाग लिया	23 से 24 नवंबर, 2021	इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली
सुश्री भावना कथूरिया			
33.	भारतीय जनसंख्या अध्ययन संघ द्वारा आयोजित आईएएसपी स्वर्ण जयंती सम्मेलन में भाग लिया और "ग्रामीण भारतीय पुरुषों की पोषण स्थिति में क्षेत्रीय विविधताएं: राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण से साक्ष्य" पर पोस्टर का शीर्षक प्रस्तुत किया	26 से 28 नवंबर, 2021	नई दिल्ली
34.	भारतीय जनसंख्या अध्ययन संघ द्वारा आयोजित आईएएसपी स्वर्ण जयंती सम्मेलन में भाग लिया और "भारत में किशोरावस्था स्वास्थ्य और आरोग्यता: चुनौतियां और समाधान" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया	26 से 28 नवंबर, 2021	नई दिल्ली
प्रो. एम. महापात्रो			
35.	भारतीय शारीरिक शिक्षा संस्था (पीईएफआई) द्वारा आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में 'गुणात्मक विश्लेषण/ विवरणात्मक विश्लेषण' पर एक व्याख्यान दिया	6 2021	नई दिल्ली
डॉ. एस. रामचंद्र राव			
36.	सीआईसी विशेषज्ञ, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में आयोजित सार्वजनिक संगठन/संस्थान के तृतीय पार्टी लेखा परीक्षा (टीपीए) प्रशिक्षण में भाग लिया	7 जुलाई, 2021	नई दिल्ली (offline)
37.	जैव रसायन-जीवन के नए क्षितिज को उजागर करना (बीयूएनएचएल-2021) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया	26से 28 नवंबर, 2021	विशाखापत्तनम
38..	भारतीय खाद्य वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीविदों का 28वां सम्मेलन	20-22 जनवरी, 2022	औरंगाबाद

पुरस्कार/उपलब्धियां

डॉ. एस. रामचंद्र राव			
1.	एथनोफार्माकोलॉजी पत्रिका के संपादकीय बोर्ड में "समीक्षा संपादक" के रूप में नियुक्ति (फार्माकोलॉजी में फ्रंटियर्स के विशेषांक में)	5 अगस्त 2021 के बाद से	स्विट्ज़रलैंड

2.	इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसर में फ्रंटियर्स के संपादकीय बोर्ड में "समीक्षा संपादक" के रूप में नियुक्ति	23 मई, 2020 के बाद से	स्विट्ज़रलैंड
3.	"जर्नल ऑफ़ द इंडोनेशियन केमिकल सोसाइटी" (जेआईसीएस) इंटरनेशनल जर्नल के जैविक रसायन विज्ञान में 'अनुभाग संपादक' के तौर पर नियुक्ति	दिसंबर 2022 तक	इंडोनेशिया
डॉ. धर्मेंद्र कुमार यादव			
5.	"भारत में डिजिटल स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और मशीन लर्निंग के अनुप्रयोग" शीर्षक वाले आलेख पर उत्कृष्ट प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किया	26-28 दिसंबर, 2021	अंतर्राष्ट्रीय एफआईएमसम्मेलन, वासेदा विश्वविद्यालय, जापान द्वारा आयोजित
6.	युवा वैज्ञानिक पुरस्कार-2021	29 से 31 जुलाई, 2021	अमीरूद्दौला इस्लामिया डिग्री कॉलेज, लखनऊ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतर्विषयक अनुसंधान (एनसीएआर-2021) में प्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलन 29 से 31 जुलाई, 2021
7.	फेलो, रॉयल स्टैटिस्टिकल सोसाइटी (एफआरएसएस), लंदन	13 अगस्त, 2021	लंदन, यूके (यूनाइटेड किंगडम)
8.	निर्वाचित सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), नीदरलैंड	सितंबर 01, 2021	नीदरलैंड
डॉ. जी. एस. करोल			
9.	वर्ष 2021-2022 के लिए संस्थान के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी का पुरस्कार प्राप्त किया	9 मार्च, 2022	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान

एक विशेषज्ञ के रूप में की जाने वाली गतिविधियां

क्र. सं.	कार्यशाला/सेमिनार/बैठक का शीर्षक	दिनांक/अवधि	स्थान
प्रो. पुष्पांजलि स्वैन			
1.	"ब्रिटिश भारत की जनगणना और औपनिवेशिक काल (1891-1939) में बॉम्बे प्रेसीडेंसी के लिए वार्षिक स्वच्छता आयुक्त की रिपोर्ट का उपयोग करके लिंग द्वारा जन्म के समय जीवन प्रत्याशा का अनुमान लगाना"	23 जून 2021	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
2.	"दिसंबर 2021 में भारतीय जिलों में बच्चों और इसके सहसंयोजकों के बीच एनीमिया की व्यापकता: एक भू-स्थानिक विश्लेषण"	दिसंबर 2021	राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
प्रो. मनीष चतुर्वेदी			
1.	आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों में एनपीसीडीसीएस-आयुष कार्यान्वयन के लिए दिशा-निर्देशों का मसौदा तैयार करने को लेकर टास्क फोर्स की बैठक का गठन	16 अप्रैल 2021	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

अध्यक्षता/अध्यक्षता सत्र/समारोह

क्र. सं.	कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठक का शीर्षक	दिनांक/अवधि	स्थान
प्रो. पुष्पांजलि स्वैन			
1.	एड्सकोन **-11,** एड्स मुक्त विश्व की ओर' चंडीगढ़	11 से 12 मार्च, 2022	ऑन-लाइन

डॉ. धर्मेंद्र कुमार यादव			
2.	उन्नत सांख्यिकी और अनुप्रयुक्त विज्ञान (एएसएएस) पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन	30 से 31 मार्च, 2022	रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
3.	अंतर्विषयक अनुसंधान में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएआर-2021)	26 से 28 अक्टूबर, 2021	ऑनलाइन
4.	सांख्यिकी विभाग, केसी महाविद्यालय, मुंबई द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सांख्यिकी सम्मेलन-2021	29 जून से 2 जुलाई, 2021	ऑनलाइन
5.	सांख्यिकी विभाग, केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेंद्रम द्वारा आयोजित "सांख्यिकी फ्रटर्निटी केरल (एसएफके)" के चौथे वार्षिक सम्मेलन के साथ संयोजन के रूप में "सांख्यिकीय सिद्धांत और अनुप्रयोगों में वर्तमान रुझान-2021 (डब्ल्यूएसटीए-2021)" पर पांचवां अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार	29 जून से 2 जुलाई, 2021	ऑनलाइन
6.	अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी (एआईएमटी), यूएसए का वार्षिक सम्मेलन	20 से 21 जून, 2021	ऑनलाइन

अतिथि संकाय के रूप में सत्र भागीदारी

क्र सं	कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठक का शीर्षक	दिनांक/अवधि	स्थान
प्रो. मनीष चतुर्वेदी			
1.	"कोविड -19 महामारी उपयुक्त व्यवहार के लिए जन आंदोलन"	19 से 21 मई, 2021	महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान (एमजीएसआईपीए)
डॉ. धर्मेंद्र कुमार यादव			
2.	जनसंख्या और सामाजिक अनुसंधान संस्थान (आईपीएसआर), महिदोल विश्वविद्यालय, थाईलैंड	15 दिसंबर, 2021.	ऑनलाइन
4.	गणित विभाग और आईक्यूएसी प्रकोष्ठ, आर्य पीजी महाविद्यालय, पानीपत, हरियाणा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार	29 जून, 2021	ऑनलाइन

दल नेतृत्व के रूप में गतिविधियां

प्रो. पुष्पांजलि स्वैन			
1.	एम्स, भुवनेश्वर कायाकल्प आकलन की बाह्य मूल्यांकन रिपोर्ट	अप्रैल 2020-21	भुवनेश्वर
2.	कायाकल्प योजना 2020-21 के तहत एनआईटी और आरडी, नई दिल्ली की बाह्य मूल्यांकन रिपोर्ट	अप्रैल 2021	दिल्ली
3.	कायाकल्प योजना 2020-21के तहत एम्स, पटना की बाह्य मूल्यांकन रिपोर्ट	जून 2021	ऑनलाइन आकलन
4.	कायाकल्प योजना 2021-22के तहत पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ की बाह्य मूल्यांकन रिपोर्ट	जून 2021	ऑनलाइन आकलन
5.	कायाकल्प योजना 2021-22 . के तहत शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल की बाह्य मूल्यांकन रिपोर्ट	जून 2021	ऑनलाइन आकलन

6.	कायाकल्प योजना 2021-22 के तहत एम्स, दिल्ली की बाह्य मूल्यांकन रिपोर्ट	फरवरी से मार्च 2022	नई दिल्ली
7.	कायाकल्प योजना 2021-22 के तहत एम्स, रायपुर की बाह्य मूल्यांकन रिपोर्ट	फरवरी से मार्च 2022	रायपुर
8.	कायाकल्प योजना के तहत अंदमान निकोबार द्वीप समूह चिकित्सा विज्ञान संस्थान, पोर्ट ब्लेयर की बाह्य मूल्यांकन रिपोर्ट2021-22	फरवरी से मार्च 2022	अंडमान
9.	कायाकल्प योजना 2021-22 के तहत जिपमर, पुडुचेरी की बाह्य मूल्यांकन रिपोर्ट	फरवरी से मार्च2022	पुदुचेरी या पोंडीचेरी
डॉ. राजेश कुमार			
10.	कायाकल्प पुरस्कार योजना, 2021-22 के तहत केंद्र द्वारा वित्त पोषित अस्पतालों/संस्थानों का बाह्य मूल्यांकन	दिसंबर, 2021 से मार्च, 2022	देश भर में
डॉ. एस. रामचंद्र राव			
11.	वर्ष 2021-22 के लिए कायाकल्प पुरस्कार योजना के तहत तृतीयक देखभाल अस्पतालों का बाह्य मूल्यांकन	15 से 17 दिसंबर, 2021	एम्स, ऋषिकेश, उत्तराखंड
11.	वर्ष 2021-22 के लिए कायाकल्प पुरस्कार योजना के तहत तृतीयक देखभाल अस्पतालों का बाह्य मूल्यांकन	20 से 21 दिसंबर, 2021	एनआईटीआरडी-दिल्ली
12.	वर्ष 2021-22 के लिए कायाकल्प पुरस्कार योजना के तहत तृतीयक देखभाल अस्पतालों का बाह्य मूल्यांकन	3 से 5 जनवरी, 2022	उत्तर पूर्वी इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य और चिकित्सा विज्ञान संस्थान, शिलांग
13.	वर्ष 2021-22 के लिए कायाकल्प पुरस्कार योजना के तहत तृतीयक देखभाल अस्पतालों का बाह्य मूल्यांकन	6 से 8 जनवरी, 2022	लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै क्षेत्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान (एलजीबीआरआईएमएच) तेजपुर
14.	वर्ष 2021-22 के लिए कायाकल्प पुरस्कार योजना के तहत तृतीयक देखभाल अस्पतालों का बाह्य मूल्यांकन	15 से 16 मार्च, 2022	लेडी हार्डिंग चिकित्सा महाविद्यालय (एलएचएमसी, दिल्ली

प्रशासनिक समाचार

प्रतिवेदित अवधि के दौरान संस्थान में सेवानिवृत्ति, पेंशन, पदोन्नति, नियुक्ति आदि से संबंधित विषयों को अंतिम रूप देने के लिए अनेक प्रशासनिक कार्य-विधियों को सुप्रवाही किया गया है।

प्रशासनिक समाचार

शासी निकाय (जी.बी.)

संस्थान के कार्यों के प्रबंधन का मुख्य उत्तरदायित्व शासी निकाय का है जोकि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री की अध्यक्षता के अधीन गठित की गई है। बैठक में संस्थान के कामकाज में सुधार हेतु नीतिगत निर्णय लिए जाते हैं।

स्थायी वित्त समिति (एस.एफ.सी.)

स्थायी वित्त समिति एक अन्य महत्वपूर्ण समिति है, जो संस्थान के वित्तीय प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन करती है। रास्वापक संस्थान की स्थायी वित्तीय समिति की 63वीं बैठक 22 नवंबर, 2021 तथा स्थायी वित्तीय समिति की 64वीं बैठक 29 जनवरी,2022 को श्री राजेश भूषण, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अध्यक्षता में हुई थी।

कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी)

समिति में विभिन्न विषयों/अनुशासनों के प्रतिनिधि शामिल हैं, जो केंद्रीय एवं राज्य स्तर तथा केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों से संबन्धित हैं तथा देश में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रमों के संवर्धन में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हैं। शिक्षण गतिविधियों के मार्गदर्शन करने हेतु तथा संस्थान की गतिविधियों की समीक्षा के लिए समिति की सामान्यतः एक वर्ष में दो बार बैठक आयोजित की जाती है। इस वर्ष संस्थान की कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) की बैठक 27 जनवरी, 2022 को हुई थी।

पीएसी ने सभी प्रशिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों के साथ-साथ चल रहे अध्ययनों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। बैठक में सभी संकाय सदस्य, चिकित्सा अधिकारी और अनुसंधान अधिकारी शामिल हुए।

सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग

संस्थान में राजभाषा नीति के कारगर क्रियान्वयन संबंधी प्रगति की समीक्षा करने के लिए संस्थान के निदेशक की अध्यक्षता में एक राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यरत है। प्रतिवेदित अवधि में के दौरान इस समिति की सभी त्रैमासिक बैठकें नियमित रूप से आयोजित की गईं।

सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति का वर्तमान गठन निम्न प्रकार से हैः

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन (31 मार्च, 2022 के अनुसार)

1.	सुश्री निधि केसरवानी, भा.प्रशा. सेवा, निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)	अध्यक्ष
2.	डॉ. वी.के. तिवारी, डीन एवं प्रोफेसर, योजना एवं मूल्यांकन विभाग	उपाध्यक्ष
3.	उप-निदेशक (प्रशा.)	सदस्य
4.	डॉ. (श्रीमती) पुष्पांजलि स्वैन, विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर, जनांकिकीय एवं जनसांख्किकीय	सदस्य
5.	डॉ. मनीष चतुर्वेदी, प्रोफेसर, योजना एवं मूल्यांकन विभाग	सदस्य
6.	डॉ. अंकुर यादव, सहायक प्रोफेसर, संचार विभाग एवं संकाय प्रभारी हिंदी कक्ष	सदस्य
7.	डॉ. गीतांजलि, चिकित्सा अधिकारी, प्रजनन जैव चिकित्सा विभाग	सदस्य
8.	डॉ. गौरव शर्मा, उप-निदेशक (तकनीकी), परियोजना	सदस्य
9.	अनुभाग अधिकारी (प्रशा.1)	सदस्य
10.	अनुभाग अधिकारी (प्रशा.2)	सदस्य
11.	प्रभारी अधिकारी, (अकादमिक)	सदस्य
12.	कार्यशाला एवं अनुरक्षण अधिकारी	सदस्य
13.	लेखा अधिकारी	सदस्य
14.	अनुभाग अधिकारी (भण्डार)	सदस्य
15.	डॉ. गणेश शंकर श्रीवास्तव, उप-संपादक (हिन्दी)	सदस्य-सचिव

प्रतिवेदित अवधि में, संस्थान में राजभाषा नीति के क्रियान्वयन संबंधी प्रगति रिपोर्ट का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार से हैः

पत्र व्यवहार में हिन्दी का प्रयोग

इस अवधि के दौरान, 81.45% पत्र (ई-मेल और फैक्स संदेश सहित) हिन्दी में जारी हुए अर्थात् 'क' क्षेत्र के 84.01% पत्र, 'ख़' क्षेत्र के 71.89% पत्र तथा 'ग' क्षेत्र के लिए क्रमशः 76.26% पत्र हिन्दी में जारी किए गए जबकि 'क' और 'ख़' क्षेत्रों के लिए निर्धारित लक्ष्य 100% है तथा 'ग' क्षेत्र के लिए यह लक्ष्य

65% है। उक्त अवधि (अर्थात अप्रैल, 2021 से मार्च, 2022) के दौरान शत-प्रतिशत सामान्य आदेश हिन्दी में जारी किए गए थे। इसी प्रकार हिंदी में प्राप्त सभी पत्रों के उत्तर हिंदी में दिए गए।

हिंदी में दिन-प्रतिदिन के अनुवाद कार्य के अतिरिक्त, कई विशिष्ट अनुवाद कार्य भी पूरे किए गए जिनमें वार्षिक रिपोर्ट तथा वार्षिक लेखा 2021-22, प्रोफार्मा, सर्वेक्षण कार्यक्रम, प्रमाण पत्र से संबंधित सामग्री, बैनर और विभिन्न विभागों के विज्ञापन शामिल हैं।

हिन्दी शिक्षण योजना

हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत स्टाफ सदस्यों को हिन्दी आशुलिपि तथा हिन्दी टंकण में प्रशिक्षण

सभी 5 आशुलिपिकों (संस्थान के नियमित पद पर) को पहले ही हिन्दी आशुलिपि में प्रशिक्षित किया जा चुका है।

स्टाफ का हिन्दी-प्रशिक्षण

संस्थान के सभी 151 स्टाफ सदस्यों को हिन्दी भाषा का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है, जिनमें से 83 को हिन्दी में प्रवीणता प्राप्त है तथा शेष 68 को हिन्दी भाषा का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है।

सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग संबंधी प्रोत्साहन योजना

प्रतिवेदित अवधि में संस्थान के 06 कर्मचारियों ने उपरोक्त प्रोत्साहन योजना में भाग लिया था। वित्तीय वर्ष 2021-22 हेतु, उनके कार्य का मूल्यांकन निदेशक के अनुमोदन से गठित एक उप-समिति द्वारा किया जाएगा।

हिन्दी पखवाड़ा

1-15 सितंबर, 2021 की अवधि के दौरान, संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया गया था, जिसके अंतर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की गई थीं:

i. 1 सितम्बर 2021 को संस्थान के कर्मचारियों के लिएहिंदी निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई।
ii. 2 सितम्बर, 2021 को हिन्दी टिप्पण एवं प्रारूपण प्रतियोगिता आयोजित की गई।
iii. 3 सितम्बर, 2021 को हिंदी वाक प्रतियोगिता आयोजित की गई।
iv. 6 सितम्बर, 2021 को संस्थान के बहुकार्यकारी कर्मचारियों के लिए हिंदी श्रुतलेख प्रतियोगिता आयोजित की गई।
v. 10 सितम्बर, 2021 को हिंदी व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया ।
vi. संस्थान में 14 सितम्बर, 2021 को ऑनलाइन माध्यम से 'हिंदी दिवस' का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान ने की। उन्होंने

संस्थान के कर्मचारियों को संबोधित किया और हिंदी में काम करने की अपील की। 1-15 सितंबर, 2021 के दौरान आयोजित हिंदी पखवाड़ा गतिविधियों की विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं के नाम की घोषणा की गई। डॉ. अंकुर यादव द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गणेश शंकर श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

संसदीय राजभाषा समिति का निरीक्षण

संसदीय राजभाषा समिति ने 25 अक्टूबर, 2021 को संस्थान का निरीक्षण किया। संस्थान की निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) सुश्री निधि केसरवानी ने समिति के समक्ष निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत की। निदेशक ने समिति के समक्ष दिये गये आश्वासनों पर तत्काल कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। समिति ने संतुष्ट होकर, संस्थान की निदेशक को भारत के राष्ट्रपति के आदेश प्रदान किए। प्रो. विजय कुमार तिवारी, डीन, डॉ. अंकुर यादव, सहायक प्रोफेसर, डॉ. जे.पी. शिवदासानी, अनुसंधान अधिकारी तथा डॉ. गणेश शंकर श्रीवास्तव, प्रभारी, हिंदी कक्ष ने बैठक में भाग लिया।

संस्थान का राजभाषाई निरीक्षण

निदेशक (राजभाषा), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने 30 सितंबर 2021 को एक टीम के साथ राजभाषा निरीक्षण के लिए संस्थान का दौरा किया। टीम ने संस्थान की उप-निदेशक (प्रशासन), सुश्री निधि केसरवानी से मुलाकात की तथा काफी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान संस्थान में राजभाषा के क्रियान्वयन के संबंध में चर्चा हुई। मंत्रालय ने अपनी रिपोर्ट में संस्थान में हिंदी के रिक्त पदों को भरने और हिंदी में पत्राचार बढ़ाने सहित विभिन्न सुझाव दिए।

'जन स्वास्थ धारणा' का विमोचन

प्रतिवेदित अवधि के दौरान, 9 मार्च 2022 को संस्थान के वार्षिक दिवस समारोह के अवसर पर संस्थान की हिंदी पत्रिका "जन स्वास्थ्य धारणा" के 27वें अंक का विमोचन माननीय मुख्य अतिथि श्री राजेश भूषण, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया।

घटनाक्रम

45वां वार्षिक दिवस समारोह

संस्थान ने अपना 45वां वार्षिक दिवस 9 मार्च 2022 को संस्थान के लॉन में मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री राजेश भूषण, सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री मनोहर अगनानी, अतिरिक्त सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार उपस्थित थे। संस्थान के सभी फैकल्टी और स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

संस्थान के निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) सुश्री निधि केसरवानी ने प्रतिवेदित अवधि में संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों को प्रस्तुत किया तथा आगामी भविष्य में होने वाली कुछ गतिविधियों पर प्रकाश डाला ।

दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से एमडी (सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन), पीजीडीपीएचएम और पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के मेधावी छात्रों को पुरस्कार दिए गए। इस अवसर पर, विभिन्न श्रेणियों के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी को पुरस्कार प्रदान किए गए ।

श्री राजेश भूषण, सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने संबोधन में संस्थान को अनुसंधान एवं प्रशिक्षण की दिशा में लिए जाने वाले दिशा-निर्देशों के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने संस्थान द्वारा विभिन्न मोर्चों पर की गई विभिन्न गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ नेटवर्किंग के माध्यम से संस्थान प्रशिक्षण, अकादमिक अनुसंधान तथा शिक्षा के क्षेत्र में गतिविधियों को और अधिक बढ़ाने का प्रयास करेगा। अंत में, प्रोफेसर वी.के. तिवारी, अध्यक्ष, वार्षिक दिवस समिति द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

संस्थान में 15 अगस्त, 2021 को, स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. हर्षद ठाकुर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा उपस्थित गणों को संबोधित किया। राष्ट्रगान के पश्चात विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों ने सभा को संबोधित किया। संस्थान के स्टाफ सदस्यों के बच्चों द्वारा एक संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
वार्षिक रिपोर्ट 2021-2022
विश्व जनसंख्या दिवस- 2021

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में 11 जुलाई 2021 को प्रातः 10:00 बजे से 11:30 बजे तक ऑनलाइन पोर्टल 'गूगल मीट' के माध्यम से विश्व जनसंख्या दिवस 2021 मनाया गया। "विश्व जनसंख्या पर कोविड-19 का अवलोकन और प्रभाव" विषय पर एक व्यापक प्रस्तुति दी गई। इसके बाद एक संवादात्मक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। "अधिक जनसंख्या-एक वरदान या प्रतिबंध" विषय पर एक प्रस्तुति दी गई जिसमें 'दुनिया में बढती हुई उम्र की अपेक्षा भारत में सबसे कम उम्र की आबादी' विषय पर जोर देते हुए भारत में बढ़ी हुई आबादी के फायदे और नुकसान पर चर्चा की गई साथ ही बढ़ती कामकाजी आबादी और कम उम्र की निर्भरता जो देश के साथ-साथ दुनिया के आर्थिक विकास की ओर अग्रसर है, तथा अंततः सीमित संसाधनों के कारण जनसंख्या वृद्धि को प्रतिबंधित करने की आवश्यकता पर चर्चा की गई।

प्रो. हर्षद पी. ठाकुर, निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान ने अपने अनुभव साझा किए तथा संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को बधाई दी और इस दिन के सफल अवलोकन के लिए छात्रों की भागीदारी की भी सराहना की।

हालांकि यह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आयोजित एक प्रमुख कार्यक्रम था, लेकिन बिना किसी तकनीकी गड़बड़ी के इसे सफलतापूर्वक संचालित किया गया। अंत में, सभी के साथ एक ऑनलाइन फोटो सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें इस कोविड-19 महामारी के दौरान इस तरह के एक अद्भुत कार्यक्रम के आयोजन के प्रति प्रतिभागिता की अपार संतुष्टि और खुशी प्रतिभागियों के चेहरे पर परिलक्षित हो रही थी। कार्यक्रम की कुछ झलकियां नीचे इन तस्वीरों में दिखाई जा रही हैं।

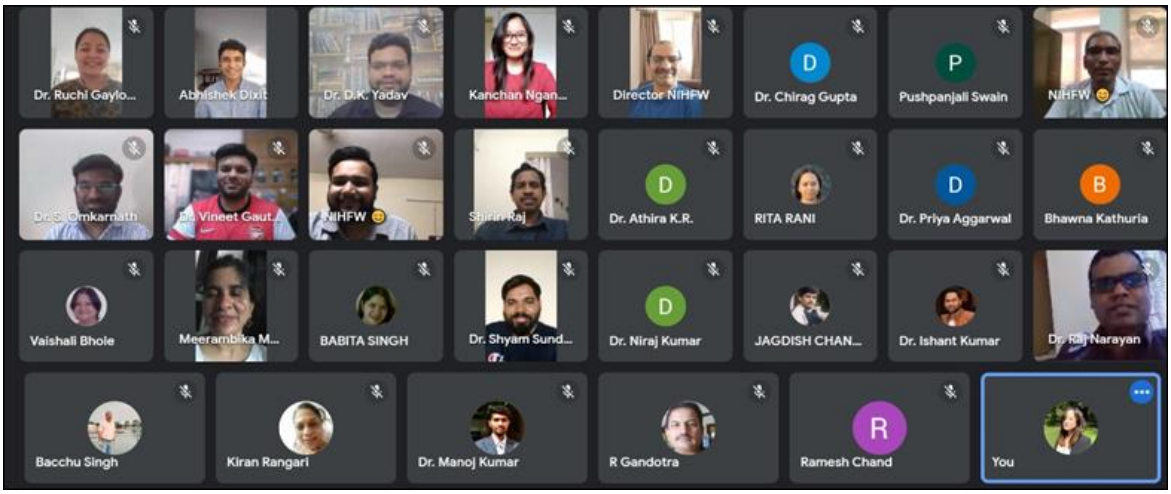

सतर्कता जागरूकता सप्ताह - 2021

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 26 अक्टूबर से 1 नवंबर, 2021 तक राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफडब्ल्यू), नई दिल्ली के सभी स्टाफ सदस्यों / कर्मचारियों द्वारा पूरे उत्साह के साथ

मनाया गया। इस वर्ष के लिए केन्द्रीय सतर्कता आयोग द्वारा "स्वतंत्र भारत @ 75: ईमानदारी के साथ आत्मनिर्भरता थीम चुनी गई थी।

शपथ समारोह राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में गूगल मीट प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित किया गया था, जिसमें संस्थान के विभिन्न विभागों, प्रशासन के विभिन्न वर्गों और परियोजनाओं के कर्मचारियों/छात्रों ने भाग लिया था। शपथ ग्रहण समारोह 26 अक्टूबर, 2021 को प्रातः 11.00 बजे आयोजित किया गया था। डीन, प्रो वी. के. तिवारी ने ऑनलाइन भाग लेने वाले कर्मचारियों/छात्रों को शपथ दिलाई। ऑनलाइन उपस्थित सभी लोगों से केन्द्रीय सतर्कता आयोग की वेबसाइट में ई-प्रतिज्ञा करने का भी अनुरोध किया गया।

सप्ताह भर चलने वाले उत्सव के दौरान, ऑनलाइन स्लोगन लेखन प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। संस्थान के कर्मचारियों ने सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। सतर्कता जागरूकता पर स्लोगन लेखन प्रतियोगिता से चयनित स्लोगन संस्थान की दीवारों और नोटिस बोर्ड और इमारत/भवनों के विभिन्न प्रवेश बिंदुओं जैसे स्वागत क्षेत्र, कैंटीन, छात्रावास, शिक्षण खण्ड, क्लिनिक, प्रशासनिक खण्ड और कई प्रमुख स्थानों पर हिंदी और अंग्रेजी दोनों में प्रदर्शित किए गए।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का ऑनलाइन समापन समारोह सोमवार 1 नवंबर, 2021 को दोपहर 3 बजे आयोजित किया गया। प्रो. पुष्पांजलि स्वैन, सतर्कता अधिकारी ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी दी और श्री अपेंदु गांगुली, पूर्व निदेशक, रक्षा मंत्रालय और पूर्व संकाय सदस्य, आईएसटीएम का परिचय दिया। उनके पास सतर्कता, कानूनी और स्थापना मामलों में काफी अनुभव और विशेषज्ञता है। उन्होंने "निवारक सतर्कता उपायों" पर एक व्याख्यान दिया जो कि बहुत जानकारीपूर्ण था और जिसके पश्चात दर्शकों के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। उन्होंने 'सतर्कता' के मूल अर्थ और सतर्कता नियमों और संथानम समिति द्वारा अनुशंसित निवारक उपायों के बारे में बताया।

प्रो. पुष्पांजलि स्वैन वक्ताओं को संबोधित करते हुए

श्री अपेंदु गांगुली व्याख्यान देते हुए

संस्थान के डीन प्रो. वी. के. तिवारी ने कार्यक्रमों के विजेताओं के पुरस्कारों की घोषणा की गई तथा प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों के नामों की घोषणा हुई। उन्होंने इस अवसर पर दर्शकों को ऑनलाइन संबोधित किया तथा सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को बधाई दी; संस्थान में इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए सहायक स्टाफ और प्रो. पुष्पांजलि स्वैन की सराहना की।

श्री अपेंदु गांगुली,

सतर्कता जागरूकता सप्ताह प्रतिभागी

गणतंत्र दिवस समारोह

26 जनवरी 2022 को, गणतंत्र दिवस मनाया गया। संस्थान के निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) सुश्री निधि केसरवानी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा सभी कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होने ने सभा को संबोधित करते हुए जोर दिया कि हम सभी को राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारियों को निष्ठापूर्वक निभाना चाहिए।

संकाय सदस्य, अनुसंधान कर्मचारी एवं प्रशासनिक कर्मचारी के अलावा आउटसोर्स स्टाफ कार्यक्रम में शामिल हुए। बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रथम पी.पी. तलवार संभाषण

28 मार्च, 2022 को पूर्वाह्न 11 बजे प्रो. (डॉ.) एन.के. अरोड़ा, कार्यकारी निदेशक, द इन्क्लेनट्रस्ट इंटरनेशनल और अध्यक्ष, राष्ट्रीयटीकाकरण तकनीकी सलाहकार समूह, नई दिल्ली ने "महामारी संक्रमण और सरकारी कार्यक्रमों का प्रभाव: भारत की तीन (ग्रामीण, पेरी-शहरी और जनजातीय) जनसांख्यिकीय निगरानी से सबक" विषय पर प्रथम पी.पी. तलवार संभाषण प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के प्रख्यात जन स्वास्थ्य गणमान्यों,विकास भागीदारों, संकाय और स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। लाइव स्टीमिंग द्वारा कार्यक्रम का ऑनलाइन प्रसारण भी किया गया।

प्रकाशन

वर्ष 2021-22 के दौरान विभिन्न पत्रिकाओं में संकाय अनुसंधान कर्मचारियों द्वारा प्रकाशित लेखों/शोध पत्रों की सूची निम्नलिखित प्रकार से है:-

1. प्रो. वी.के. तिवारी, पी. बालसुंदरम, राज षेरिन टी.पी.- दिल्ली में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में आने वाले हेपेटाइटिस रोगियों के बीच सूचना, जागरूकता और स्वास्थ्य व्यवहार, इंडियन जर्नल ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन 2022; 53 (1): 20 से 29
2. दिपायन बनर्जी, पुष्पांजलि स्वेन- भारत के चार राज्यों की वयस्क जनसंख्या में उच्च रक्तचाप की व्यापकता और जोखिम के कारक: एक अन्वेषणात्मक अध्ययन: जर्नल ऑफ प्रिवेंटिव मेडिसिन एंड होलिस्टिक हेल्थ वॉल्यूम 07, अंक 02, जुलाई से दिसंबर 2021, पृष्ठ 121 से 130
3. कुर्निवान वाई॰ एस॰, रामचंद्र राव एस॰, ओहतो के॰ इवासाकी डब्ल्यू, कवाकिता एच॰, मोरिसादा एस॰ मियाज़की एम॰,ज़ूमीना जे.,न्यू कान्सैप्ट फॉर द स्टडी ऑफ द फ्लूइड डायनेमिक्स ऑफ लिथियम एक्सट्रैक्शन यूजिंग कैलिक्स [4] डेरिवेटिव्स इन टी-टाइप माइक्रोरिएक्टर सिस्टम्स, सेपरेशन्स, 8(5) 1-13,2021 ; doi.org/10.3390/separations8050070 (20 मई 2021 को प्रकाशित)
4. फातिकिन ए॰, अमरूलोह एच॰, अप्रियानी आई॰, लेस्टरी ए॰, एरावंती बी॰, सपुत्री ए॰, गीता एम॰, फितरंती एम॰, रामचंद्र राव॰ एस॰, कुर्नियावान वाई॰एस॰, वूलन आर॰एम॰एस॰, खान एम॰एस॰,ए कमपैरटिव् स्टडी ऑन फाइटोकेमिकल स्क्रीनिंग और एंटीऑक्सीडेंट एक्टिविटी ऑफ एइक्वीअस् एक्स्ट्रक्ट फ्रोम वैरियस पार्ट्स ऑफ मोरिंगाओलिफेरा, इंडोनेशियाई जर्नल ऑफ नेचुरल पिगमेंट, 3 (2), 43-47, 2021 (31 अगस्त 2021, ऑनलाइन प्रकाशित)
5. मनीषा (2021): कोविड-19 और शिक्षा पर उसका प्रभाव, हैल्थ एक्शन,वॉल्यूम 34, अंक 12, पृष्ठ 13 से 15
6. मीराम्बिका महापात्रो और ए कुमार (2021), घरेलू हिंसा, महिला स्वास्थ्य और सतत विकास लक्ष्य: एकीकृत वैश्विक लक्ष्य, भारतीय राष्ट्रीय नीतियां और स्थानीय प्रतिउत्तर, जन स्वास्थ्य नीति पत्रिका, पृष्ठ संख्या 1 से 12
7. मीराम्बिका महापात्रो (2021), क्या प्रोद्यौगिकी में लैंगिक संबंधों को बदलने की क्षमता है? भारत में बांझपन के सामाजिक संरचना पर परिप्रेक्ष्य,महिला स्वास्थ्य और देखभाल पत्रिका,10: 8
8. मीराम्बिका महापात्रो और अविनाश कुमार (2021), कोविड-19 के दौरान आक्षेप (भेदभाव) और भय की सामाजिक उत्पत्ति, मनोरोग और मानसिक स्वास्थ्य का इतिहास 9(1): 1160
9. मीराम्बिका महापात्रो और एम॰ एम॰ प्रसाद (2021), घरेलू हिंसा के चक्र को तोड़ने में लोकप्रिय मीडिया की भूमिका, जर्नल पब्लिक अफेयर; पृष्ठ संख्या 2618
10. मीराम्बिका महापात्रो (2021), घरेलू हिंसा- एक सत्यवाद, एनएआरसीएचआई बुलेटिन एमएएमसी, 1 पृष्ठ संख्या 19 से 22
11. मीराम्बिका महापात्रो, एम॰एम॰ प्रसाद और एस॰पी॰ सिंह, दुर्व्यवहार का मुक़ाबला करते हुए कोविड-19 के लॉकडाउन के दौरान सामना की जाने वाली घरेलू हिंसा में सामाजिक सहयोग की भूमिका: परिवार परामर्श केंद्र अलवर, भारत में दर्ज मामलों का विश्लेषण, अंक पृष्ठ संख्या 1 से 16

12. आर॰ भारती और षेरिन राज टी॰पी॰, भारत के बिहार राज्य में परिवार नियोजन अभ्यास के सामाजिक निर्धारक, स्वास्थ्य विज्ञान अनुसंधान पत्रिका, वॉल्यूम 5, अंक 1 से 2, पृष्ठ संख्या 29 से 48. आईएसएसएन 2523-1251 (ऑनलाइन) आईएसएसएन 2523-1243 (प्रिंट)
13. नायर के॰एस॰ और षेरिन राज टी॰पी॰, भारत में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज़ और निजी स्वास्थ्य सेक्टर: स्वास्थ्य ढांचे के उचित परिप्रेक्ष्य में एक आकलन, अंतराष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान, वॉल्यूम 10, अंक (1), पृष्ठ 28 से 31, आईएसएसएन 2319 - 3565 (ऑनलाइन)
14. वृंदा धर और अंकुर यादव (2021), पवित्र अर्थव्यवस्था, (आर्थिक संबंधों के विकास और उनके सामाजिक मूर्त रूप में एक मानवशास्त्रीय पड़ताल) अंतराष्ट्रीय विज्ञान और अनुसंधान पत्रिका, 10 (7) पृष्ठ संख्या 1171 से 1174
15. अनुषा दुबे और अंकुर यादव (2021), जिला फिरोजाबाद (यूपी) के कांच कारखाने के श्रमिकों में व्यावसायिक स्वास्थ्य से संबंधित ज्ञान, दृष्टिकोण और सुरक्षा पद्धति, भारतीय वर्णनात्मक प्रतिकूल-अनुभागीय अध्ययन, भारतीय अनुप्रयुक्त अनुसंधान पत्रिका, 11 (2): पृष्ठ संख्या 1 से 3
16. वंदना सभरवाल, एन॰ सुब्बैया और ए॰ यादव (2021),भारत में कोविड-19 महामारी के संबंध में पोषण संबंधी चुनौतियों के वर्णक्रम को उजागर करना, भारतीय अनुप्रयुक्त अनुसंधान पत्रिका, 11(3): पृष्ठ संख्या 1 से 3
17. अंकुर यादव और गणेश शंकर श्रीवास्तव (2021). भारतीय परंपराएं और हमारा स्वास्थ्य, जन स्वास्थ्य धारणा, 26: पृष्ठ संख्या: 10 से 11.
18. नीरा धर और अंकुर यादव (2021), आध्यात्मिक स्वास्थ्य और आत्म-प्रत्यक्षीकरण,अंतरराष्ट्रीय भारतीय विज्ञान और अनुसंधान पत्रिका, 10(2): पृष्ठ संख्या 1052 से 1058
19. नीरा धर और अंकुर यादव (2021), कोविड 19: में तनाव और चिंताएं - संबंधित विषय सामग्री की आलोचनात्मक समीक्षा, अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक अनुसंधान और विकास पत्रिका 8(2): पृष्ठ संख्या 72 से 77
20. भोले वी. (2021) महिलाओं में श्वसन स्वास्थ्य के लिए घरेलू वायु प्रदूषण जोखिम: स्वच्छ ईंधन कार्यक्रम के बाद भारतीय जिले का मामला अध्ययन(केस स्टडी), ऑस्टिन बहुव्यापक रोग-विज्ञान जन स्वास्थ्य,; 8(3): 1104
21. वैशाली जायसवाल, सार्स-कोव-2महामारी में नई दिल्ली में लॉकडाउन अथवा पूर्णबन्दी के दौरान वायु गुणवत्ता में बदलाव, स्वास्थ्य और जनसंख्या:परिप्रेक्ष्य और समस्या, वॉल्यूम 44 नंबर 1, पृष्ठ संख्या 38 से 48 जनवरी-मार्च, 2021
22. वैशाली जायसवाल (2021), आत्मनिर्भर भारत: कोरोना काल में स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश कैसे आत्मनिर्भर हुआ, वॉल्यूम 26. पृष्ठ संख्या 16 से 19
23. वैशाली जायसवाल (2021), आत्मनिर्भर भारत में भारतीय भाषा का महत्व. साहित्य संहिता, वॉल्यूम7, इश्यू 7,मई 2021, आईएसएसएन नं, पृष्ठ संख्या 2454 से 2695.
24. चंदना के॰आर॰, मेमन एफ॰ और राज नारायण (2021), कोविड-19 की रोकथाम और नियंत्रण के संबंध में सामुदायिक भागीदारी द्वाराएक बहु-विषयक जन स्वास्थ्य दृष्टिकोण, तेलंगाना राज्य के भद्राद्री कोठागुडेम जिले के लिए प्रस्तावित,अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विज्ञान और अनुसंधान पत्रिका, वॉल्यूम 11; (7), पृष्ठ संख्या 351 से 357

25. राज नारायण, सिंह एन॰के॰, राज डी॰ (2021),मुंबई में निम्न आय वाली मलिन बस्तियों में पुरुष प्रवासियों के बीच मादक द्रव्य उपभोग को प्रभावित करने वाले कारक, भारत, तुर्की ऑनलाइन गुणात्मक अनुसंधान पत्रिका (टीओजेक्यूआई), वॉल्यूम-12(6), 1: पृष्ठ संख्या: 8465 से 8473

26. सैनी, एम॰ और कपूर, ए॰के॰ (2021),भारत में विकलांग व्यक्तियों के प्रति अभिज्ञता, दृष्टिकोण और व्यवहार, भारतीय भौतिक औषध और पुनर्वास, 31 (2): पृष्ठ संख्या 42-45

27. कपूर, ए॰के॰ और सैनी, एम॰ (2021), भारत की पश्चिमी तटीय आबादी के बीच चयन तीव्रता में विभिन्नताएं, जर्नल ऑफ बायोएन्थ्रोपोलॉजी, (1): पृष्ठ संख्या. 25 से 34

28. एलिजाबेथ (2021), भारत में स्वास्थ्य का सतत विकास: जीवन की सर्वोत्कृष्ट गुणवत्ता को लेकर स्वास्थ्य और आरोग्यता के लिए एक अंतर-मंत्रालयी योगदान, एचपीपीआई, वॉल्यूम- 44(1): पृष्ठ संख्या 19 से 32

29. यादव, डी॰के॰, कुमार, एस॰ और मिश्रा, टी॰ (2021), कृषि सर्वेक्षण में जनसंख्या औसत के बेहतर अनुमान के लिए नमूना आकार सूचना का उपयोग, अंतर्राष्ट्रीय सामयिक सूक्ष्म जीव विज्ञान और अनुप्रयुक्त विज्ञान पत्रिका(आईजेसीएमएएस)10(02): 809-815https:// doi.org/10.20546 /ijcmas.2021.1002.xx

30. राजेंद्र गौरा, राजेश कुमार, कामरापुर रूमा चांदना (2021), राजस्थान के जयपुर शहर के बांसा गांव में उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में मुख स्वच्छता के बारे में ज्ञान और अभ्यास का अध्ययन, अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग अनुसंधान पत्रिका, वॉल्यूम 12, इश्यू 7, आईएसएसएन 2229-5518

31. नंदिनी (2021), "देखभाल पद्धति - कीबोर्ड (कुंजी पटल) के माध्यम से देना" सामान्य ज्ञान, राष्ट्रमंडल छात्रवृत्ति सामुदायिक पत्रिका, ब्रिटेन

32. नंदिनी, ए॰ जेगनाथन (2021), कोविड-19 के रोगियों के प्रबंधन में नर्सिंग पेशेवरों के सामने आने वाली चुनौतियां" अंतर्राष्ट्रीय सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सिंग पत्रिका 4(1): 1-5.

33. वंदना सभरवाल, नंदिनी सुब्बैया, अंकुर यादव (2021), भारत में कोविड -19 महामारी के संदर्भ में पोषण संबंधी चुनौतियों के वर्णक्रम (स्पेक्ट्रम) को उजागर करना" भारतीय अनुप्रयुक्त अनुसंधान पत्रिका वॉल्यूम 11, इश्यू: 3,

34. अबरा पर्ल सी॰टी॰, नंदिनी सुब्बिया (2021), प्रसव: क्या भारत में गर्भवती महिला तैयार है? भारतीय नर्सिंग पत्रिका, मई से जून 2021, वॉल्यूम **CXII.**

35. नंदिनी सुब्बैया और सी॰न॰ भार्गवी (2021), भारत के विभिन्न राज्यों में नर्सिंग के महाविद्यालयों में नर्सिंग विद्यालयों के उन्नयन की योजना के कार्यान्वयन का मूल्यांकन अध्ययन, भारतीय नर्सिंग पत्रिका, जुलाई से अगस्त 2021, वॉल्यूम CXII, नंबर 4, पृष्ठ संख्या,- 177 से 182

36. नंदिनी सुब्बैया (2021), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित नर्सिंग के विकास के लिए चल रही केंद्रीय क्षेत्र योजना का मूल्यांकन, जुलाई इश्यू, स्वस्थ भारत क्रॉनिकल

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान

वार्षिक रिपोर्ट 2021-2022

संपादित पुस्तकों में अध्याय/मॉड्यूल/इकाइयाँ (2021-22)

1. राज नारायण (2021) - संपादित पुस्तक "एडवांस रिसर्च ट्रेंड्स इन स्टेटिस्टिक्स एंड डेटा साइन्स" में बिहार और असम में मातृ स्वास्थ्य स्थिति: राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस)-*4* और (एनएफएचएस)-*5* के राज्य तथ्य पत्रक का एक तुलनात्मक विश्लेषण, पृष्ठ संख्या *96* से *104,* आईएसबीएन: 978-81-949305-4-9
2. मीना आर (2021) - संपादित पुस्तक " कॉलेबोरेटिवगवर्नेंस फॉर सस्टेनेबलडेव्लपमेंट ऑफ हैल्थ एंड वेल-बीइंग : इशूस एंड पेर्स्पेक्टिव" में गैर-अधिसूचित और घुमंतू जनजातियों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच सुनिश्चित करने में प्रभावी सहयोगात्मक शासन का महत्व: भारतीय समाज का सबसे हाशिए पर रहने वाला वर्ग", वॉल्यूम *I;* पृष्ठ संख्या 194 से 212, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, आईएसबीएन 978-81-954142-0-8
3. वाई.एस. कुर्नियावान, एस. रामचंद्र राव, के. ओहटो, *(2021),*पुस्तक "एडवांस इन माइक्रोफ्लुइडिक टेक्नोलॉजीज फॉर एनर्जी एंड एनवायर्नमेंटल एप्लिकेशन" में ड्रोप्लेट माइक्रोफ्लुइडिक डिवाइस फॉर रैपिड एंड एफ्फिसिएंट मेटल्स सेपरेशन यूजिंग होस्ट-गेस्ट कैमिस्ट्रि योंग रेन, इंटेक ओपन, लंदन, यूके, पृष्ठ संख्या 1 से 19, आईएसबीएन: 978-1-78984-419-1
4. यादव, डी.के., सिंह एस.के., खान वाई., सिंह आर., यादव एस.एल., शुक्ला आर.के. (2021), कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा का सांख्यिकीय मूल्यांकन, संपादित पुस्तक "एडवांस रिसर्च ट्रेंड्स इन मेडिकल एंड बायोलॉजिकल साइन्स", एमकेईएस प्रकाशन, लखनऊ, आईएसबीएन 978-81-949305-0-1
5. वंदना भट्टाचार्य (2021), गरीबी उपशमन और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पाठ्यक्रम-1, ब्लॉक-3, इकाई-1, इग्नू, नई दिल्ली, इग्नू विकास अध्ययन स्कूल द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व में पी.जी. डिप्लोमा, यूनिट योगदान, पाठ्यक्रम फरवरी 2021 में शुरू हुआ था
6. वंदना भट्टाचार्य (2021), जीवन गुणवत्ता में सुधार (स्वास्थ्य, स्वच्छता और पर्यावरण तक बेहतर पहुंच) और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पाठ्यक्रम-1, ब्लॉक-3, इकाई-2, इग्नू, नई दिल्ली, इग्नू विकास अध्ययन स्कूल द्वारा पी.जी. कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व डिप्लोमा, यूनिट में योगदान, पाठ्यक्रम फरवरी 2021 में शुरू हुआ था
7. वंदना भट्टाचार्य (2021),रोजगार सृजन और आजीविका: कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, पाठ्यक्रम-1, ब्लॉक-3, इकाई-3 इकाई, इग्नू, नई दिल्ली, इग्नू विकास अध्ययन स्कूल द्वारा पी.जी. कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व डिप्लोमा, यूनिट योगदान, पाठ्यक्रम फरवरी 2021 में शुरू हुआ था
8. वंदना भट्टाचार्य (2021), महिला अधिकारिता और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, पाठ्यक्रम-1, ब्लॉक-3, इकाई-4, इग्नू, नई दिल्ली, इग्नू विकास अध्ययन स्कूल द्वारा पी.जी. कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व डिप्लोमा, यूनिट योगदान, पाठ्यक्रम फरवरी 2021 में शुरू हुआ
9. वंदना भट्टाचार्य (2021), कॉरपोरेट सोशल उत्तरदायित्व पाठ्यक्रम-2 की संरचना और प्रक्रिया ढांचा: सीएसआर का संचालन, यूनिट-1, इग्नू, नई दिल्ली, इग्नू विकास अध्ययन स्कूल द्वारा पी.जी. कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व डिप्लोमा यूनिट योगदान,पाठ्यक्रम फरवरी 2021 में शुरू हुआ

10. वंदना भट्टाचार्य (2021), कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व में व्यापार रणनीति, पाठ्यक्रम-2, इकाई-2, इग्नू, नई दिल्ली, इग्नू विकास अध्ययन स्कूल द्वारा पी.जी. कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व डिप्लोमा, यूनिट योगदान, पाठ्यक्रम फरवरी 2021 में शुरू हुआ
11. वंदना भट्टाचार्य (2021), शासन और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, पाठ्यक्रम-2, इकाई-3, इग्नू, नई दिल्ली, इग्नू विकास अध्ययन स्कूल द्वारा पी.जी. कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व डिप्लोमा, यूनिट योगदान,पाठ्यक्रम फरवरी 2021 में शुरू हुआ
12. नीरा धर (2021), आध्यात्मिक स्वास्थ्य: संजय राजपाल (सं.) में रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण, रोगी केंद्रित स्वास्थ्य देखभाल व्यवहार (पृष्ठ संख्या 115 से 127), गोया पब्लिशिंग, नई दिल्ली
13. षेरिन राज और भावना कथूरिया (2021): "कॉलेबोरेटिव गवर्नेंस फॉर सस्टेनेबल डेव्लपमेंट ऑफ हैल्थ एंड वेल-बीइंग : इशूस एंड पेर्स्पेक्टिव", वॉल्यूम I, 2021, संपादित पुस्तक में भारत में बेहतर मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन को लेकर अंतरक्षेत्रीय समन्वय (पृष्ठ 61 से 83), आईएसबीएन 978-81-954142-0-8
14. मनीषा (2021) : संपादित पुस्तक "कॉलेबोरेटिव गवर्नेंस फॉर सस्टेनेबल डेव्लपमेंट ऑफ हैल्थ एंड वेल-बीइंग : इशूस एंड पेर्स्पेक्टिव", वॉल्यूम 1 में भारत में गैर-संचारी रोगों का बहु-क्षेत्रीय एकीकरण: एक अवलोकन", पृष्ठ संख्या 135 से 151, आईएसबीएन 978-81-9541
15. अंकुर यादव और नंदिनी सुब्बैया (2021), इंटेर्पर्सोनल कम्युनिकेशन इन हैल्थ टीम फॉर इम्प्रोविंग पेशंट सेटिस्फेक्शनइन संजय राजपाल (ed),रोगी केंद्रित स्वास्थ्य देखभाल पद्धति (पृष्ठ संख्या 19 से 28), गोया पब्लिशिंग, नई दिल्ली
16. राज नारायण (2021), संपादित पुस्तक "कॉलेबोरेटिवगवर्नेंस फॉर सस्टेनेबलडेव्लपमेंट ऑफ हैल्थ एंड वेल-बीइंग : इशूस एंड पेर्स्पेक्टिव" में भारत के ओडिशा में जनजातीय महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण की स्थिति: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, वॉल्यूम II, पृष्ठ संख्या: 235 से 246, आईएसबीएन 978-81-954142-0-8
17. सैनी, एम॰ और कपूर, ए॰के॰ (2021), क्षेत्र कार्य (फील्डवर्क) में नैतिक समस्याएं: पारंपरिक बनाम आधुनिक दृष्टिकोण, अनुसंधान नैतिकता, स्वदेशी समुदाय और फील्डवर्क, संपादक सुबीर विश्वास, पृष्ठ संख्या 87 से 97, अनुसंधान भारत प्रेस, नई दिल्ली
18. नंदिनी सुब्बैया, ए॰ जगन्नाथन और सी॰एन॰, भार्गवी (2021), राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत स्वास्थ्य कार्यकर्ता महिला (एएनएम) की भूमिकाएं और उत्तरदायित्व, भारत में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल: विकास और चुनौतियां, ब्लूम्सबरी पब, आईएसबीएन: 978-93-54353-67-3 पृष्ठ संख्या 119 से 125
19. नंदिनी सुब्बैया, वंदना सबरवाल और अबरा पर्ल (2021), किशोरावस्था स्वास्थ्य संबंधी ज़रूरतों को पूरा करना: इसमें भारत कहां पर है? संपादित पुस्तक "कॉलेबोरेटिवगवर्नेंस फॉर सस्टेनेबलडेव्लपमेंट ऑफ हैल्थ एंड वेल-बीइंग : इशूस एंड पेर्स्पेक्टिव": वॉल्यूम-1,राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, आईएसबीएन: 978-81-954142-0-8, पृष्ठ संख्या 175 से 194
20. एलिजाबेथ ए॰एम॰ (2021), भारत में वृद्ध स्वास्थ्य और आरोग्यता के सतत विकास के लिए स्थानीय शासन और संस्थान: एक एकीकृत बहु-क्षेत्रीय दृष्टिकोण, शीर्षक युक्त विशेष पुस्तक "कॉलेबोरेटिव गवर्नेंस फॉर सस्टेनेबल डेव्लपमेंट ऑफ हैल्थ एंड वेल-बीइंग : इशूस एंड पेर्स्पेक्टिव"

वॉल्यूम-II सितंबर 2021, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान प्रकाशन, आईएसबीएन संख्या 978-81-954142-0-8

21. रंगारी के.एम. (2021), किशोरावस्था और युवा स्वास्थ्य: किशोर स्वास्थ्य और आरोग्यता के लिए अंतरक्षेत्रीय और बहुक्षेत्रीय दृष्टिकोण, पुस्तक "कॉलेबोरेटिव गवर्नेंस फॉर सस्टेनेबल डेव्लपमेंट ऑफ हैल्थ एंड वेल-बीइंग : इशूस एंड पेर्स्पेक्टिव", वॉल्यूम I; पृष्ठ 194 से 212, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान प्रकाशन, आईएसबीएन संख्या 978-81-954142-0-8
22. यादव डी॰के॰, पांडे ए॰, कलुचा ए॰ (2021), जन स्वास्थ्य अनुसंधान में मशीन लर्निंग तकनीक के अनुप्रयोग (पृष्ठ संखा 427 से 435), संपादित पुस्तक-"कॉलेबोरेटिव गवर्नेंस फॉर सस्टेनेबल डेव्लपमेंट ऑफ हैल्थ एंड वेल-बीइंग : इशूस एंड पेर्स्पेक्टिव", प्रकाशित राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफडब्ल्यू), नई दिल्ली, आईएसबीएन: 978-81-954142-0-8
23. यादव डी॰के॰, मिश्रा एस॰, स्वैन पी॰, सिंह एस॰के॰ (2021),रिसेंट एडवांसमेंट इन सैंपलिंग थ्योरी एंड इट्स एप्लिकेशन- संपादित पुस्तक में आर सॉफ्टवेयर का उपयोग करके सर्वेक्षण डेटा का विश्लेषण (पृष्ठ संख्या 91 से 101) प्रकाशित, एमकेएसईएस प्रकाशन, लखनऊ, आईएसबीएन: 978-93-91248-28-4
24. शुक्ल ए॰, शुक्ला ए॰के॰, यादव डी॰के॰ (2021), प्रतिरूप नमूना योजना (डबल सैम्पलिंग स्कीम) के तहत जनसंख्या माध्य के आकलन पर सहायक चर और ज्ञात गुणांक का उपयोग करना (पृष्ठ संख्या 61 से 68), संपादित पुस्तक- रिसेंट एडवांसमेंट इन सैंपलिंग थ्योरी एंड इट्स एप्लिकेशन, एमकेएसईएस प्रकाशन, लखनऊ, आईएसबीएन: 978-93-91248-28-4
25. यादव, डी॰के॰, एस॰टी॰, पी॰के॰, बनर्जी जे॰, स्वैन पी॰ (2021), संपादित पुस्तकरिसेंट रिसर्च इन मैथमेटिकल,स्टेटिस्टिकल एंड कम्प्यूटेशनल साइन्स में 'कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विशेषज्ञ प्रणालियां' (पृष्ठ संख्या1 से 12), एमकेएसईएस प्रकाशन, लखनऊ, आईएसबीएन:978-93-91248-2
26. यादव, डी॰के॰, पठानिया आर॰, शुक्ला, ए॰के॰ (2021), संपादित पुस्तक डिजिटल हैल्थ इन इंडिया : एवल्यूशन ऑफ हैल्थ इन्फॉर्मैटिक्स में राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल (एनएचपी): एक सिंहावलोकन (पृष्ठ संख्या 40 से 50), एमकेएसईएस प्रकाशन, लखनऊ, आईएसबीएन:978-93-91248-12-3
27. यादव, ए॰, ओझा डी॰के॰, यादव, डी॰के॰, (2021), संपादित पुस्तक डिजिटल हैल्थ इन इंडिया : एवल्यूशन ऑफ हैल्थ इन्फॉर्मैटिक्स में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) (पृष्ठ संख्या 23 से 25),एमकेएसईएस प्रकाशन, लखनऊ, आईएसबीएन: 978-93-91248-12-3
28. पांडे, आर॰के॰, सिंह, सी॰के॰, सिंह जी॰एन॰, यादव डी॰के॰ (2021), संपादित पुस्तक डिजिटल हैल्थ इन इंडिया : एवल्यूशन ऑफ हैल्थ इन्फॉर्मैटिक्स में'जनसंख्या माध्य के लिए एक बेहतर घातीय प्रकार अनुमानक के गैर-प्रतिक्रियात्मक हानिकारक प्रभाव को बदलना' (पृष्ठ संख्या (217 से 232),एमकेएसईएस प्रकाशन, लखनऊ, आईएसबीएन:978-93-91248-12-3
29. यादव, डी॰के॰, अस्थानाए॰ (2021), संपादित पुस्तक "एडवांस रिसर्च ट्रेंड्स इन स्टेटिस्टिक्स एंड डेटा साइन्स" में 'कैंसर की भविष्यवाणी और रोग के निदान में मशीन लर्निंग अनुप्रयोग' (पृष्ठ संख्या 76 से 95), एमकेएसईएस प्रकाशन, लखनऊ, आईएसबीएन 978-81-949305-4-9

30. यादव, डी॰के॰, सिंह एस॰के॰, खान वाई॰, सिंह आर॰, यादव एस॰एल॰, शुक्ला आर॰के॰ (2021), संपादित पुस्तक "एडवांस रिसर्च ट्रेंड्स इन मेडिकल एंड बायोलॉजिकल साइन्स", में कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा का सांख्यिकीय आकलन (पृष्ठ संख्या 95 से 114), एमकेएसईएस प्रकाशन, लखनऊ, आईएसबीएन 978-81-949305-0-1

संपादित पुस्तकें:

1. मियां एम, सिंह ए. के., सिंह आर, यादव डी. के. (2021) एप्लाइड रिसर्च डेवल्प्मेंट इन स्टेटिकल एंड कम्प्यूटेशनल साइंस, एमकेएसईएस प्रकाशन, भारत, आईएसबीएन: 978-93-91248-43-7।
2. यादव डी. के., यादव आर., शुक्ला एस. के. (2021) रीसेंट एडवांसमेंट इन सैम्पलिंग थ्योरी एंड इट्स एप्लीकेशन, एमकेएसईएस प्रकाशन, भारत, आईएसबीएन: 978-93-91248-28-4
3. मियां एम, यादव डी. के., शुक्ला एस. (2021) रीसेंट रिसर्च इन मैथमेटिकल स्टेटिकल एंड कम्प्यूटेशनल साइंस, एमकेएसईएस प्रकाशन, भारत, आईएसबीएन:978-93-91248-25-3
4. यादव डी. के., ओझा डी. के., (2021) डिजिटल हेल्थ इन इंडिया ऑफ़ हेल्थ इन्फोर्मेटिक्स, एमकेएसईएस प्रकाशन, भारत, आईएसबीएन:978-93-91248-12-3
5. यादव डी. के., यादव एस. के., सिंह ए, कुमार एस. (2021) एडवांस रिसर्च ट्रेंड्स इन स्टेटिकल एंड डाटा साइंस, एमकेएसईएस प्रकाशन, भारत, आईएसबीएन: 978-81-949305-4-9
6. शुक्ला आर. के., सिंह ए. के, यादव डी. के., (2021) एडवांस रिसर्च ट्रेंड्स इन मेडिकल एंड बायोलॉजिकल साइंस, एमकेएसईएस प्रकाशन, भारत, आईएसबीएन: 978-81-949305-0-1

नियुक्ति, पदोन्नति और सेवानिवृत्ति

नियुक्तियाँ:

1. श्री दिनेश सिंह मेहरा - 26.11.2021
2. डॉ राजेश रंजन - रीडर (एमसीएचए) (चिकित्सा) - 2.02.2022
3. डॉ. किरण रंगारी - रीडर (आरबीएम) (नॉन-मेडिकल) - 24.03.2022

पदोन्नति/एमएसीपी/वित्तीय उन्नयन

1. डॉ. ए. एम. एलिज़ाबेथ, अनुसंधान अधिकारी
2. डॉ. षेरिन राज टी.पी., सहायक अनुसंधान अधिकारी
3. डॉ. एस.पी. सिंह, सहायक अनुसंधान अधिकारी
4. डॉ. बी. सी. पात्रो, उप-संपादक (अंग्रेजी)
5. श्री एएए खान, फ़ोटोग्राफ़र
6. श्रीमती कविता, स्टाफ नर्स
7. श्रीमती किरण अरोड़ा, पूर्व-आशुलिपिक ग्रेड-I
8. श्री विकास कनौजिया, आशुलिपिक ग्रेड-I
9. श्रीमती राज बाला, बहुकार्यकारी कर्मचारी
10. श्रीमती सुनीता खन्ना, उच्च श्रेणी लिपिक

सेवानिवृत्ति/त्यागपत्र

1. श्री एस.पी. सिंह, उच्च श्रेणी लिपिक 04.01.2021
2. श्री फूल सिंह, सहायक दिनांक 31.05.2021
3. डॉ. रजनी बग्गा, प्रोफेसर दिनांक 31.07.2021
4. श्री एस.पी. सिंह, परिवहन पर्यवेक्षक दिनांक 30.09.2021
5. श्री एस. के. भट्टाचार्य, अनुभाग अधिकारी दिनांक 31.10.2021
6. श्रीमती किरण अरोड़ा, आशुलिपिक ग्रेड-I दिनांक 31.10.2021
7. श्रीमती पुष्पा रावत, आशुलिपिक ग्रेड-I दिनांक 30.11.2021
8. डॉ. पूनम खट्टर, प्रोफेसर दिनांक 31.01.2022
9. श्री परिमल पर्या, अनुसंधान अधिकारी दिनांक 28.02.2022
10. श्री वी.पी. उप्रेती, अनुभाग अधिकारी दिनांक 28.02.2022

अनुलग्नक

I. शासी निकाय सदस्यों की सूची

II. स्थायी वित्त समिति के सदस्यों की सूची

III. कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्यों की सूची

IV. संकाय सदस्यों की सूची

V. संस्थान में स्वीकृत श्रमशक्ति की स्थिति

अनुलग्नक - ii

शासी निकाय के सदस्यों की सूची(31 मार्च, 2022 तक)

क्र. सं.	नाम	पद	ईमेल और टेलिफोन नंबर
1.	डॉ. मनसुख मांडविया, माननीय केंद्रीय मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली- 110011	अध्यक्ष (पदेन अध्यक्ष)	ईमेलः-Hfm@gov.in टेलिफोन: 23063513 23063024
2.	श्री राजेश भूषण, सचिव, (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110011	उपाध्यक्ष (पदेन)	ईमेल:secyhfw@nic.in टेलिफोनः 23061863 23063221
3	डॉ. सुनील कुमार, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110011	अध्यक्ष (पदेन)	ईमेल:dghs@nic.in टेलिफोन: 23061063 23061438 फैक्सः 23061924
4	डॉ. बलराम भार्गव, सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (स्वास्थ्य मंत्रालय) और महानिदेशक भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029	सदस्य (पदेन)	ईमेल:dg@icmr.org.in टेलिफोन:26588204 26588662 मोबाइल नं.: 9811132404
5	डॉ. रणदीप गुलेरिया, निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029	सदस्य (पदेन)	ईमेल:director@aiims.ac.in टेलिफोन: 26588500 26588700
6	विकास शील, अपर सचिव (स्वास्थ्य), कमरा सं. 256-ए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110011	सदस्य (पदेन)	ईमेल :ash-mohfw@nic.in टेलिफोन : 23062857 23061447
7	श्री आशीष श्रीवास्तव, वित्तीय सलाहकार, कमरा सं. 247-ए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110011.	सदस्य (पदेन)	ईमेल:asfa-mhfw@nic.in Tel: 23061541 23061673
8	सुश्री वी. हेकाली झिमोमी, संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110011	सदस्य (पदेन)	ईमेल:js.me-mohfw@nic.in टेलिफोन: 23061398
9	डॉ. सुनीला गर्ग, प्रोफेसर ऑफ एक्सेलेंस, कमरा नंबर 359, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी), नई दिल्ली - 110002	सदस्य (पदेन) (पीएसी, रास्वपक संस्थान के अध्यक्ष) 24-11-2021 से	टेलिफोन: 120-2521256 + 91-11-23239271-73 एक्सटेंशन नं..220(कार्यालय) ईमेस: gargsuneela@gmail.com, gargsuneelamamc@gmail.com suneela.garg @gov.in.
10	डॉ. के.एस. जेम्स, निदेशक, जनसंख्या विज्ञान के लिए अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, गोवंडी स्टेशन रोड, देवनार, मुंबई - 400088	सदस्य (पदेन)	ईमेल:director@iips.net टेलिफोनः91+22+2556 3254/55, 91+22+42372400 फैक्स:91+22+2556 3257

11	डॉ. राजीब कुमार सेन वरिष्ठ सलाहकार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम/ स्वास्थ्य/महिला एवं बाल विकास, नीति आयोग, संसद मार्ग, नई दिल्ली- 110001.	सदस्य (पदेन)	टेलिफोन:23096727 ईमेल:- rajib.sen@nic.in
12	डॉ. अलोक मुखोपाध्याय, कार्यकारी निदेशक, स्वैच्छिक स्वास्थ्य संघ ऑफ इंडिया, बी-40, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, आईआईटी दिल्ली के दक्षिण में, नई-दिल्ली- 110016	सदस्य 14-05-2018 से	ईमेल:admin@vhai.org healthpromotion@vhai.org 011-47004300
13	प्रोफेसर राजेश कुमार, पूर्व डीन, पीजीआईएमईआर, कमरा सं.- 107, सेक्टर 24 ए, चंडीगढ़	सदस्य 14-05-2018	ईमेल: Dr.rajeshkumar@gmail.com मोबाईल: 9876017948
14	प्रोफेसर संजीव कुमार, अध्यक्ष, इंडियन एकेडमी ऑफ पब्लिक हेल्थ, एम-15, दूसरा तल, साउथ एक्सटेंशन-2, नई दिल्ली-110049	सदस्य 14-05-2018 से	ईमेल: drsanjivkumardixit@gmail.com मोबाईल नं.- 7678503003
15.	प्रोफेसर दिलीप मावलंकर, निदेशक, भारतीय जनस्वास्थ्य संस्थान, गांधीनगर, गुजरात - 382042	सदस्य 14-05-2018 से	फोन: +91-079-66740700 ईमेल: contact@iiphg.org वेबसाईट: http://www.iiphg.edu.in
16	प्रोफेसर बी.एस. गर्ग, पूर्व डीन तथा सचिव, कस्तूरबा स्वास्थ्य सोसाईटी, महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साईंसेज, वर्धा, महाराष्ट्र - 442102	सदस्य 14-05-2018 से	फोन नंबर: +91 7152 284341-55 (15 लाईंस) ईमेल: garg.bs@gmail.com मोबाईल नं.-9422141693
17	प्रोफेसर निखिल टंडन, विभागाध्यक्ष, डिपार्टमेंट ऑफ इंडोक्रिनोलॉजी, कनवर्जन बिल्डिंग 7वां फ्लोर, एम्स, नई दिल्ली -29	सदस्य 14-05-2018 से	इमेलः Nikhil_tandon@hotmail.com टेलिफोन: 26593433, 26593237
18	प्रोफेसर शैली अवस्थी, विभागाध्यक्ष, बाल चिकित्सा विभाग, केजीएमयू, लखनऊ - 226003	सदस्य 14-05-2018 से	ईमेल:shallyawasthi@kgmcindia.edu फोन नं.- 09839221244,09235444824 055-4011510 ®
19	डॉ. मनोहर अगनानी, अपर सचिव (प्रशिक्षण), कमरा सं. 145-ए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110011	विशेष आमंत्रित	ईमेल:as-agnani@gov.in Tel: 23061723
20	निधि केसरवानी, भा.प्रशा.सेवा , निदेशक (अतिरिक्त प्रभार), रास्वापक संस्थान, बाबा गंगनाथ मार्ग, मुनिरका, नई दिल्ली - 110067	सदस्य-सचिव (पदेन)	ईमेल:director@nihfw.org टेलिफोन: 26100057 26185696

(क्रम संख्या 1 से 11 तक एवं 19 पदेन सदस्य हैं तथा 12 से 18 तक, अध्यक्ष के द्वारा गैर आधिकारिक सदस्यों के रुप में नामित प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं।)

अनुलग्नक -ii

स्थायी वित्त समिति के सदस्यों की सूची
(31 मार्च 2022 तक)

क्र. सं.	नाम	पद	ई-मेल पता / टेलीफोन नं.
1.	श्री राजेश भूषण सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	अध्यक्ष	Secyhfw@nic.in दूरभाष : 23061863 23063221
2.	डॉ. सुनील कुमार महानिदेशक (स्वास्थ्य सेवाएं) निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (पदेन)	dghs@nic.in दूरभाष : 23061063 23061438 फ़ैक्स 23061924
3.	श्री आशीष श्रीवास्तव अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (पदेन)	asfa-mhfw@nic.in दूरभाष : 23061541 23061673
4.	डॉ. राजीब कुमार सेन वरिष्ठ सलाहकार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम/ स्वास्थ्य/महिला एवं बाल विकास, नीति आयोग, संसद मार्ग, नई दिल्ली- 110001.	सदस्य (पदेन)	टेलिफोन:23096727 ईमेल:- rajib.sen@nic.in
5.	सुश्री वी. हेकाली झिमोमी, संयुक्त सचिव (प्रशिक्षण) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	विशेष आमंत्रित	js.me-mohfw@nic.in दूरभाष : 23061398
6.	निधि केसरवानी, भा.प्रशा.सेवा निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली-110067	सदस्य सचिव	director@nihfw.org दूरभाष : 26100057, 26185696

अनुलग्नक-iii

कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्यों की सूची
(31 मार्च, 2022 तक)

क्र. सं.	नाम	पद	ईमेल तथा टेलिफोन नंबर
1.	डॉ. सुनीला गर्ग, प्रोफेसर ऑफ एक्सेलेंस, कमरा सं. 359, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी), नई दिल्ली - 110002. आवासीय पताः- सी-17, सेक्टर 19, नोएडा, पिन कोड सं.- 201301, टेलिफोन सं.- 120-2521256	अध्यक्ष (दिनांक 24.11.2021 से)	टेलिफोन: 120-2521256 + 91-11-23239271-73, एक्सटेंशन सं.- 220(कार्यालय) ईमेल : gargsuneela@gmail.com, gargsuneelamamc@gmail.com suneela.garg @gov.in.
2.	डॉ. बलराम भार्गव, सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (स्वास्थ्य मंत्रालय) और महानिदेशक भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029	सदस्य (पदेन)	ईमेलः- dg@icmr.org.in टेलिफोन: 26588204, 26588662 मोबाइल नंबरः- 9868333245
3.	डॉ. सुनील कुमार, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110011	सदस्य (पदेन)	टेलिफोन: 23061438 ईमेलः- dghs@nic.in
4.	सुश्री वी. हेकाली झिमोमी, संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110011	सदस्य (पदेन)	ईमेलः- js.me-mohfw@nic.in टेलिफोन: 23063155
5.	डॉ. राजीब कुमार सेन वरिष्ठ सलाहकार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम/ स्वास्थ्य/महिला एवं बाल विकास, नीति आयोग, संसद मार्ग, नई दिल्ली- 110001.	सदस्य (पदेन)	टेलिफोन:23096727 ईमेलः- rajib.sen@nic.in
6.	डॉ. के.एस. जेम्स, निदेशक, जनसंख्या विज्ञान के लिए अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, गोवंडी स्टेशन रोड, देवनार, मुंबई - 400088	सदस्य (पदेन)	ईमेलः- director@iips.net टेलिफोन: 91+22+2556 3254/55, 91+22+42372400 फैक्स:91+22+2556 3257
7.	श्री अनिल कुमार टी.के भा.प्रशा.सेवा प्रधान सचिव कर्नाटक सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, कमरा सं. 105, पहला तला, विकास सौधा, बंगलोर - 560001	सदस्य (24.11.2021 से)	टेलिफोन : 080-22255324, 080-22034234 ईमेलः-prs-hfw@karnataka.gov.in
8.	डॉ. नीलम पटेल, निदेशक (प्रभारी), राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, पुराना कुष्ठ रोग अस्पताल परिसर, सयाली पार्क, अजवाह रोड, बड़ोदरा, गुजरात - 390019	सदस्य (4.11.2021 से)	टेलिफोन:079-23257948 फैक्स- 079-23254544 ईमेलः- Adir-hlt@gujarat.gov.in

9.	डॉ. (श्रीमती) राधा देबबर्मा, निदेशक (एफडबल्यू एंड पीएम), त्रिपुरा सरकार, स्वास्थ्य निदेशालय भवन, द्वितीय तल, पं. नेहरु कॉम्पलेक्स गुरकबस्ती, अगरतल्ला - 799006	सदस्य (24.11.2021 से)	टेलिफोन: - 0381 2326602 मोबाइल नं.:- 9436137227 ईमेल:- dfwpmtripura@gmail.com
10.	डॉ. जी. श्रीनिवास राव, निदेशक, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, निदेशालय, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, डी.एम एवं एचएस परिसर, कोटि, हैदराबाद, तेलंगाना - 500010	सदस्य (24.11.2021 से)	टेलिफोन:-040-23455824 ईमेल:-irector_phfw@telangana.gov.in
11.	प्रोफेसर अर्चना शुक्ला, निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ, आईआईएम रोड, प्रबंध नगर, मुबारकपुर, लखनऊ, उत्तरप्रदेश 226013	सदस्य (24.11.2021 से)	टेलिफोन:- 91-522-6696601/02 ईमेल:- director@iiml.ac.in
12.	प्रोफेसर नीरा धर, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग, रास्वापक संस्थान, नई दिल्ली-110067	सदस्य (01.11.2019 से)	टेलिफोन: 26165959
13.	प्रो. पुष्पांजलि स्वैन, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, सांख्यिकी एवं जनांकिकी विभाग, रास्वापक. संस्थान, मुनिरका, नई दिल्ली - 110067	सदस्य (01.02.2022 से)	टेलिफोन: 26165959
14.	निधि केसरवानी, भा.प्रशा.सेवा, निदेशक (अतिरिक्त प्रभार), रास्वापक संस्थान, बाबा गंगनाथ मार्ग, मुनिरका, नई दिल्ली - 110067	सदस्य-सचिव (पदेन)	ईमेल:- director@nihfw.org टेलिफोन : 26100057, 26185696

अनुलग्नक- IV

संकाय सदस्यों की सूची
(31 मार्च, 2022 तक)

संकाय सदस्य नाम	**पद**
सुश्री निधि केसरवानी, भा.प्रशा. सेवा	निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)
संचार विभाग	
डॉ. अंकुर यादव	सहायक प्रोफसर (स्टेज-3) एवं कार्यकारी विभागाध्यक्ष
सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासनविभाग	
डॉ. संजय गुप्ता डॉ. नंदिनी सुब्बैया	प्रोफसर एवं विभागाध्यक्ष प्रोफेसर
चिकित्सा देखभाल एवं अस्पताल प्रशासन विभाग	
डॉ. मनीष चतुर्वेदी डॉ. राजेश रंजन	प्रोफेसर एवं कार्यकारी विभागाध्यक्ष रीडर
शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग	
डॉ.नीरा धर	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
महामारी विज्ञान विभाग	
डॉ. संजय गुप्ता	प्रोफेसर एवं कार्यकारी विभागाध्यक्ष
प्रबंधन विज्ञानविभाग	
डॉ. मिहिर कुमार मलिक	प्रोफेसर एवं कार्यकारी विभागाध्यक्ष
योजना एवं मूल्यांकन विभाग	
डॉ. वी.के. तिवारी डॉ. मनीष चतुर्वेदी डॉ. रमेश चंद	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सहायक प्रोफेसर
प्रजनन एवं जैव चिकित्सा विभाग	
डॉ. रेणु सहरावत डॉ. राजेश कुमार डॉ. एस. रामचन्द्र राव डॉ. किरण रंगारी	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष सहायक प्रोफेसर (स्टेज-3) रीडर रीडर
सामाजिक विज्ञान विभाग	
डॉ. मीराम्बिका महापात्रो डॉ. सरिता गौतम डॉ. मोनिका सैनी	प्रोफेप्रोफेसर एवं कार्यकारी विभागाध्यक्ष सहायक प्रोफेसर सहायक प्रोफेसर
सांख्यिकी एवं जनसांख्यिकी विभाग	
डॉ. पुष्पांजलि स्वैन डॉ. धर्मेन्द्र कुमार यादव,	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष सहायक प्रोफेसर
कुल संकाय सदस्य:	**19** (निदेशक सहित)

अनुलग्नक- V

रास्वापकसं. अधिकारियों/कर्मचारियों की स्थिति (31 मार्च 2022 तक)

श्रेणी	वर्तमान में पदों की स्थिति (%)	रिक्त पदों की स्थिति (%)	रिक्त पदों की संख्या
ग्रुप-ए	66	28 (42.42%)	38 (57.58%)
ग्रुप-बी	132	58 (43.94%)	74 (56.04%)
ग्रुप-सी (गैर तकनीकी तथा तकनीकी)	119	68 (57.14%)	51 (42.85%)
ग्रुप-सी (बहुकार्यकारी कर्मचारी) + ग्रुप-सी हेल्पर (ऑफसेट प्रेस) ग्रुप-सी लेबोरेटरी अटेंडेंट	67+28 (28 बहुकार्यकारी कर्मचारी संविदात्मक प्रक्रिया के अंतर्गत)	47 (38+9) (49.47%)	48 (29+19) (50.5%)
कुल योग	412	201 (48.79%)	211 (51.21%)

वार्षिक प्रतिवेदन

Annual Report

2021-2022

आरोग्यम् सुखसम्पदा

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
बाबा गंगनाथ मार्ग, मुनीरका, नई दिल्ली.110067
The National Institute of Health and Family Welfare
Baba Gangnath Marg, Munirka, New Delhi - 110067

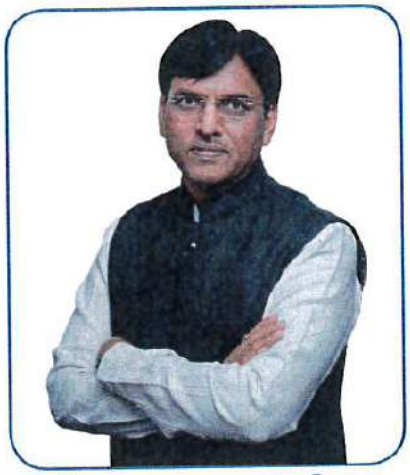

डॉ. मनसुख मांडविया

Dr. Mansukh Mandaviya

माननीय केन्द्रीय मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

Hon'ble Union Minister for Health and Family Welfare

Government of India

डॉ. भारती प्रविण पवार

Dr. Bharati Pravin Pawar

माननीय राज्य मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

Hon'ble Minister of State for Health and Family Welfare

Government of India

S.No.	Contents	Page No.
	From the Director's Desk	i
	An Overview	ii-vi
1.	Education	1-3
2.	Training	4-6
3.	Research and Evaluation	7-17
4.	Specialized Projects And Consortium Activities	18-23
5.	Specialized Services	24-29
6.	Consultancy and Advisory Services	30-35
7.	Administrative Measures	36
8.	Use of Hindi in Official Work	37-39
9.	Events	40-43
10.	Publications	44-47
11.	Appointments and Superannuations	48
12	Annexures	49
I	List of Governing Body Members	50-52
II	List of Standing Finance Committee Members	53
III	List of Programme Advisory Committee Members	54-55
IV	List of Faculty Members	56
V	Sanctioned Manpower	57

FROM THE DIRECTOR'S DESK

It gives me great pleasure to place before you our Annual Report 2021-22. The Institute is currently in its 46th year of functioning and has demonstrated significant growth in all these decades. An effort has been made in this report to provide snapshots of key activities and achievements of the Institute. This report is testimony of our strong foundation and growing performance.

We would have not been able to achieve the prominence in the field of public health without the support of senior officers from the Ministry of Health and Family Welfare for their inspiring and necessary directives to implement various activities. I also sincerely acknowledge the support provided by the eminent members of our Governing Body, Standing Finance Committee and Programme Advisory Committee throughout the year.

The elements of our Mission and Vision are truly reflected in regular academic courses including MD (CHA), DHA, PGDPHM, DLC and other courses. In the year that has gone by, we have tried to build progressive and inspiring environment during all our teaching and training activities. Our faculty based on their professional aspirations have dedicated their efforts in creating learning paths and made efforts to connect the participants with experts towards an up- skilling journey in various trainings/workshops/meetings during the year. About 26 research studies were undertaken in public health. The faculty has provided expertise as resource persons in various extra mural activities ranging from teaching, training and research activities. They have participated in various seminars and conferences and presented papers. We have much to look back on with pride while simultaneously preparing for the challenges ahead. The most important being is shortage of faculty. Further, we clearly need to chart a new way forward in the new normal post covid-19 situation in terms of our teaching, training, evaluation and research activities. In our journey to become evolving with the latest technology, we are updating our IT facilities to match with the best.

On behalf of faculty, staff and students, please accept my sincere thanks for the dedicated hard work and commitment to take our Institution to ever greater heights.

Ms. Nidhi Kesarwani, IAS
Director (Additional Charge), NIHFW

AN OVERVIEW

The National Institute and Health and Family Welfare, since its inception has made contributions in the field of health and family welfare and public health by conducting diverse activities such as capacity building through educational courses, trainings, research and evaluation activities. The thrust areas of NIHFW include Health and related Policies, Public Health Management, Health Sector Reforms, Health Economics and Financing, Population Optimization, Reproductive Health, Hospital Management, Communication for Health and Training Technology in Health. The ten departments and other projects going on from time to time have made it possible to address a wide range of issues as stated above.

Vision

NIHFW will be an Institute of global repute striving for excellence in imparting training in public health & family welfare. It will strive to become a leading role model in the field of Public Health for the world.

Mission

NIHFW will be a think tank, catalyst & innovator for training in public health and related health & family welfare programs. This will be done by pursuing the following:

i) Education & Training
ii) Research & Evaluation
iii) Consultancy & Advisory services.
iv) Provision of specialized services through Inter-Disciplinary teams and
v) Networking with other Institutes and Organizations at National and International level.

Major Committees

The major committees of the Institute include the Governing Body (GB), the Standing Finance Committee (SFC) and the Programme Advisory Committee (PAC). The GB under the Chairmanship of the Union Minister of Health and Family Welfare looks into the overall governance of the Institute. The SFC is headed by the Union Secretary, MoHFW and takes care of the financial aspects. The PAC takes care of the academic activities of the Institute. Director, NIHFW, acts as the Member-Secretary in all these committees.

EDUCATION & TRAINING
ACADEMIC ACTIVITIES
POST-GRADUATE EDUCATION

The following educational activities of the Institute are organized to meet the basic public health education requirements and promote academic excellence in the fields of health and family welfare programmes in the country.

(i) **M.D. (Community Health Administration):** Three-year Post Graduate Degree in Community Health Administration M.D. (CHA) is affiliated to University of Delhi and recognized by the Medical Council of India (MCI). This course has been continuing since 1969. There are ten seats each year.

(ii) **Diploma in Health Administration:** The two-year Post-Graduate Diploma in Health Administration (DHA), is affiliated to University of Delhi and is recognized by the Medical Council of India (MCI). This course has an in-take capacity of six students every year.

(iii) **Post-Graduate Diploma in Public Health Management (PGDPHM):** This course was started by the Institute in 2008 in collaboration with the Public Health Foundation of India, and supported by the MoHFW. The course has 30 seats for national candidates and 10 for international candidates. The objective of the course is to enhance the capacity of middle level in-service health professionals

AICTE approved PGDM Executive Courses of 15 Months duration offered through Distance Learning Mode are as follows:

(i) Post-graduate Diploma in Management (Executive) in Health and Family Welfare Management.
(ii) Post-graduate Diploma in Management (Executive) in Hospital Management.
(iii) Post- graduate Diploma in Management (Executive) in Health Promotion.

Training and Workshop Activities

The Institute organized a number of trainings ranging from Curriculum Design and Evaluation, Health Promotion, Nursing Administration, Social and Behaviour Change Communication, Occupational and Environmental Health, Hospital Administration, Leadership and Counseling, Monitoring & Evaluation. In all, forty-four training courses and workshops (including webinars) were organized by the Institute.

Research & Evaluation

Research in different aspects of health and family welfare is a priority area. During the year under review, the Institute was involved in Twenty Six research studies. Out of these research studies, thirteen have been completed. This includes seven studies by the M.D. (CHA) students. The remaining 13 are on-going.

Provision of Specialized services through Inter-Disciplinary teams

A brief account of specialized services of the Institute including clinical, documentation, printing and publications is given below:

Clinical Services

The Institute is recognized as one of the centres of excellence in reproductive health care. The NIHFW Clinic provides clinical services which include management of infertility, management

of reproductive endocrinological and gynaecological disorders, antenatal care, immunization of antenatal patients, infants & children and contraceptive services.

Laboratory Facilities

The laboratory of the Institute provides an in-depth investigation of the causes of reproductive disorders such as bio-chemical, anatomical, endocrinological etc. The scientific approaches adopted in the management of endocrinological & reproductive disorders and infertility management have paid rich dividends.

Official Publications

- Health and Population: Perspectives and Issues- a quarterly Journal of Institute since 1978. During the period under review all the issues of HPPI for 2021 (Vol. No. 44 (3, 4 & 5) and 2022 (Vol. No. 45 (1) have been published;
- Jan Swasthya Dhaarna - A Hindi peer reviewed Magazine since 1995. During the period under review Jan Swasthya Dhaarna, Vol. 27 have been published.

Use of Hindi in Official Work

The official language implementation in the Institute is regularly monitored by a committee duly constituted for this purpose. During the period under report, 81.45% letters (including E-mails and fax messages) 84.01% letters meant for region "A'', 71.89% for region "B" and 76.26% letters for region "C" respectively were issued in Hindi against the fixed target of 100% for "A'' & "B" regions & 65% for region "C". Cent percent General Orders were issued bilingually during the reported period (i.e. from April, 2021 to March, 2022). Apart from day-to-day translation work in Hindi, many specific translation work was also accomplished including annual report and annual accounts 2021-22, proformas, survey schedules, material pertaining to certificates, banners, and advertisements from various departments.

National Documentation Centre

National Documentation Centre is an active member of Developing Library Network (DELNET) and shares its resources with more than 5000 member libraries including Library of Congress, Washington. NDC is also member of NML-ERMED India Consortium to provide free access to 258 journals. In addition to the above, through Online Public Access Catalogue (OPAC), bibliographical details of all publications/documentations are accessible at the link- htttp://14.1393.63.242/. Important publications like committee/commission reports, technical reports, HPPI journals, important NIHFW publications, etc. have been digitized and made accessible through the link –http://www.nihfw.org/WNDC.aspx.

Centre for Health Informatics

The MoHFW has established a Centre for Health Informatics (CHI) at NIHFW to work as the secretariat for managing the activities of the National Health Portal (NHP). The National Health Portal of the CHI serves as a single point of access to multilingual health information, application and resources. A wide-spectrum of users such as academicians, citizens, students, health care professionals, researchers, etc. are benefitted from the National Health Portal.

CHI also received Governance GOLD SKOCH AWARD for COVID-19 India Portal. Har Ghar Kavach app is prepared to monitor home isolated COVID-19 patients and provide them required health services. CHI on behalf of MoHFW is providing cloud resources for hosting the application software for non-communicable diseases screening tracking system (NCD-STS), maintaining Mera Aspatal app which captures patient's feedback for the services received at the hospital through user-friendly multiple channels. 11231 hospitals are registered under the application till 31 March 2022. Various other portals being maintained are- Surakshit Matritva Aashwasan (SUMAN), Pradhan Mantri Surakshit Matritva Abhiyan (PMSMA), Home Based Care of New Born and Young Child, National Tobacco Control Programme, National Programme for Health Care of Elderly. Some dashboards- MoHFW Central Dashboard, Budget, National Health Policy-2017, International Health, LaQshya, EMR, PMSSY, and Medical Education are being maintained by CHI.

National Cold-Chain and Vaccine Management Resource Centre (NCCVMRC)

NCCVMRC is an apex technical resource centre for Government of India. It was established in 2013 as a joint initiative of the NIHFW, MoHFW and UNICEF, with the objective to facilitate the establishment of high quality, effective and efficient immunization supply chain (ISC) in the India to ensure universal immunization coverage with safe and potent vaccines. The NCCVMRC team is led by a coordinator and comprises of technical teams working in the domains of training, MIS and EVM coordination, immunization supply chain, research, monitoring and equity.

NCCVMRC is a nodal centre for all immunization supply chain related research, training and providing technical support for Immunization supply chain planning in India. It is designated as Secretariat for comprehensive Effective Vaccine Management (EVM) assessment at national and sub-national level in the country. MoHFW has designated NCCVMRC as a Secretariat for National Technical Advisory Body (NTAB) to provide guidance and Technical input on specification of Cold Chain Equipment's, Immunization Logistic Managements, and Vaccine related Assessment to strengthen Cold Chain System for Universal Immunization Program (UIP) in India. NCCVMRC is also the Secretariat of the Technical Specification Development Group (TSDG) for providing recommendations for technical specifications of the Cold Chain Equipment in ISC. NCCVMRC is also the member of the Technical Specification Committee (TSC) of the MoHFW. NCCVMRC maintains NCCMIS web portal which contains details of Cold Chain Inventory & its functional status in Immunization supply chain of UIP in India.

National Technical Advisory Group on Immunization (NTAGI)

The NTAGI Secretariat was established in 2013, to provide techno-managerial support to NTAGI and Standing Technical Sub-Committee (STSC) and its working groups. On 9th December, 2016 it was decided that the NTAGI Secretariat would be completely supported by the Government of India and a proposal to establish the NTAGI Secretariat at the National Institute of Health and Family Welfare (NIHFW) was approved. In NIHFW, Secretariat resumed its functioning since May, 2017. The NTAGI Secretariat is responsible for organizing two NTAGI and four STSC meetings in a year. In the year under review, NTAGI facilitated a total of 10 STSC meetings, NTAGI meeting and 36 working group meetings.

National Skills Lab (*DAKSH*)

The Government of India has introduced a system of competency-based training and certification programme to be implemented through Skills Labs.
Skills Lab serves as a prototype demonstration and learning facility for healthcare providers; and focuses on competency-based training. Total 876 health care professionals have been trained since its inception till 31st March 2022. Out of this 53 participants got trained in 8 Batches during the year under review.

Mother and Child Tracking Facilitation Centre (MCTFC)

Mother and Child Tracking Facilitation centre has been set up at The National Institute of Health and Family Welfare (NIHFW).It is a major step taken by Government of India under the National Health Mission in improving the maternal and child health care services.

During the year under report, more than 17.10 lakhs calls were made to beneficiaries through MCTFC for data validation, and promotion and facilitation in availing maternal and child health services and government schemes. More than 8.8 thousand calls were made to ANMs and ASHAs for data validation and resolution of their queries, and more than 4.4 lakh voice messages on Maternal and Child care have been delivered to the beneficiaries.

Advisory and Consultancy Services

The Director and faculty members of the Institute provide advisory and consultancy services to various national, international and voluntary organizations in various capacities. The Director and faculty participated in various academic activities at national and international levels.

Facilities

The NIHFW has a state of the art video conferencing facility in addition to a 280-seater auditorium equipped with high-tech public-address systems. An exclusive Teaching Block with multiple halls fitted with modern teaching-aids is dedicated for the training courses that can hold many training courses simultaneously. The Hostel can accommodate around 100 guests at a time. It has a gymnasium, a badminton court and cricket-cum-football ground for out-door games as well as chess, carom and table tennis indoor-games facility.

The international hostel was inaugurated on 5th Feb.2022 by Hon’ble Union Minister for Health & Family Welfare and has 51 rooms.

EDUCATION

The Institute is engaged in different types of teaching programmes viz., Three year Post graduate Degree in Community Health Administration (M.D-CHA), Two- year Post Graduate Diploma in Health Administration (DHA), One-year Post-Graduate Diploma in Public Health Management, three Diploma Courses of one year duration through Distance Learning Mode, Certificate Course on Professional Development in Public Health and Health Section Reform through E-Learning Mode, Ph.D. Programme etc.

Teaching

Institute has undertaken the following teaching programmes during the year under consideration.

Three-year M.D. in Community Health Administration (CHA)

As per the mandate of the Institute to provide appropriate trained manpower to meet the health needs of the country, the Institute has been offering a three-year post-graduate degree course, M.D. in Community Health Administration, since 1969. This course is affiliated to the University of Delhi, and recognised by the Medical Council of India (MCI). Over the years, this course has become very popular among the health professionals in the country. Hitherto, a total of 308 students have passed out this course.

During the year under report, 22 students attended the course including seven in the third year, seven in the second year and eight in the first year.

Two-year Post-Graduate Diploma in Health Administration (DHA)

Started in 1993, this two-year Post-Graduate Diploma in Health Administration offered by the Institute is also affiliated to the University of Delhi and is recognized by the Medical Council of India (MCI).

During the year under report, 5 students attended the course including two in the second year and three in the first year.

One-year Post-Graduate Diploma in Public Health Management (PGDPHM)

NIHFW in collaboration with the Ministry of Health and Family Welfare, Government of India (GoI) and Public Health Foundation of India offer a Post-Graduate Diploma in Public Health Management. The GoI gives fellowships for ten international students facilitated by Partners in Population and Development (PPD). 8 national students from India enrolled for the year 2021-22. Since the introduction of this course, 217 students have passed out hitherto.

Distance Learning Courses:

Post Graduate Diploma Management (Executive) in Hospital Management:

This course is recognized from AICTE with 300 annual intake admissions with 15 months

duration. The Post-graduate Diploma in Management (Executive) with specialization in Hospital Management has been specially designed to impart knowledge to the participants about the existing structure and functioning of the health care system including managerial problems in hospitals. In addition, various management concepts, techniques, tools and resource management are discussed in this course which is open to medical, nursing, dental and AYUSH graduates. Currently, 115 candidates were enrolled for the 2021-22.

This course was formerly known as Diploma in Hospital Management with one year duration. This course was started in August 1995 with the enrollment of 100 students. Hitherto, 2856 students have successfully completed this Diploma Course.

Post Graduate Diploma Management (Executive) in Health & Family Welfare Management:

This course is recognized from AICTE with 100 annual intake admissions for the batch 2021-22 with 15 months duration. The course has been specially designed to impart knowledge to the participants about the existing structure and functioning of the health care system, including its managerial problems. In addition, various management concepts, techniques, tools and resource management are discussed in this course which is open to medical, nursing, dental and AYUSH graduates. Currently, 41 candidates are enrolled for 2021-22.

This course was formerly known as Diploma in Health & Family Welfare Management with one year duration. Since the introduction of this course in 1991-92 to 2020-21, 1648 students have been awarded this Diploma.

Post Graduate Diploma Management (Executive) in Health Promotion:

This course is recognized from AICTE with150 annual intake admissions for the batch 2021-22 with 15 months duration. This course has been designed to impart knowledge to the participants to focus on lifestyle related problems and is also meant for medical, paramedical and other stakeholders. Currently, 10 candidates are enrolled for 2021-22.

The course formerly known as the Diploma in Health Promotion was of one year duration. This course was started in the academic year 2010-11. Till now, 367 students have been awarded this Diploma.

Following courses are waiting for approval to be recognised by AICTE:

Diploma in Applied Epidemiology through Distance Learning

This course was started in 2015-16 with 12 months duration with 100 annual intake admissions. This course is specially designed to impart knowledge of various epidemiological techniques and uses of epidemiology to the participants. There was no admission in batch 2021-22 due to non-recognition of course by AICTE. So far a total of 105 candidates have been enrolled out of which 65 have passed.

Diploma in Public Health Nutrition through Distance Learning

This course was started in 2015-16 with 12 months duration with 100 annual intake admissions. The course is specially designed to generate greater awareness and understanding of the nutritional sciences pertaining to Public Health Nutrition (PHN) among the participants. There was no admission in batch 2021-22 due to non-recognition of course by AICTE. A total of 126 candidates got enrolled out of which 76 have successfully passed this course.

Diploma in Health Communication through Distance Learning

This course was started in 2015-16 with 12 months duration with 100 annual intake admissions. The course is specially designed to generate greater awareness and understanding of the Health Communication among the participants. There was no admission in batch 2021-22 due to non-recognition of course by AICTE. A total of 8 candidates got enrolled out of which 4 have successfully passed this course.

Ph.D Programme:

Recently Jawaharlal Nehru's University (JNU) has agreed for recognition of Ph.D programme of NIHFW and the matter is under process. The matter was put up in the 63rd SFC meeting. The members of the SFC advised the NIHFW to relook into the matter of rationalizing the fees.

Currently Four students are pursuing their Doctoral work from different Universities in various disciplines of Public Health and Biomedical Research.

Summer Training /Internship Programme:

Under this programme, students from various Universities pursue their project work in various specialized areas of public health. Under this programme, 21 students from various Universities/ institutes pursued their project work (2-3 months) in various specialized areas of public health. Sixteen students completed their short-term summer training courses in various departments of the NIHFW during the period under report.

Educational Visits:

Nursing and Medical students visit the Institute from various Govt. and Private Nursing and Medical colleges from all over the country. 75 Nursing and Medical students visited this Institute from various Govt. and Private Nursing and Medical colleges from various parts of the country as part of their course curriculum.

TRAINING

The Institute also undertakes various types of training programmes for the health practitioners in public health and family welfare. The training courses (intra-mural and extra- mural) are organized by the Institute every year with an aim to (i) familiarize the participants with the goals and objectives of health and family welfare programmes; (ii) update their knowledge and understanding of operational difficulties in implementation; and (iii) suggest remedial measures to overcome such constraints. A brief of these activities is as follows:

Institute has conducted 42 training courses reported financial year 2021-22. A List of Training Courses, during the Financial Year 2021-22 is given below:

Training Courses

Sl. No.	Title of Course	Name of Coordinator/ Nodal Officer	Duration	No. of Participants
1.	1st Foundation Training Course for Directors of New AIIMS	Prof. Sanjay Gupta	19 April to 15 May, 2021	04
2.	e-ITECH Training Programme on COVID 19 Vaccine Roll Out	Prof. Sanjay Gupta	19 to 20 May, 2021	30
3.	13th Virtual Training Course on Vaccine and Cold Chain Management (T-VaCC)	Prof. Renu Shahrawat	31 May to 5 June, 2021	35
4.	14th Virtual Training Course on Vaccine and Cold Chain Management (T-VaCC)	Prof. Renu Shahrawat	6 to 11 December, 2021	19
5.	Virtual Training of Cold Chain Technicians in Repair and Maintenance of Ice Line Refrigerator (ILR), Deep Refrigerator (DF) & Voltage Stabilizer at NCCVMRC, NIHFW, New Delhi	Prof. Renu Shahrawat	31 May to 11 June, 2021 21 June to 2 July, 2021 13 to 24 September, 2021 1 to 9 December, 2021 15 to 23 February, 2022 7 to 12 March, 2022	17 19 19 20 18 20
6.	Online Training Course on Basic Infertility Management for Healthcare Professionals	Prof. Renu Shahrawat	4 to 6 August, 2021	45
7.	Training Course on Epidemic Preparedness and Management	Prof. Sanjay Gupta	28 to 30 July, 2021	74
8.	Training Course on Curriculum Design	Prof. Neera Dhar	28 to 30 July, 2021	38
9.	Online Training Course on Life Style Diseases and Health Promotion	Prof. Poonam Khattar	10-13 August, 2021	49
10	27th Training Course on Logistics and Supply Management System in Health and Family Welfare	Prof. Manish Chaturvedi	5- 9 July, 2021	57
11.	97th Training Course on Hospital Administration for Senior Hospital Administrators	Prof. Manish Chaturvedi	9 - 12 August, 2021	44
12.	Foundation and Refresher Training Programme for DDAs of New AIIMS	Prof. Sanjay Gupta	13 September to 8 October, 2021	14
13.	Training Course on Hospital Management for Senior Medical Officers of Border Security Force (BSF)	Prof. Manish Chaturvedi	4 to 8 October, 2021	18
14.	Online Training Course on Demographic Data Analysis for Health Personnel	Prof. Pushpanjali Swain	23 to 25 August 2021	65
15	Training on Health Policy, Planning & financing in context of National Health Programmes including PIP under NHM on Virtual mode	Prof. V.K. Tiwari	26 to 28 July, 2021	81

Sl. No.	Title of Course	Name of Coordinator/ Nodal Officer	Duration	No. of Participants
16	Online Training Course on Introduction to Data Analysis	Prof. Mihir Kumar Mallick	9 to 11August, 2021	54
17	Online Training Course on Management for Senior Nursing Administrators	Prof. Nanthini Subbiah	9 to 11 August, 2021	107
18	Online Training Course on the Mental Health for the Health Care Providers.	Prof. Meerambika Mahapatra	10 to 12 August, 2021	53
19	Online Training Course on Lifestyle Diseases and Health Promotion.	Prof. Poonam Khattar	10 to 13August, 2021	49
20	Online Training Course on Advances in Reproductive Biomedicine Techniques for Medical Officers / Faculty/ Researchers	Dr. S. Ramachandra Rao	11 to 13 August, 2021	33
21	National level dissemination workshop of initiatives under RCTC for coalition partners and key stakeholders of India	Prof. Poonam Khattar	20 August, 2021	32
22	Online Training Course on Demographic Data Analysis for Health Personnel	Prof. Pushpanjali Swain	23 to 25 August, 2021	65
23	Training Course on Administrative and Financial Skills for AYUSH Officials under Ministry of AYUSH	Prof. V.K. Tiwari	6 to 10 September, 2021	26
24	Online Training Course on Capacity Building of staff working at Healthcare Facilities for Basic Reproductive Biomedicine Techniques.	Dr. Rajesh Kumar	1 to 3 September, 2021	16
25	Training of Trainers in Skill Labs at Daksh National Skills Lab	Dr. Geetanjaly	6 to 11 September, 2021	5
26	Training Course on Leader-ship and Management for the Directors / In-charges of AYUSH Institutions under Ministry of AYUSH	Prof. M. K. Mallick	16 to 17 September, 2021	19
27	Training for Medical Officers, Staff Nurses and Nursing faculty in Skill Labs at Daksh National Skills Lab	Dr. Geetanjaly	20 to 25 September, 2021	8
28	Online Training Course on Patient Care Management for Medical Social Workers	Dr. Sarita Gautam	21 to 23 September, 2021	34
29	Training for Medical Officers, Staff Nurses and Nursing faculty in Skill Labs at Daksh National Skills Lab	Dr. Geetanjaly	4 to 10 October, 2021	6
30	Training of Cold-chain Technicians on Repair and Maintenance of ILR, DF & Voltage Stabilizer	Prof. Renu Shahrawat	8 to 16 November, 2021	20
31	Online Training Course on Capacity Building of Health Supervisors and Tutors of ANM Training Centers in Social and Behavior Change Communication (SBCC) under National Health Mission	Dr. Ankur Yadav	25 to 27 August, 2021	14
32	Online Pilot Training Course on Capacity Building of Health Professionals in Risk Communication & Community Engagement (RCCE)	Dr. Ankur Yadav	23 to 25 November, 2021	28
33	Online Training Course on Capacity Building of Health Professionals in Risk Communication & Community Engagement (RCCE)	Dr. Ankur Yadav	20 to 22 December, 2021	38
34	Online training course on Research Methodology for Nursing Professionals	Prof. Nanthini Subbiah	6 to 10 December, 2021	52
35	Online Training course on Application of Biostatistics in Epidemiology	Prof. Pushpanjali Swain	20 to 22 December, 2021	91

Extramural Training Courses

S. No.	Title of Course	Name of Coordinator/ Nodal Officer	Duration	No. of Participants
1.	Ice Line Refrigerator (ILR)- Deep Freezer (DF)_ Voltage Stabilizer (VS) Repair & Maintenance (Tripura & Bihar)	Er. Yogesh Bhamre, NCCRC Coordinator, Pune	27 to 30 July, 2021	30
2.	Ice Line Refrigerator (ILR)- Deep Freezer (DF)_ Voltage Stabilizer (VS) Repair & Maintenance (Odisha)	Er. Yogesh Bhamre, NCCRC Coordinator, Pune	24 to 27 August, 2021	54

S. No.	Title of Course	Name of Coordinator/ Nodal Officer	Duration	No. of Participants
3.	Ice Line Refrigerator (ILR)- Deep Freezer (DF)-Solar Direct Drive (SDD)_Voltage Stabilizer (VS)-Walking Cooler (WIC)- Walking Freezer (WIF) Repair & Maintenance (Maharashtra)	Er. Yogesh Bhamre, NCCRC Coordinator, Pune	18 to 30 October, 2021	16
4.	Ice Line Refrigerator (ILR)- Deep Freezer (DF)_ Voltage Stabilizer (VS) Repair & Maintenance (Maharashtra)	Er. Yogesh Bhamre, NCCRC Coordinator, Pune	23 November to 5 December, 2021	54

Meetings conducted :-

A List of meetings organized, during the Financial Year 2021-22 is given below:

S. No.	Title of Meeting	Name of Coordinator/ Nodal Officer	Duration	Nature of Participants
1.	63rd and 64th Standing Finance Committee	Director	22nd Nov. 2021 29th Jan. 2022	Secretary (MoHFW), AS&FA, DGHS, JS (Training), Director NIHFW
2.	Programme Advisory Committee	Director	27th Jan. 2022	Faculty Members, Medical Officers and Research Officers
3.	National Technical Advisory Body (NTAB) on Immunization Cold Chain Logistics Secretariat	Director Nodal Officer, NCCVMRC	10.08.2021 10.02.2022	All members of NTAB
4.	Technical Specification Development Group meetings	Nodal Officer, NCCVMRC	23.06.2021 28.07.2021	All members of TSDG
5.	Technical Specification Committee meeting	DGHS	07.10.2021 01.12.2021 07.01.2022	All members of TSC

Webinars Conducted

A List of webinars organized, during the Financial Year 2021–22 is given below:

Sl. No.	Title of Course	Name of Coordinator/ Nodal Officer	Duration	No. of Participants
1.	Achieving Universal Health Coverage by Strengthening Human Resources for Health in India: CALL for Action endorsement as an outcome of Human Resources for Health (HRH) Symposium on Virtual mode	Prof. Rajni Bagga	9 July, 2021	752
2.	Medical Doctors and migration: Driving factor, Implications	Prof. Poonam Khattar	9 September, 2021	914

RESEARCH AND EVALUATION

The Institute gives priority attention to research work in different aspects of health and family welfare. The Institute has an Academic Committee and a high level Programme Advisory Committee consisting of eminent experts from all over India. All the educational and research activities of the Institute are scrutinized and deliberated upon thoroughly by these committees for ensuring the quality in academic endeavors. Further, each research proposal is placed before the Ethical Review Board of the Institute which comprises academicians from health, research and relevant technical backgrounds to look into ethical and other relevant issues.

The Institute conducts evaluation studies on various activities and National Health Programmes initiated by the Government of India.

RESEARCH AND EVALUATION

During the year under review, the Institute was involved in 15 research studies. Out of these research studies, 10 have been completed. This includes 8 studies by the M.D. (CHA) students. The remaining 5 are on-going.

COMPLETED RESEARCH STUDIES

1. **Tobacco Control and developments post - COVID-19 in India: A Secondary Review of literature (Investigator: Dr. Ankur and Prof. Poonam Khattar)**

Objectives:

- To study the developments in tobacco control post COVID-19 situation with respect to:
  a) Ban on spitting in public places.
  b) To study the available literature with respect to health risks associated with smoking and COVID-19
- To collate health advisories/guidelines or notifications issued by the Government of India with respect to tobacco control post COVID-19.
- To suggest policy measures for tobacco control in the light of pandemic Covid-19 scenario and public health.

Major findings:

- Tobacco acts as one of the most important risk factors for contracting and aggravating COVID-19 transmission and outcome.
- Research (based on secondary data) has shown that smoking and other forms of tobacco exposure can up-regulate the ACE2 receptors in various body organs (especially lungs) which make smokers/tobacco consumers more vulnerable to the COVID-19 disease.

Recommendations:

- People and policy makers should consider taking the necessary steps to reduce smoking

and vaping rates as smoking can aggravate transmission, patho-physiology, and disease outcomes of COVID.

- Strengthening the need of proactive efforts by public health systems to promote smoking prevention initiatives among never smokers, as well as to identify, advise and engage smokers in cessation attempts.
- Actively targeting the vulnerable populations in these challenging times for effective tobacco cessation: such as mental health patients, elderly, drug and alcohol addicts owing to no-contact, restricted mobility and lower levels of health literacy.
- Newly imposed ban on sale of SLT products and the enhanced anti-spitting drives in the country shall be indefinitely continued, in order to ensure the sustainability of cessation efforts.

2. **Cost-effectiveness analysis of existing vaccine transportation v/s outsourcing of vehicles (Investigator: Prof. Renu Shasrawat, Er. Hitesh Kumar, Ms. Dipti Singhal, Mr. Nadeem Ahmad)**

Objectives

- To analyze the cost effectiveness by comparing the estimated annual cost for the existing transportation system (657 existing and 144 proposed to be procured) with the outsourcing mechanism for vaccine logistics supply in the country.
- To analyze the cost effectiveness by comparing the estimated annual cost for the proposed 144 vehicles (to be procured) with the outsourcing mechanism (144 vehicles/sites) for vaccine logistics supply in the country.

Major findings:

- For all 801 (657 existing +144 proposed) vehicles in immunization logistics supply chain, in the existing mechanism the estimated annual cost is ₹33.52 crores and the estimated annual cost for hiring of vaccine delivery vehicle is ₹76.41 crore. The existing mechanism is ₹42.89 crore (56%) less costly than hiring mechanism at all levels.
- For 144 proposed vaccine delivery vehicles/sites in immunization logistics supply chain, in the existing mechanism the estimated annual cost is ₹6.60 crores and the estimated annual cost for hiring of vaccine delivery vehicle is ₹12.43 crore. The existing mechanism is ₹5.83 crore (47%) less costly than hiring mechanism for 144 vaccine delivery vehicles/ sites.

3. **Assessment of Ayushman Bharat Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana in a Tertiary Care Hospital in Delhi NCR (Investigator: Dr. Shyam Sunder Durgam and Prof. Sanjay Gupta)**

Objectives:

- To explore the level of awareness about the details of the AB-PMJAY scheme among beneficiaries
- To study the utilization pattern of the AB-PMJAY scheme in the hospital.
- To assess the out-of-pocket expenditure among patients availing AB-PMJAY scheme in the hospital

Major findings:

- It has been observed that letters from the prime minister were the major source of primary information about PMJAY, but in-depth details of the scheme were promoted through word-of-mouth publicity among neighbours, colleagues, friends, and relatives.
- According to this study, specialty wise utilization of the PMJAY scheme was found to be highest in the department of General Medicine, contributing to 15% of total cases, followed by general surgery at 13%, hemodialysis at 11%, and cardiology at 10%.
- The study found that 66% of the beneficiaries of the PMJAY scheme did not pay for the services they used while in the hospital. Among the 34% of the beneficiaries who did pay for the services, 21% paid less than 2000 rupees.

Recommendations:

- The hospital can introduce patient-level efforts to generate awareness about the PMJAY scheme to make informed choices through increased awareness. Informed patients will ensure fewer patient-provider disputes.
- This study revealed more than one-third of the cases were from only 3 specialties though the hospital is empaneled for more than 20 specialties. It may be recommended to provide health services under all the empaneled specialties rather than just selected services.
- Appoint a dedicated medical coordinator for PMJAY patients to screen them and facilitate consultations with concerned specialists to perform rationalized investigations only to confirm the diagnosis
- Among the dialysis patients, out-of-pocket expenses were due to complications related to the hemodialysis procedure in chronic kidney diseases. The National Health Authority or State Health Agency may consider such conditions and provide a separate package for complications related to chronic hemodialysis.

4. **A Study of Perception of Practitioners and Patients on Allopathic and Ayurvedic Treatment for Type 2 Diabetes in Delhi. (Investigator- Dr. Roopesh Gupta and Prof. Sanjay Gupta)**

Objectives:

- To Assess the Treatment-Seeking Behavior Among the Patients of Type II Diabetes.
- To Assess the Perception of Allopathic Physicians Towards the Ayurveda Treatment of Diabetes Type II and Integration.
- To Assess the Perception of Ayurveda Physicians Towards Allopathic Treatment for Diabetes Type II and Integration.

Major findings:

- Patients whom a doctor/health care provider consulted for the use of Ayurveda treatment was deficient.
- Almost half (48%) of the patients were using an additional treatment for diabetes. The use of home remedies is prevalent. There is a substantial percentage of people using drugs with unknown constituents from unreliable sources (10.5%).
- A minimal per cent (10% Ayurveda and 3.5% Allopathic) of patients were informing their treating physicians regarding the use of additional treatment.

- Most Allopathic doctors(n=6) did not recommend Ayurveda treatment to their patients due to lack of scientific evidence in Ayurveda theories (50%) and unknown adverse side effects from these medications (40%).
- Most Ayurveda physicians inquire about their patients' using allopathic treatment. For emergency or the patients who require surgical intervention doctors recommend their patients to an Allopathy.

Recommendations:

- The knowledge and awareness regarding the Ayurveda system of medicine need to be scientific and authentic.
- The patient should be able to select his preferred medical system from a menu of options.
- An integrated treatment protocol for cross referencing between Allopathy and Ayurveda could be developed to harness the synergy between the two systems and support each other's flaws.
- Regular case discussions and the sharing of academic literature provide opportunities for interaction and collaboration among practitioners from both systems.

5. **Workplace Violence at Tertiary Care Hospitals and its Impact on the Well-Being of Health Care Professionals. (Investigator- Dr. Manoj Kumar and Prof. Rajani Bagga)**

Objectives:

- To study the extent of different types of work place violence towards healthcare professionals in the tertiary care hospitals.
- To study the impact of workplace violence on the well-being of healthcare professionals.
- To study the psycho social stress and burnout among healthcare professionals.
- To suggest measures/recommendations for the prevention of work place violence in the hospitals and for improving the well-being of healthcare professionals.

Major findings:

- Overall, 210 incidents of different kind of workplace violence were reported during the period of last 12 months by 146 (48.3%) HCP out of total 302, where, verbal abuse (45%) was most frequent followed by bullying/mobbing (15.9%), physical violence (6.3%), racial harassment (1.7%) and sexual harassment (0.7%).
- Male and single/unmarried participants along with participants in younger age group (20 to 29 years) experienced higher levels of overall WPV.
- Regarding the occupation, Doctors faced higher levels of overall WPV, physical violence, verbal abuse and racial harassment while, nurses reported having been exposed to higher levels of bullying/mobbing and sexual harassment.
- Highest levels of physical violence and racial harassment were reported from General Medicine department followed by verbal abuse from Dermatology department, bullying/mobbing from OBGY and sexual harassment from casualty. Also, HCP working more than 90 hours per week experienced higher levels of WPV.

- As far as perpetrators were concerned, the relatives of the patients, staff members, general public and patients were identified as primary perpetrators for different types of WPV.
- Regarding reporting of the WPV, majority of the physical violence, only less than 50% cases of VA, BM and RH, and no cases of SH were reported.
- The main contributing factors for physical and psychological WPV were identified as 'high patient load', 'high number of attendants with one patient', 'poor security in the hospital' and 'overburdened staff/doctors'.
- Regarding the well-being and burnout among HCP, majority of the participants scored 'average' mental being score on WEMWBS scale whereas, the majority of the HCP scored low score in the 'Personal Accomplishment' (PA), 'Emotional Exhaustion' (EE) and 'Depersonalization' (DP) category.
- While cross matching WEMWBS and MBI scores with levels of WPV, the results revealed that HCP who experienced any type of WPV except sexual harassment had lower mean scores for mental wellbeing and, HCP who experienced any type of WPV scored higher mean score for 'Emotional Exhaustion' and 'Depersonalization' categories, while lower scores were observed for 'Personal Accomplishment' category, suggesting higher psychosocial stress and burnout among the HCP who experienced any kind of WPV.

Recommendations:

Intervention at the policy level

- Introducing an Act against WPV in the Health sector
- Revision of the Medical Education Curriculum to include topics on Interpersonal communication and Behavioural skills
- Legal cells
- Common helpline

Interventions at the Hospital administration and management level

- Developing a zero-tolerance policy against WPV
- Patient communication and counselling skill trainings for HCP
- Introducing a specific code for violent events
- Appropriate staffing
- Security and safety measures
- Regular measures to increase communication between senior faculty/consultants and junior staff to inculcate the culture of bonding

Intervention at the Healthcare professionals' level

- Reporting of the WPV incidents
- Improving communication and interpersonal skills
- Talk about the incidents
- Being vigilant while working in a sensitive situation

6. **An Appraisal of Haemovigilance Programme in Relation to Blood Safety Operating in the Blood Bank of a Tertiary Care Hospital. (Investigator- Dr. Ishant Kumar and Prof. Manish Chaturvedi)**

Objectives:

- To study the execution of hemovigilance program and measures taken to prevent the potential causes of transfusion related adverse events in blood donors and recipients.
- To study the transfusion and donor related adverse events and reactions.

Major findings:

- A total of 43,679 blood components were issued from Blood Bank, out of which 31 units resulted in adverse transfusion reactions (ATR) in recipients.
- Out of 25,050 donors who donated blood, 30 donors developed adverse reaction during or post donation during the study period.
- The chance of developing ATR was found to be 0.07 per 100 blood units issued and frequency of adverse donor reaction was found to be 0.11%.

Recommendations:

- All healthcare facilities should enroll in Hemovigilance Program of India and organize regular CMEs to update and motivate transfusing clinicians/nurses/technicians.
- A streamlined mechanism for data collection, good inter-departmental coordination along with an unbiased third-party monitoring system should be established to prevent under-reporting.
- Proper implementation of policies and strict adherence to standard operating procedures can help in improving quality and minimizing adverse events.
- Basics of transfusion & blood donation must be taught in undergraduate curriculum and rotational posting of interns to Blood Bank should be mandatory.
- Establishing a follow-up/ feedback mechanism for donors is also useful.

7. **An appraisal of Mohalla Clinics in Urban Healthcare Delivery Services in New Delhi. (Investigator- Dr. Gaurav Kumar Jha and Prof. Manish Chaturvedi)**

Objectives:

- To assess the functioning of mohalla clinics of the state
- To identify the strengths and limitations of mohalla clinics and
- To suggest measures for improvement, if any.
- To study the execution of hemovigilance program and measures taken to prevent the potential causes of transfusion related adverse events in blood donors and recipients.

Major findings:

- Overall mohalla clinics was able to bring primary healthcare closer to people mainly due to close proximity to their houses,
- They have systematic good referral system, uninterrupted and timely procurement as well as regular supply of medicines and wide range of diagnostic services available in the clinics.
- Job roles and responsibilities were orderly assigned to respective HCPs leading to lesser chaos and better uniformity in work.

- Overall the satisfaction of patients was significantly higher and healthcare providers were also satisfied with the working conditions of mohalla clinics.
- Lab services and medicines were also well utilized by the patients.
- There were few challenges in terms of infrastructure, building space and regular training of HCPs and lower salaries of support staffs.

Recommendations:

- Preventive and promotive health services should also be rendered in order to provide a complete range of primary health care services.
- Provision of ramps, wheelchairs, stretchers to make it more accessible to physically disabled or accidental cases.
- Regular training of staffs to update them with various safety protocols, disaster management protocols and other recent medical updates.
- Review meeting of all mohalla clinic doctors should be conducted weekly/monthly, to understand, discuss and resolve the problems of individual clinics.
- There should be appointment of a Health Promoter or equivalent post who would carry out family planning counseling, lifestyle modification sessions and other health promotive and preventive health services.
- Provision of ECG machines in every mohalla clinic, with online cardiologist consultant kept during working hours in case of emergency.
- Incentivized Teleconsultation services after working hours should be present 24X7.
- Token vending machines and medicine vending machines should be installed in every AAMCs to carry out paperless minimal contact work.
- There should be enough chairs in waiting areas of clinics and it should be preferably roofed.
- Special sessions in a week should be assigned for ANC and immunization services.
- Emergency service like ambulance services should be available to cater the emergency cases.
- Integration of public health services like vertical health programmes (such as nationwide Pulse-Polio programmes) can give it more universal approach.

8 Study of Utilization of National Health Mission Funds in RMNCH+A in a District of Haryana State (Investigator: Dr. Ruchi Gaylong and Prof. V.K. Tiwari)

Specific objectives

- To identify the fund flow guidelines, mechanism and procedures to a district and below in National Health Mission in RMNCH+A.
- To study the process of disbursement of budget at district and below district level for various activities under RMNCH+A.
- To analyze the utilization and monitoring of expenditure incurred on various components in RMNCH+A.
- To describe the constraints, if any, related to utilization of National Health Mission funds in RMNCH+A in a district and below in Haryana state and suggest measures to overcome them.

Major findings:

- The budget amounts allocated are not in accordance with the DHAP given to the State, and that no reasons for the approval and cut have been received. This results in underutilization of funds.
- The ANMs at the Subcenter, reported a delay in receiving funds from the PHC or CHC because they received funds all at once near the end of the fiscal year, leaving them little time to put them to use
- Facilities are unable to show usage due to multiple sub budget heads, making the whole financial system complicated. Inconsistent utilization under different budget heads noted were in the three financial years.
- At the District and lower levels, finance is handled by a limited number of Account Staff. The provision of a link officer can improve the situation.

Recommendations:

- Bottom-up planning should be implemented to allocate funds based on need and the demands of the facility.
- The procedure of submitting the PIP from the State to the Centre, as well as subsequent NPCC meetings and final PIP submission, should be conducted in a timelier basis so that the state receives the ROPs on time and the district ROPs are submitted on time, along with reasons for budget cuts and approvals.
- Refresher training on the new PIP guidelines
- Include an "escalation clause".
- Clear guidelines on who can be signatories and who will function as link officer in the event that regular signatory is unavailable.

9. **The Left-Over Medicine Disposal Practices at Household Level Among Urban Population of Delhi, India: A Cross-Sectional Study. (Investigators: Dr. Pooja Garg and Prof. Renu Shahrawat)**

Objectives:

- To identify the quantity and type of left-over medicines in the households.
- To identify the reasons of left-over medicines in the households.
- To describe the medicine disposal practices at the household level.

Major findings:

- Almost all the respondents were having medicines in their households at the time of visit. A vast majority (79%) of them were leftover medicines. The majority (97.18%) of the medicines were stored at room temperature.
- Most common form was found to be Tablets (72%) including capsules followed by liquids, cream/gel, spray, and powders. Among the most common class, the largest quantity was found to be antimicrobials (17.65%) followed by antacids, antipyretics.
- The majority (79.8%) of the leftover drugs were not expired. Even though free drugs are accessible in India's government sector, the majority (46.2%) of participants obtained their medications via the private sector (private doctors/hospitals), followed by over the counter (27.7%) purchases from chemists.

- The most prevalent reason for storing leftover medicines, was to store them for future use (40%), followed by improvement in health conditions (30.6%).
- There is a statistically significant association found between the storage of a substantial number of medicines and the presence of members with chronic illnesses in households with an average age of 60 years and a family size of three.

Recommendations:

- Formulation of policy for safe disposal of leftover medicines at the household level such as drug take-back policy. Pharmaceutical companies should be mandated to take back leftover medicines.
- Pharmaceutical companies should provide instructions on how to properly dispose of medicines on the packaging.
- Rational prescription practices need to be followed to minimize potential leftover medicines.
- Dropbox/medicine collection box should be kept at the hospital setups so that people can put the left-over medicines at one place and further it can be discarded or can be re-use for the other patients if not expired.
- A public awareness campaign about the harmful impacts of disposing of medicines into the environment should be held, along with safe disposal practices, once or twice a year, focusing on certain target groups such as the elderly, local governments, local NGOs, and others.

10. **Mental Health among Healthcare Personnels working in Government Hospitals involved in management of Covid 19 patients in Delhi. (Investigator: Dr. Versha, and Prof. Meerambika Mahapatro)**

Objectives:

- To study the mental health status (anxiety, depression, insomnia) of healthcare personnel during Covid-19 pandemic.
- To find out the factors affecting mental health of health care personnel during Covid-19 pandemic.
- To assess the anxiety among healthcare workers during the pandemic.
- To determine the sleep pattern of health care workers.

Major findings:

- The study revealed an 88% prevalence of definite cases of anxiety and 44.6% of some insomnia.
- The chi-square test reported a linear-by-linear association of 0.002 between Anxiety, Insomnia and fear of infecting the family members and also while agitation while wearing the PPE kits.

Recommendations:

- The study found that healthcare personnel having direct contact through treatment of the infected patients experienced an increase in their anxiety scores, compared to

HCPs having no direct contact with infected patients. Hence proactive support should be proactively implemented among the HCPS in the worst affected areas during the pandemic.

ON-GOING RESEARCH STUDIES OF THE INSTITUTE

Following are the research studies ongoing in the academic year 2021-2022.

S. No.	Topic of the Research Study	Principal Investigator	Co-investigator
1	Evaluation of Neem Phytochemical Extract on Toxicity in Male Rats to be used in Combination with Hormones for the Development of Male Contraceptive: A Pilot Study	Dr. S. Ramachandra Rao	Dr. Rajesh Kumar
2	A Pilot Study to Screen the Male Population for Prostate Specific Antigen in Men 50 Years and Above Among Slum and Non-Slum Dwellers in Delhi	Dr. Rajesh Kumar	Dr. Sathuluri Ramachandra Rao
3	Impact of Behavioral Intervention Package on the health status of married abused pregnant women attending antenatal clinic of LN hospital, New Delhi- A randomized controlled trial	Prof. Meerambika Mahaptaro	Prof. Sudha Prasad Prof. Neera Dhar
4	Influence of information education communication activities related to health and family welfare programme on behavior change youths in mission parivar vikas districts of Madhya Pradesh: a pilot study	Dr. Ankur Yadav	Prof. Mihir Kumar Mallick
5	Temperature monitoring study of the immunization supply chain in India	Prof. Renu Shahrawat	Dr. Kanchan, Mr. Shashi Kant Ray, Mr. Rakesh Kumar

On-going Thesis Work by MD (CHA/DHA)Students

Following are the 8 ongoing thesis work by MD (CHA)/DHA students (Batch2020-2023).

S. No.	Topic of the Thesis	Name of the Student	Name of the Supervisor
1	A Study on Out of Pocket Expenditure in Patients admitted under PMJAY in a Tertiary Care Hospital in Delhi.	Dr. Sivarchaka Omkar	Prof. Manish Chaturvedi
2	m Health Platform ANMOL: Usability & implementation in a District of Delhi/NCR.	Dr. Abhishek Dixit	Prof. Manish Chaturvedi
3	Study on Effect of COVID-19 Pandemic on Intrapartum Care Utilization by Pregnant Women in Urban Slums of Delhi.	Dr. Athira K.R.	Prof. Renu Shahrawat
4	Evaluation of POSHAN Abhiyaan in Selected Districts of Delhi.	Dr. Chirag Gupta	Prof. Sanjay Gupta
5	Post-Introduction Evaluation (PIE) of COVID-19 Vaccination in Delhi	Dr. Kanchan	Prof. V.K. Tiwari

S. No.	Topic of the Thesis	Name of the Student	Name of the Supervisor
6	Study of Implementation of National Organ Transplant Programme (NOTP) at Tertiary Care Hospitals in Delhi.	Dr. Prashant Bhardwaj	Prof. Sanjay Gupta
7	Assessment of DISHA (Delhi Initiative for Safeguarding Health of Adolescents) Clinics Under Rashtriya Kishor Swasthya Karyakram in Delhi.	Dr. Rajan	Prof. V.K. Tiwari
8	Current status of Medical Value Travel in Join Commission International (JCI) Accredited Hospitals in NCT of Delhi.	Dr. Vineet Gautam	Prof. Sanjay Gupta

SPECIALISED PROJECTS AND CONSORTIUM ACTIVITIES

The NIHFW manages the various activities of many specialised projects like National Cold Chain and Vaccine Management Resource Centre, National Skills Lab (DAKSH), Centre for Health Informatics, Mother and Child Tracking Facilitation Centre, National Technical Advisory Group on Immunisation (NTAGI) Project, etc.

National Cold-Chain and Vaccine Management Resource Centre (NCCVMRC)

NCCVMRC is an apex technical resource centre for Government of India. It was established in 2013 as a joint initiative of the NIHFW, MoHFW and UNICEF, with the objective to facilitate the establishment of high quality, effective and efficient immunization supply chain (ISC) in the India to ensure universal immunization coverage with safe and potent vaccines. The NCCVMRC builds the capacity of all district-level Cold Chain Technicians (CCT) working under Universal Immunization Programme to undertake repair and maintenance of more than 1,00,000 Electrical Cold-Chain Equipment (ECCE) in approximate 29,000 Cold- Chain Points in the country. In the FY 2021-22, NCCVMRC conducted a host of activities, despite the on-going COVID pandemic.

NCCVMRC conducted a number of virtual/physical workshops for capacity building of health workforce in India including Repair and Maintenance of Ice Lined Refrigerator/ Deep Freezer and Voltage Stabilizer (Three batches virtual & Three batches physical), Training on Repair and Maintenance of Walk in Cooler (WIC)/ Walk in Freezer (WIF) (One batch physical), Training on Vaccine and Cold Chain Management (T-VaCC) (Two batches virtual), NCCMIS & Supportive Supervision (Routine Immunization, Cold Chain and COVID-19 session site monitoring), Review and Re-orientation workshop (17 States/UTs virtual). NCCVMRC also organized Technical Secretariat Development Group (TSDG) meetings (Two), National Technical Advisory Body (NTAB) (Two) to provide Technical inputs on specification of Cold Chain Equipment, Immunization Logistic Management, Vaccine related assessment to strengthen Cold Chain System for Universal Immunization Program (UIP) in India.

NCCVMRC conducted Cost-effectiveness analysis of existing vaccine transportation v/s outsourcing of vehicles to address the query of Honourable Health Minister and is presently conducting research activity on Temperature Monitoring Study in ISC in India. NCCVMRC provided technical support in conducting the state EVM Assessment of three states i.e. Jharkhand, Chhattisgarh, and Madhya Pradesh & developing Continuous Improvement Plan (cIP) for two states i.e. Jharkhand & Assam.

NCCVMRC also played a pivotal role in supporting MoHFW for COVID-19 vaccine introduction in India by undertaking activities including Formulation of Operational Guidelines, designing training materials, conducting National & International trainings for Vaccination roll-out, establishing SOPs for new equipment procured under UIP, providing technical support to GMSD Kolkata, GMSD Karnal & Bihar state regarding repair & maintenance of WICs & WIFs, analysis of logistics to be used for vaccination campaign and preparing new CCE procurement and distribution plan. NCCVMRC conducted GMSDs space assessment of Four GMSDs i.e. Karnal, Mumbai, Chennai and Kolkata for COVID-19 storage for identifying their space requirement for COVID-19 vaccine management. NCCVMRC along with UNICEF developed Vaccine Cold Chain Space Calculator for calculating the additional cold chain space in the country at all levels for storage of the COVID-19 vaccines.

NCCVMRC also maintains the in-house Developed National Cold Chain Management Information System (NCCMIS) web-portal to track the cold chain inventory & its functional status for cold chain space planning, forecasting & sickness rate. It plays a pivotal role in cold chain space planning during COVID-19 pandemic in country. For supportive supervision of RI & Intensified Mission Indradhanush (IMI) Session site, House to House (H2H) Monitoring, COVID-19 Session site & COVID-19 H2H monitoring, Cold Chain Monitoring (Primary/Sub National Store, District Vaccine Store, and Health Facility) & Plan Preventive Maintenance (PPM), the checklists have been developed and hosted at NCCMIS portal.

Centre for Health Informatics (CHI) for National Health Portal (NHP)

The Centre for Health Informatics (CHI) has engaged in different types of activities towards digitalization of healthcare system for achieving universal health coverage and to enhance health literacy in the country. Various digital applications such as Portals, Dashboards, mHealth, Social Security, Social media developed and maintained by CHI during April 2021-March 2022 are given below:

CHI has developed and hosted a portal for monitoring the progress of creation of 1.5 lacs Health and Wellness Centres (HWCs) under the Ayushman Bharat programme. 117,440 HWCs were functional till 31 Match 2022. Intensified Mission Indradhanush 4.0 portal is created to capture information about IMI 4.0 vaccination drive. Digital Portal for Crowdfunding & Voluntary Donations for Rare Diseases is developed to facilitate the voluntary donations for the treatment of patients suffering from rare diseases. Pradhan Mantri National Dialysis Programme- a web based application is being developed for providing information and monitoring the implementation of the programme. Under National Health Portal, information about new diseases, national health programmes, national and international health related events are covered.

COVID-19 web platform developed by CHI in March 2020 is being maintained as real time web platform and now, other applications related with COVID-19 have been integrated with this portal. The portal was awarded with the “GOLD” award under “Category 6- use of ICT in the management of COVID-19” in the 24th National Awards for e-Governance held on 7th – 8th February 2022 at Hyderabad, Telangana. CHI also received Governance GOLD, SKOCH AWARD for COVID-19 India Portal. Har Ghar Kavach app is prepared to monitor home isolated COVID-19 patients and provide them required health services. CHI on behalf of MoHFW is providing cloud

resources for hosting the application software for non-communicable diseases screening tracking system (NCD-STS), maintaining Mera Aspatal app which captures patient's feedback for the services received at the hospital through user-friendly multiple channels. 11231 hospitals are registered under the application till 31 March 2022. Various other portals being maintained are- Surakshit Matritva Aashwasan (SUMAN), Pradhan Mantri Surakshit Matritva Abhiyan (PMSMA), Home Based Care of New Born and Young Child, National Tobacco Control Programme, National Programme for Health Care of Elderly. Some dashboards- MoHFW Central Dashboard, Budget, National Health Policy-2017, International Health, LaQshya, EMR, PMSSY, and Medical Education are being maintained by CHI.

CHI is involved with Co-WIN application in sending SMS / OTP through NIC gate way. Integrated Disease Surveillance Programme under Integrated Health Information Platform is technically managed by CHI team along with WHO team. CHI is also providing security audit to various MOHFW websites, consultation to NIHFW on eOffice / LMS implementation and helping in the activities of the Global Digital Health Partnership through e-health division. CHI is active on social media dispersing information about health related subjects.

National Skills Lab–DAKSH

National Skills lab - DAKSH at NIHFW was established on 9 March 2015 by Government of India in collaboration with LSTM, UK and the Maternal Health Division of MOHFW to upgrade the skills of health care providers such as ANMs/LHVs/SNs/MOs/nursing supervisors and faculty/ obstetricians and paediatricians working at delivery points for providing quality RMNCH+A services. Skills Lab serves as a prototype demonstration and learning facility for healthcare providers and focuses on competency based training. Skills Lab provides the opportunity for repetitive skills practice, simulation of clinical scenarios and training under the supervision of qualified trainers. The Skills Lab comprises of 4 skill stations and 1 model Labour room where the trainees learn 35 Basic skills in 6 days of training through practicing skills on mannequins, simulation Exercises, demonstrations, role plays, videos and Presentations. Areas in which training is imparted are Antenatal, Intra-natal, Postnatal & Newborn care, Family Planning, Infection Prevention, Management of Complications, Adolescent Counselling and other RMNCH+A Services.

Total 876 health care professionals have been trained since its inception till 31st March 2022. Out of this 53 participants got trained in 08 Batches during the year under review.

National Technical Advisory Group on Immunization (NTAGI) Project:

The National Technical Advisory Group on Immunization (NTAGI) was established by an order of the Ministry of Health and Family Welfare (MoHFW) in 2001. As India's apex advisory body on immunization, the NTAGI provides guidance and advice to the MoHFW on provision of vaccination and immunization services for the effective control of vaccine preventable diseases in the country. The NTAGI is chaired by Secretary, Health & Family Welfare (H&FW) and Co-chaired by Secretary, Department of Biotechnology (DBT) and Secretary, Department of Health Research (DHR) & Director General-Indian Council of Medical Research (ICMR).

The NTAGI Secretariat was established in 2013, to provide techno-managerial support to the NTAGI, STSC and its working groups. In April, 2016, it was decided that the NTAGI Secretariat would be completely supported by the Government of India and it will be established in NIHFW. The NTAGI Secretariat has been functioning in NIHFW since May, 2017.

The NTAGI is supported by Standing Technical Sub-Committee (STSC), which is further supported by two Standing Working Groups: (i) Vaccine Preventable Disease Surveillance; (ii) Immunization and Vaccine Research and Capacity Building. In addition, it is supported by need based ad-hoc working groups: Cholera WG, Typhoid WG, Hepatitis WG, Influenza WG, Rotavirus WG, PCV WG, Leprosy WG, HPV WG, Vaccine Cost-Effectiveness WG, Code of Practice WG, Japanese Encephalitis WG, Maternal immunization subgroup, Vaccine confidence sub group, Rotavirus Vaccine WG and COVID-19 WG. The STSC, consisting of independent members, is tasked with undertaking technical review of scientific evidence on matters related to immunization policy and programmes. Final recommendations are drafted by the NTAGI taking into account the scientific review by the STSC, Working Groups and any other relevant evidence.

In the year of 2021-22, which could be called a year of COVID-19 vaccination, the policy recommendations on COVID-19 vaccination were made by the NTAGI.

The following major activities were facilitated by the NTAGI Secretariat:

- One NTAGI meeting held on May 28, 2021.
- Ten STSC meetings held on May 13, July 29, September 24, October 7, October 22, December 6, December 29, 30 December 2021, February 8 and March 23, 2022.
- Twenty-Five meetings of COVID-19 Working Group.
- One meeting of Japanese Encephalitis Working Group held on June 14, 2021.
- One meeting of SWG-Immunization and Vaccine Research and Capacity Building held on August 16, 2021.
- Three meetings of Revision of NTAGI Code of Practice: held on September 2, September 15 and November 12, 2021.
- Three meetings of Typhoid Working Group held on September 30, October 14 and October 18, 2021.
- One meeting of HPV working Group held on March 21, 2022.
- VPD Surveillance and UIP review of Jharkhand State held on December 2021

Mother and Child Tracking Facilitation Centre (MCTFC)

Mother and Child Tracking Facilitation Centre (MCTFC) was set up at National Institute of Health and Family Welfare (NIHFW) and it went live on 29th April, 2014. It is a major step taken by Government of India under the National Health Mission in improving the maternal and child health care services.
M/s Terracis (erstwhile named as M/s IL&FS Pvt Ltd.) was engaged as Helpdesk Service Provider (HSP) for augmenting the Mother and Child Facilitation Centre (MCTFC) project on turnkey basis through a contract signed with MoHFW on 2nd Nov, 2016. This contract was valid for 5 years from the date of Go-live of the project, i.e. 10th March, 2017. The project has been extended for one year (i.e. 10th March 2022 to 9th March 2023) at the same terms and condition of master agreement or till the end of time period decided after the submission of Project evaluation report by NHSRC, whichever is earlier.

Infrastructure at MCTFC

As part of the project, HSP procured, installed and is maintaining complete infrastructure required for the project, whose ownership is with MoHFW. MCTFC has a central server room for hosting servers, network and telecom equipment and application.

The HSP has also developed and has been maintaining web-based customized MCTFC solution for enabling Inbound/Outbound calling and SMS to beneficiaries and Health workers registered on RCH application. The MCTFC solution is integrated with RCH Application for data exchange of RCH beneficiaries through web-services.

After completion of Phase 1, i.e. procurement, installation and operationalization of infrastructure and development of software solution, MCTFC project went Go-LIVE on 10th March, 2017, and the Call Centre has been operational ever since. For telecom connectivity, HSP has signed the contract with a Telecom Service Provider (TSP) for provision of PRI Line services. Payments against the invoices raised for the TSP services are paid by the HSP, which are further reimbursed by MoHFW.

MCTFC Application

Based on the interaction with beneficiaries and health workers, reporting system of MCTFC provides performance reports that act as feed back to MoHFW on program performance. Some Key Performance Indicators (KPIs) are identified from these reports and the performance of States is assessed based on these KPIs. Accordingly, States take necessary corrective action to improve their performance indicators.

Operationalization of MCTFC

The agents are responsible for making outbound calls and answering calls of beneficiaries and health workers every day except on national holidays. In addition, there are 2 doctors who respond to the specific queries of beneficiaries and health workers and provide non-clinical advice to them.

Calls connected to the beneficiaries from MCTFC center

From 1st April, 2021 to 31st March, 2022, more than 17.10 lakhs calls were made to beneficiaries through MCTFC for data validation, promotion and facilitation in availing maternal and child health services and government schemes. More than 8.8 thousand calls were made to ANMs and ASHAs for data validation and resolution of their queries and more than 4.4 lakh voice messages on Maternal and Child care have been delivered to the beneficiaries.

SPECIALISED SERVICES

NIHFW is conducting many specialized services in the field of health and family welfare like MCH and management of Infertility, Adolescent and Youth health, Menopausal health, Clinical Laboratory Services, National Documentation Centre Services, Press Unit, Audio- Visual Services, Computer Centre Services etc.

SPECIALISED SERVICES

NIHFW Clinic

The NIHFW Clinic provides Clinical services and the services include management of infertility, management of reproductive endocrinological and gynaecological disorders, antenatal care, immunization of antenatal patients, infants & children and contraceptive services. In the afternoon, adolescent & youth and well-women clinic are also run. COVID-19 vaccination is also being provided at COVID-19 vaccination centre since 15th March 2021. Registration is free for all the patients. The services are provided free of any charge to the poor patients including the laboratory services. For rest of the patients, user charges are applicable as per the Institute's norms. The Clinic also has an in-house pharmacy to dispense free medicines to the poor patients. The patients are registered as a couple for the management of infertility on the first visit. All subsequent follow-up consultations are scheduled with the same doctor, which ensures the continuum of care and builds-up the doctor-patient relationship. Most of the laboratory investigations are available in-house and the laboratory services form the backbone of preventive and curative aspects of health care services. Out-patient medical records are maintained in the record room for every patient and are retrieved whenever the patients visit for further consultations. All the in-house laboratory reports get filed in the respective case record files of the patients so as to minimize the hassle of report-collection by the patient. The details of the services being provided are as follows:

I. Clinical services

Morning Clinics (9.00 am - 1:00 pm):

- Antenatal Services (screening, problem identification and appropriate action including referral)
- Immunization as per National Immunization Schedule including Pulse Polio Immunization (PPI)
- Contraceptive services
- Management of infertile couples
- Management of reproductive endocrinological and gynaecological disorders

Afternoon Clinics (2:00 pm - 4:00 pm):

- Adolescent and Youth Clinic (10 years - 24 years of age)
- Well-Women Clinic (35 years - 60 years of age)

Specialized procedure

- Intrauterine insemination

Supportive diagnostic services

Laboratory Services

- Routine Blood and Urine Tests
- Selected Serological Tests
- Semen Analysis
- Blood Bio-Chemistry
- Hormonal Assay
- Sperm Function Tests
- Histopathology- EB tissue & FNAC and Pap smear

Radiological Services

- X-Ray
- Hysterosalpingography
- Ultrasonography *
- Follicular monitoring
- Any pelvic pathology
- Early Pregnancy

Minor OT Services

- Endometrial Biopsy
- Testicular FNAC

*Presently not functional

An account of these services for the financial year 2021-22 is given below:

	New Cases	**Follow-up cases**	
Infertility	461 couples	**Female**	**Male**
		2608	1435
Reproductive Endocrinology & Gynaecology	478	597	
ANC	119	214	
Adolescents	**Female** - 26 **Male** - 0	**Female** - 38 **Male** - 02	
Well-Women Clinic	28	27	
Staff General	**Female** - 02 **Male** - 08	**Female** - 01 **Male** - 03	

General	**Female** - 99 **Male**-149	**Female** - 96 **Male**-181
Children (immunization only)	**Female** - 113 **Male** -133	**Female** - 190 **Male** -184

Laboratory Services

Routine Blood and Urine Tests (Hb, TLC, DLC, ESR, Urine R/E, Urine M/E)	1988
Serological Tests (VDRL, Blood Group)	1081
Semen Analysis	1475
Blood Bio-Chemistry (Blood Sugar, LFT, KFT, GTT, Lipid Profile, GCT)	1132
Hormonal Assay (Prolactin, Insulin, LH, FSH, TSH, Testosterone, T3, T4, E2)	2377
Sperm Morphology + Sperm Viability	338
Antibody Test	0
GCM	64
Semen biochemistry (GPC, Fructose, Acid phosphatase)	44
Sperm mucous penetration test	51
IUI Sample Preparation	57
Pregnancy Test	227
Post Coital Test and Cervical Mucous	994

Radiological Services

X-Ray	0
Hysterosalpingography	0

Minor OT Services

Endometrial Biopsy	45
Specialized procedure: IUI (Intrauterine Insemination)	57

Contraceptive services

Cu-T insertion	12
Oral contraceptive beneficiaries	263
Condom Distribution	

II. COVID-19 vaccination centre

Total 15,505 beneficiaries availed the services at the COVID-19 vaccination centre at NIHFW.

Press Unit

The reprography and printing of research, training, consultancy and administrative activities of the Institute are done by the Press Unit. The background documents (modules and blocks) for the Diploma Course in Health and Family Welfare Management, Hospital Management, Health Promotion, Health Communication, Applied Epidemiology and Public Health Nutrition through Distance Learning were reproduced during the year under review. The background and introductory documents for various training courses, survey schedules, and other forms for administrative purpose were also reproduced.

Printing and Publication Services

The Institute prints and publishes various publications every year as a part of its continuing education programme. Some of the important publications were:

- Multi-colour brochures for various training programmes
- Modules /Blocks of DLC
- Annual Report of the Institute
- Annual Accounts of the Institute
- Programme Advisory Committee (PAC) Document
- Stock verification reports of all departments, NIHFW
- Jan Swasthya Dhaarna
- A Hand Book for the newly recruited CHS Medical Officers
- NIHFW Newsletters
- The Journal: Health and Population-Perspective and Issues
- Training Modules of NTCP

Health and Population: Perspectives and Issues

The Institute has been publishing its ISSN-numbered multi-disciplinary quarterly Journal, Health and Population: Perspectives and Issues regularly since 1978. With a wide circulation both at the national as well as international-level, it includes articles of scientific and educational interest in the areas of health services, family welfare, population, hospital administration, health-economics, health-communication, population, social sciences and other allied disciplines. The Journal is indexed in IndMED, NIC, New Delhi and Google Scholar.

The abstracts of papers published in the Journal are also available at the Institute's web-site:www.nihfw.org; while the full papers are available on MedInd, NIC, New Delhi (http://medind.nic.in/index.html).

During the period under review all the issues of HPPI for 2021 (Vol. No. 44 (3, 4 & 5) and 2022 (Vol. No. 45 (1) have been published

Audio-Visual Services

Art, photographic and projection services were provided by the Institute for various activities in the year under report.

National Documentation Centre(NDC)

The library facilities available at NDC are probably one of the best in India in this field. Over a period of two decades, the NDC has developed a well-balanced and up-to-date collection of over 62000 documents including books, periodicals, technical reports, annual reports, statistical reports, conference proceedings, UN publications, modules, and non-book materials and special collection in the field of health, population and family welfare and allied areas carrying worldwide information.

The National Documentation Centre is a member of the following online services:

NDC is an active member of NML-ERMED India Consortium to provide free electronic journals access of 258 journals on http://www.nihfw.org/ERMEDConsorsiumJournals.html.

The National Documentation Centre has completed following activities and accessible through the link- http://www.nihfw.org/WNDC.aspx.

- Database of post-graduate research in MD (PSM), MD (CHA), MHA etc.
- Union catalogue of non-print material available in Health Science Libraries in Delhi.
- Compendium of Reports/Documents in Health and Family Welfare.
- Digitization project has completed its first phase. Most of the rare and important publications like Committee Reports, Technical Reports, HPPI journals and NIHFW Publications etc. have been digitized.

The National Documentation Centre has also been providing following online services:

- Online Public Access Catalogue (OPAC)
- e-Health news press clipping (Hindi and English)
- Health News Repositories (English and Hindi)
- Committee/ Commission report on health
- Health & family welfare abstract
- Health and Population: Perspectives and Issues Journal
- List of Edition

In addition to the above, through Web OPAC, bibliographical details of all publications/ documents are accessible at the link- http://14.1393.63.242/. NDC has been conducting a training course on IT Application for Information Management in Health Science Libraries since 1999. NDC is planning to set up a Public Health Libraries Consortium (P-HELICON) for the purpose of sharing and dissemination of information to the organizations and individuals involved in the field of population, Health & Family Welfare and other activities such as Digitization of Thesis/ desertion, Installation of RFID System and to make a Cyber Lab for users.

Computer Centre Facility

The institute has provided computer and internet access to all its faculty, students, research andadministrative staff through Campus Wide Area Network. The whole network is connected withfive servers hosted in the Computer Centre, connecting 400 nodes in the institute through

a 1 GB bandwidth connectivity provided by National Knowledge Network (NKN).

The Computer Centre is actively engaged in data analysis, programming and computer assisted learning. The Computer Centre has two computer labs for teaching/ training purposes and for the use of students. The Biometric Attendance Monitoring System has been installed in the Institute and is accessible to all the staff and students. The Institute has its own dynamic website www.nihfw.org and e-mail facilities for the officials.

The Computer Centre has a state of the art video-conferencing facility that is used for e- learning and meetings. It has got a specially designed sound proof room, enterprise class Polycom Video Conferencing equipment and high bandwidth internet line. The Conferencing room can accommodate up to 20 participants.

Consultancy and Advisory Services

The Director and faculty members of the Institute provide advisory and consultancy services to various national, international and voluntary organizations in various capacities.

ACTIVITIES OF THE DIRECTOR, FACULTY AND OTHER OFFICIALS

MEETINGS/CONFERENCE/WORKSHOPS Attended:

Sl. No	Title of workshop / Seminar/ Meeting	Date/ Duration	Place
Prof. V.K. Tiwari			
1.	Attended the Golden Jubilee Conference of IASP, organized by Indian Association for Study of Population, as the General Secretary of Indian Association for Study of Population (IASP), and contributed a paper on Lifestyle Changes among AYUSH Treatment seeking Patients at Life Style Diseases Clinics from Selected states in India.	26-28 November, 2021	New Delhi
Prof. Pushpanjali Swain			
2.	Attended the Golden Jubilee Conference of IASP, organized by Indian Association for Study of Population, and presented a paper titled " Relationship between Immunization coverage and nutritional status in children: Evidence from National Family Health Survey (round 4)"	26-28 November, 2021	New Delhi
3.	14 CRM debriefing meeting	27 November 2021	New Delhi
4.	Third Meeting of the " Technical Group on Methodology for Assigning Causes of Death" of MoHFW	2 November, 2021	On-line
5.	Fourth Meeting of the Technical Group on Methodology for Assigning Causes of Death of MoHFW& NIMS	31 March, 2022	On-line
6.	Attended Achieving Universal Health Coverage by strengthening Human Resources for Health in India: 7 CALLS FOR ACTION endorsement as an outcome of HRH Symposium	9 July, 2021	On-line
7.	Two days post Surveillance meeting held at organized by Center for Community Medicine (AIIMS) in collaboration with NACO	24-25 March, 2022	New Delhi
8.	Attended 10 days online "Data Analytics and its Applications in Health care"	18 - 27 February, 2022	On-line organized by the Department of Data Science and Intelligent Systems, Indian Institute of Information Technology, Dharwad
Prof. Nanthini Subbiah			
9.	Presented a paper on "Leadership in Crisis" in the workshop on Harmonizing Nursing administration with Clinical Nursing Practice organized by the Safdarjang Hospital.	27 September 2021.	Safdarjang Hospital, new Delhi
Prof. Manish Chatutrvedi			
10.	Delivered talk on the role and importance of issues related with Community Health	21 June, 2021	Aakashwani Bhawan, New Delhi
11.	Executive Program in Public Health Policy, Leadership & Management as a Resource Faculty organized.	1 July, 2021	AIIMS, Jodhpur

Sl. No	Title of workshop / Seminar/ Meeting	Date/ Duration	Place
12.	Expert Group Committee meeting Aayushman Bharat-Health & Wellness Centers (AB-HWC) for adoption of Health & Wellness Centers (HWC) by Medical College	23 July, 2021	NHSRC
13.	Member in the Expert Group of Public Health specialists for public health education reforms	27June - 2 August, 2021.	DGHS/MoHFW
14.	Attend National Annual Training Conference (NATC-2022)	14 March, 2022	NIDM Rohni Campus, New Delhi
15.	External Expert Member in Selection/Interview Panel at NHSRC for the position of Senior Consultant-RCH Monitoring	16 March, 2022	NHSRC
Dr. Dharmendra Yadav			
16.	Presented a paper "Resampling Techniques: Concepts, Applications and Justification" at Online International Conference on Advancements in Interdisciplinary Research (ICAR-2021)	26-28 October, 2021	Shia P.G. College, Lucknow and Science Tech Institute, Lucknow
17.	"Applications of Artificial Intelligence (AI) and Machine Learning (ML) in Health Research" at National Conference on Advancements in Interdisciplinary Research (NCAR-2021)	29-31 July 2021	Amiruddaula Islamia Degree College, Lucknow and Science Tech Institute, Lucknow
18.	"Opportunities for Statisticians in Today's World" at National Webinar	29 June, 2021	Dept of Mathematics and IQAC cell of Arya PG College, Panipat, Haryana
19	"Statistics and Machine Learning: A Matter of Attitude" at Fifth International Webinar on "Recent Trends in Statistical Theory and Applications-2021 (WSTA-2021)"	29 June 2021 to 2 July 2021	Dept. of Statistics, University of Kerala, Trivandrum
20.	Attended Online 3rd Conference on Statistics and Data Science (CSDS-2021)	28-30 October, 2021	On-line
21.	Successfully completed a 4-Week Induction/ Orientation Program for "Faculties in Universities/ Colleges/ Institutes of Higher Education"	19 June-18 July, 2021	Teaching Learning Centre (TLC), Ramanujan College, University of Delhi
22.	"Estimation of Population Mean using Known Median of the Study Variable" at Seventh International Conference on Statistics for Twenty-First Century (ICSTC-2021).	15-19 December 2021	Dept. of Statistics, University of Kerala, Trivandrum
23.	"Applications of Machine Learning in Real-Life Digital Health Interventions" at Institute for Population and Social Research (IPSR)	15 December, 2021	Mahidol University, Thailand
24.	Attended Online International Scientific and Practical Conference on Statistical Assessments of Sustainable Development	27-28 January 2022.	Online Saint-Petersburg State Economic University, Department of the Federal State Statistics Service in Saint-Petersburg and the Leningrad Region (PETROSTAT) Sociological Institute of the Russian Association of Statisticians, St.Peterburg, Russia
Dr. A. M Elizabeth			
25.	Presented the poster titled" The Psychological Distress among Covid-19 Infected Survivors Globally: A Systematic Review" during the Golden Jubilee Conference of IASP, organized by Indian Association for Study of Population.	26-28 November, 2021	New Delhi

Sl. No	Title of workshop / Seminar/ Meeting	Date/ Duration	Place
26.	Presented the paper titled" Sustainable Development of Elderly Health and Well-being in India: An Integrated Multi-Sectoral Approach at Regional level" during the Golden Jubilee Conference of IASP, organized by Indian Association for Study of Population.	26-28 November, 2021	New Delhi
Dr. Ramesh Gandotra			
27.	Presented a paper on Lifestyle Changes among AYUSH Treatment seeking Patients at Life Style Diseases Clinics from Selected states in India during the Golden Jubilee Conference of IASP, organized by Indian Association for Study of Population.	26-28 November, 2021	New Delhi
Mr. Subash Chand			
28.	Attended the workshop on " National Guidelines for Data Quality in Surveys" organized by ICMR-NIMS, New.	23-24 November, 2021	India Habitat Centre, New Delhi
Ms. Vaishali Jaiswal			
29.	Presented the paper "COVID-19 Pandemic & Reverse Migration : Opportunities, Challenges and Way for-ward" Presented in Golden Jubilee Conference of IASP, organized by Indian Association for Study of Population (IASP)	26-28 November, 2021	New Delhi
Dr. Sherin Raj T.P			
30.	Attended the Golden Jubilee Conference of IASP, organized by Indian Association for Study of Population, and presented a paper on "Lifestyle Changes among AYUSH Treatment seeking Patients at Life Style Diseases Clinics from Selected states in India".	26-28 November, 2021	New Delhi
31.	Contributed a poster titled "Regional Variations in Nutritional Status of Men in Rural India: Evidence from National Family Health Survey" at the Golden jubilee Conference of IASP, organized by IASP.	26-28 November, 2021	New Delhi
32.	Attended the workshop on "National Guidelines for Data Quality in Surveys" organized by ICMR-NIMS, New.	23-24 November, 2021	India Habitat Centre, New Delhi
Ms. Bhawna Kathuria			
33.	Attended the Golden jubilee Conference of IASP, organized by Indian Association for Study of Population, and presented a poster titled " Regional Variations in Nutritional Status of Men in Rural India: Evidence from National Family Health Survey ".	26-28 November, 2021	New Delhi
34.	Golden Jubilee Conference of IASP, organized by Indian Association for Study of Population, and presented a paper titled "Health and wellbeing of Adolescents in India: Challenges and solutions"	26-28 November, 2021	New Delhi
Prof. M. Mahapatro			
35.	Delivered a lecture on 'Qualitative Analysis/Narrative Analysis' in the 7 days National Workshop conducted by Physical Education Foundation of India (PEFI)		New Delhi
Dr. S. Ramachandra Rao			
36.	Attended the training on Third Party Audit (TPA) of Public organization/ Institute held at NIHFW by CIC expert, New Delhi	7 July, 2021	New Delhi (offline)

Sl. No	Title of workshop / Seminar/ Meeting	Date/ Duration	Place
37.	International Conference on Biochemistry- Unfolding New Horizons of Life (BUNHL-2021)	26-28 November, 2021	Visakhapatnam
38.	28th Indian Convention of Food Scientist & Technologists (28th ICFoST)	20-22 January, 2022	Aurangabad

Awards/Achievements

Dr. S. Ramachandra Rao			
1.	Appointed as "Review Editor" of Editorial Board of Ethanopharmacology (specialty section of Frontiers in Pharmacology)	5 August, 2021 onwards	Switzerland
2.	Appointed as "Review Editor" of Editorial Board of Frontiers in Electrochemical Sensors" (epically Frontiers in Sensors)	23 May, 2020 onwards	Switzerland
3.	Appointed as Section Editor of Biological Chemistry of "Journal of the Indonesian Chemical Society" (JICS) International Journal	Up to December 2022	Indonesia
Dr. Dharmendra Kumar Yadav			
5.	Excellent Presentation Award for the paper entitled "Applications of Artificial Intelligence and Machine Learning to promote Digital Health in India"	26-28 December, 2021	FIM International Conference organized by Waseda University, Japan
6.	Young Scientist Award-2021	29-31 July, 2021.	National Conference on Advancments in Interdisciplinary Research (NCAR-2021), jointly organized by Amiruddaula Islamia Degree College, Lucknow
7.	Fellow, Royal Statistical Society (FRSS), London	13 August, 2021	London, UK
8.	Elected Member, International Statistical Institute (ISI), Netherlands	01 September, 2021	Netherlands
Dr. G.S. Karol			
9.	Best Employee of the Institute for the year 2021-2022	9 March, 2022	NIHFW

Activities undertaken as an Expert

Sl. No.	Title of workshop / Seminar/ Meeting	Date / Duration	Place
Prof. Pushpanjali Swain			
1.	"Estimating Life Expectancy at Birth by sex using Census of British India and Annual Sanitary Commissioner's Reports for Bombay Presidency in the Colonial Period (1891-1939)"	23 June 2021	NIHFW
2.	"Prevalence of Anaemia among Children and Its Covariates in Districts of India: A Geospatial Analysis" in December 2021	4 December 2021	NIHFW
Prof. Manish Chaturvedi			
1.	Task Force meeting constituted for drafting Guidelines for NPCDCS-AYUSH implementation at Ayushman Bharat- Health and Wellness Centres	16 April 2021	MoHFW

Chaired / Presided Session/Function

Sl. No.	Title of workshop / Seminar/ Meeting	Date / Duration	Place
Prof. Pushpanjali Swain			
1.	AIDSCON-11, towards AIDS Free World" at Chandigarh	11 - 12 March, 2022	On-line
Dr. Dharmendra Kumar Yadav			
2.	UGC sponsored National Conference on Advanced Statistics and Applied Sciences (ASAS)	30–31 March, 2022.	Department of Statistics in collaboration with Ramanujan Centre of Mathematics & Research, Ramanujan College, University of Delhi
3.	International Conference on Advancements in Interdisciplinary Research (ICAR-2021)	26-28 October, 2021.	Online
4.	National Statistics Conclave -2021 Organized by Department of Statistics, KC College, Mumbai	29 June- 2 July, 2021.	Online
5.	Fifth International Webinar on "Recent Trends in Statistical Theory and Applications-2021 (WSTA-2021)" in conjunction with Fourth Annual Convention of "Statistics Fraternity Kerala (SFK)" organized by Dept. of Statistics, University of Kerala, Trivandrum	29 June - 2 July 2021.	Online
6.	Annual Conference of American Institute of Management and Technology (AIMT), USA	20-21 June, 2021	Online

Sessions taken as a Guest Faculty

Sl. No.	Title of workshop / Seminar/ Meeting	Date / Duration	Place
Prof. Manish Chaturvedi			
1.	"Jan Andolan For Covid-19 Pandemic Appropriate Behaviour"	19 - 21 May, 2021	Mahatma Gandhi State Institute of Public nistration (MGSIPA).
Dr. Dharmendra Kumar Yadav			
2.	Institute of Population and Social Research (IPSR), Mahidol University, Thailand	15 December, 2021.	Online
3.	National Webinar, organized by Dept of Mathematics and IQAC cell of Arya PG College, Panipat, Haryana	29 June, 2021	Online

Activities as Team leader

Prof. Pushpanjali Swain			
1.	External assessment Report of AIIMS, Bhubaneswar Kayakalp Assessment	April 2020-21	Bhubaneswar
2.	External assessment Report of NIT&RD, New Delhi under kayakalp Scheme 2020-21	April 2021	Delhi
3.	External assessment Report of AIIMS, Patna under kayakalp Scheme 2020-21	June 2021	Online Assessment
4.	External assessment Report of PGIMER, Chandigarh under kayakalp Scheme 2021-22	June 2021	Online Assessment
5.	External assessment Report of Govt. Medical College & Hospital under kayakalp Scheme 2021-22	June 2021	Online Assessment
6.	External assessment Report of AIIMS, Delhi under kayakalp Scheme 2021-22	February –March 2022	New Delhi

7.	External assessment Report of AIIMS, Raipur under kayakalp Scheme 2021-22	February –March 2022	Raipur
8.	External assessment Report of A &N Islands institute of medical sciences, Port Blair under kayakalp Scheme 2021-22	February –March 2022	Andaman
9.	External assessment Report of JIPMER, Puducherry under kayakalp Scheme 2021-22	February –March 2022	Puduchhery
Dr. Rajesh Kumar			
10.	External Assessment of centrally funded Hospitals/Institutes under Kayakalp award scheme 2021-22	December, 2021-March, 2022	Across Country
Dr. S. Ramachandra Rao			
11.	External assessment of Tertiary care Hospitals under Kayakalp Award scheme for the year 2021-22	15-17 December, 2021	AIIMS, Rishikesh, Uttarakhand
11.	External assessment of Tertiary care Hospitals under Kayakalp Award scheme for the year 2021-22	20-21 December, 2021	NITRD-Delhi
12.	External assessment of Tertiary care Hospitals under Kayakalp Award scheme for the year 2021-22	3-5 January, 2022	NEIGRIHMS-Shillong
13.	External assessment of Tertiary care Hospitals under Kayakalp Award scheme for the year 2021-22	6-8 January, 2022	LGBRIMH-Tezpur
14.	External assessment of Tertiary care Hospitals under Kayakalp Award scheme for the year 2021-22	15-16 March, 2022	LHMC, Delhi

ADMINISTRATIVE MEASURES

During the year under review, several administrative procedures for finalizing the matters relating to retirement, pension, promotion/appointments, etc were streamlined in the Institute.

ADMINISTRATIVE MEASURES

Governing Body(GB)

The major responsibility for management of the Institute's affairs has been entrusted with the Governing Body, constituted under the Chairmanship of the Hon'ble Union Minister for Health and Family Welfare. Policy decisions are taken in the meeting to improve the functioning of the Institute.

Standing Finance Committee (SFC)

The SFC is an important committee which provides guidance in the matters of financial management of the Institute. The 63rd Meeting of the Standing Finance Committee of NIHFW was held on 22 November, 2021 and 64th Meeting of the Standing Finance Committee of NIHFW was held on 29 January, 2022 under the chairmanship of Shri Rajesh Bhushan, Secretary, Health and Family Welfare, MoHFW.

Programme Advisory Committee(PAC)

The committee includes representatives of different disciplines, drawn from the Central and State levels and Central Training Institutes, either directly or indirectly involved in the promotion of health and family welfare programmes in the country. The committee normally meets at least twice a year to review the activities of the Institute to provide guidance in academic activities. This year PAC Meeting was held on 27 January 2022.

The PAC reviewed all the training and research activities as well as the current status of the on-going studies. All the faculty members, Medical Officers and Research Officers attended the meeting.

USE OF HINDI IN OFFICIAL WORK

An Official Language Implementation Committee is functioning in the Institute under the Chairmanship of Director, NIHFW to monitor the progress of the implementation of Official Language Policy at NIHFW. During the period under report, (i.e. from 01 April, 2021 to 31 March, 2022) Committee held all its quarterly meetings regularly.

USE OF HINDI IN OFFICIAL WORK

The present composition of the Official Language Implementation Committee is given below.

Composition of the Official Language Implementation Committee (i.e. As on 31 March, 2022)

1	Ms. Nidhi Kesarwani, IAS, Director (Additional Charge)	Chairperson
2	Dr. V. K. Tiwari, Dean & Professor, Deptt. of Planning & Evaluation	Vice-Chairman
3	Deputy Director (Admn.)	Member
4	Dr. (Mrs.) Pushpanjali Swain, Head & Professor, Deptt. of S & D	Member
5	Dr. Manish Chaturvedi,Professor, Deptt. of MCHA	Member
6	Dr. Ankur Yadav, Assistant Professor, Deptt. of Communication & F/I Hindi Cell	Member
7	Dr. Geetanjali, Sr. Medical Officer, Deptt. of R.B.M.	Member
8	Shri Gaurav Sharma, Dy. Director (Tech.), C.H.I	Member
9	Section Officer (Admn.I)	Member
10	Section Officer (Admn.II)	Member
11	Officer Incharge (Academic)	Member
12	Workshop and Maintenance Officer	Member
13	Accounts Officer	Member
14	Section Officer (Stores)	Member
15	Dr. Ganesh Shankar Srivastav, Sub-Editor (Hindi)	Member-Secretary

A brief of the progress regarding implementation of Official Language Policy during the period under report is given as follows:

Use of Hindi in correspondence

During the period under report, 81.45% letters (including E-mails and fax messages) 84.01% letters meant for region "A'', 71.89% for region "B" and 76.26% letters for region "C" respectively were issued in Hindi against the fixed target of 100% for "A'' & "B" regions & 65% for region "C". Cent percent General Orders were issued bilingually during the said period. Similarly all the letters received in Hindi were replied to in Hindi.

Apart from day-to-day translation work in Hindi, many specific translation work was also accomplished including annual report and annual accounts 2021-22, proforma, survey schedules, material pertaining to certificates, banners, and advertisements from various departments.

Hindi Teaching Scheme

Training of Staff under Hindi Teaching Scheme in Hindi Stenography and Hindi Typewriting

All 5 Stenographers (on regular strength of the Institute) have already been trained in Hindi Stenography.

Training of Staff in Hindi

All the 151 eligible staff members of the Institute have attained working knowledge in Hindi, Out of which 83 staff members have proficiency in Hindi and the remaining 68 have acquired the working knowledge in Hindi.

Incentive scheme for progressive use of Hindi in the official work

During the period under report, 6 employees of the Institute have been participating in the aforesaid Incentive Scheme. For the financial year 2021-22, their work will be evaluated by a sub-committee constituted with the approval of Director, NIHFW.

Hindi Fortnight

Hindi fortnight was celebrated in the Institute during 1-15 September, 2021 under which the following activities were organized through online mode:

i. On 1st Sept., 2021 Hindi Essay Competition for the staff of the Institute was organised.
ii. On 2nd Sept., 2021 Hindi Noting and Drafting competition was organised.
iii. On 3rd Sept., 2021 Hindi Elocution was organised.
iv. On 6th Sept., 2021 Hindi Shrutlekhan (Dictation) competition for M.T.S group staff of the Institute
v. On 10th Sept., 2021 Hindi Vyakhyanmala was organised.
vi. Institute Organised on line 'Hindi Day' on 14th September, 2021. Director NIHFW chaired the function. She addressed the staff of the Institute and appealed to work in hindi. Winners' name were announced of the various competitions of Hindi Pakhwada activities held during 1-15 September, 2021. Dr. Ankur Yadav proposed vote of thanks. Dr. Ganesh Shanker Srivastava anchored the prograamme.

Inspection of Parliamentry Committee on Official Language

Parliamentry Committee on Official Language inspected the Institute on October 25, 2021. The Director (Additional Charge) of the Institute, Ms. Nidhi Kesarwani, presented the inspection report before the committee. The Director assured to take immediate action on the assurances given before committee. The committee on being satisfying provided the orders of President of India to the Director, NIHFW. Prof. Vijay Kumar Tiwari, Dean, Dr. Ankur Yadav, Assistant Professor, Dr. J.P. Shivdasani, Research Officer and Dr. Ganesh Shankar Srivastava, Incharge Hindi Cell, participated in the meeting.

Official Language Inspection of Institute

The Director (Official Language), Ministry of Health and Family Welfare along with a team visited institute for official Language inspection on 30 September 2021. The team met the Deputy Director (Administration) of the institute, Ms. Nidhi Kesarwani and had in-depth discussions related to the implementation of official language in the institute. In its report, the Ministry gave various suggestions including filling up the vacant Hindi posts in the institute and increasing the correspondence in Hindi.

Release of *Jan Swasthay Dharana*

During the period under report, on 9th March, 2022 on the occasion of Annual Day function of the Institute 27th issue of Jan Swasthay Dharana, a Hindi peer reviewed magazine of the institute was released by the Hon'ble Chief Guest Shri Rajesh Bhushan, Secretary, Ministry of Health and Family Welfare, Government of India.

EVENT

Celebration of 45th Annual Day

The Institute celebrated its 45th Annual Day on 9th March 2022 in NIHFW Lawn. The Chief Guest on the occasion was Shri Rajesh Bhushan, Secretary, Ministry of Health and Family Welfare, Government of India and the Guest of Honour was Shri Manohar Agnani, Additional Secretary, Ministry of Health and Family Welfare, Government of India. All faculty and staff members of NIHFW participated.

Ms. Nidhi Kesarwani, Director (Additional Charge), NIHFW, presented the key achievements of the Institute of the preceding year and highlighted some of the activities to be undertaken in the future.

Prizes were bestowed upon to meritorious students of M.D (Community Health Administration), PGDPHM and PG Diploma courses through distance learning and the best workers of the institute in various categories.

In his address, Shri Rajesh Bhushan, Secretary, Ministry of Health and Family Welfare, Government of India gave his views regarding the directions the NIHFW should take in research and training. He appreciated the various activities undertaken by NIHFW on various fronts. He hoped that the Institute would strive to further expand the activities in the areas of training, research and education through networking with national and international organizations.

At the end, a vote of thanks was offered by Prof. V. K. Tiwari, Dean, NIHFW.

Independence Day celebration

Independence Day celebrations were observed on August 15, 2021 at the National Institute of Health and Family Welfare. On this occasion, Prof. Harshad P. Thakur, Director of the institute hoisted the flag and addressed the attendees. Various senior officers of NIHFW addressed the gathering after the recitation of the National Anthem. A concert was also performed by the children of the staff members of the institute.

World Population Day – 2021

The World Population Day 2021 was observed and celebrated at the National Institute of Health & Family Welfare, as a webinar through an online portal 'Google Meet' on 11th July 2021, from 10:00 am to 11:30 am.

A comprehensive presentation was given on the topic "Overview & Impact of COVID-19 on the World Population". This was followed by an interactive quiz competition. A Presentation on the topic "Overpopulation - A Boon or A Ban" in which the advantages and disadvantages of the increased population, stressed on the fact that India has one of the youngest populations in an ageing world, with its growing working population and less young age dependency which is leading to the economic development of the country as well as world, and ultimately pointed out the need to restrict the growth of its population due to less resource was discussed.

Prof. Harshad P. Thakur, Director, NIHFW shared his experiences and congratulated the faculty members and staff and also applauded for the participation of the students leading to the successful observation of this day.

Though it was a major event held on an online platform, it went very smoothly without any technical glitches. Lastly, everyone had an online photo session, showing their immense satisfaction and happiness of organizing and attending such a wonderful event, during this COVID-19 pandemic.

Some highlights of the event are shown below by these picture.

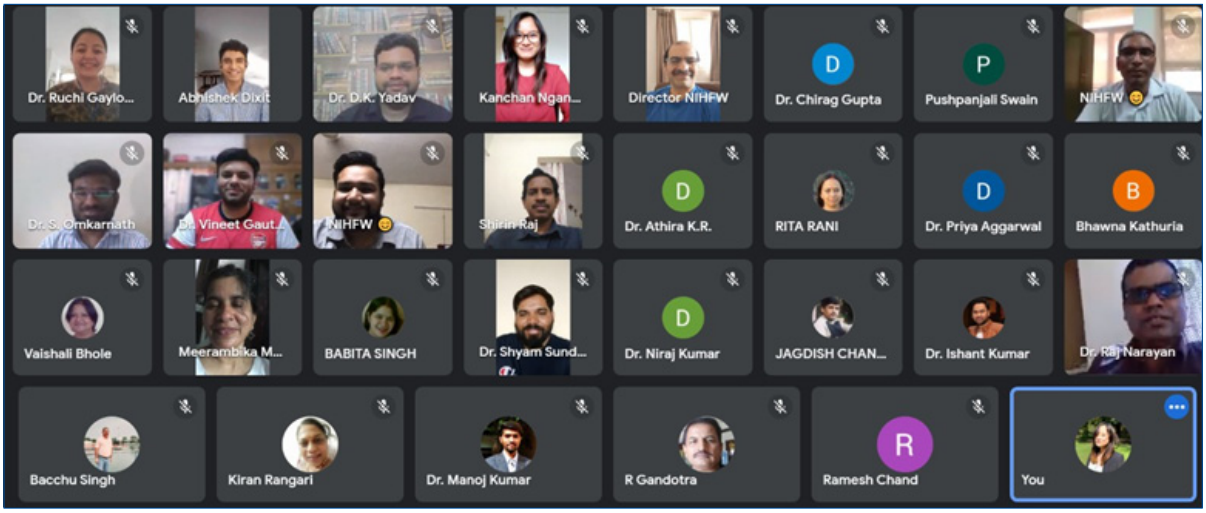

Vigilance Awareness Week – 2021

The Vigilance Awareness Week was observed with full enthusiasm and sprit by all the staff members/employees of the institute from 26th October to 1st November, 2021. The theme chosen by CVC for this year was "Independent India @ 75: Self Reliance with Integrity".

The Oath Ceremony was held online through Google Meet platform at The National Institute of Health and Family Welfare, attended by the employees/students from various departments, various sections of administration and projects of the Institute. The pledge taking ceremony was held at 11.00 A.M. on 26th October, 2021. Dean, Prof. V.K.Tiwari administered the oath

to those attended in online. All the attendees in online were requested to do e-pledge in the CVC website.

During the week-long celebration, various activities such as Online Slogan Writing Competition, Debate Competition and Quiz Competition were organized. The staff of the Institute participated actively in the week long programme. Selected Slogans from Slogan Writing Competition on Vigilance Awareness were displayed on the walls and notice boards of the Institute and at many key places like reception areas, canteen, Hostel, Teaching Block, Clinic, administrative block and the entry points of various buildings of the National Institute of Health and Family Welfare (NIHFW) in both Hindi and English.

The online closing ceremony of Vigilance Awareness Week was organized on Monday 1st November, 2021 at 3 pm. Dr. Pushpanjali Swain, Vigilance Officer gave an briefing of events organized during Vigilance Awareness Week and introduced Shri Apendu Ganguly, former Director, Ministry of Defence & former faculty of ISTM. He is having huge experience and expertise in vigilance, legal and establishment matters. He delivered a lecture on "Preventive Vigilance Measures" which was very informative and followed by interactive session with audience. He explained about basic meaning of 'Vigilance' and Vigilance rules and preventive measures recommended by Santhanam Committee.

Vigilance Officer in the concluding function

Apendu Ganguly delivered the lecture

The prizes and certificate were announced to the winners of the events by Prof. V.K. Tiwari, Dean NIHFW. He addressed to the audience on this occasion by online; congratulated all winners and participants; supporting staff & Prof. Pushpanjali Swain for successfully organizing this event in institute.

Apendu Ganguly delivered the lecture

Vigilance Officer in the concluding function

Republic Day Celebration

Republic day was celebrated on 26 January, 2022. Ms. Nidhi Kesarwani, IAS, Director (Additional Charge) of The NIHFW unfurled the National Flag and greeted the staff. She addressed the gathering and urged everyone to carry out the responsibilities towards the nation.

The faculty, research staff and administrative staff, beside outsourced staff attended the programme. Cultural programme was organized by the children.

1st P.P. Talwar Oration

The first P.P. Talwar Oration was given on 28 March, 2022 at 11 AM by Prof. (Dr.) N.K. Arora, Executive Director, The INCLEN Trust International and Chairman, National Technical Advisory Group on Immunisation (NTAGI), New Delhi on the topic "Epidemiological transition and impact of Government programs: lessons from three (Rural, Peri-urban and Tribal) Demographic Surveillance Sites of India". This programme was attended by the eminent public health persons, development partners, faculty and staff members of NIHFW. The programme was also telecasted online by live steaming.

PUBLICATIONS

Following is the List of Articles/Research Papers Published By the Faculty Research Staff in Various Journals during the Year 2021-22

1. Tiwari VK, Balasundaram P, Raj Sherin TP. Knowledge, Awareness and Health Seeking Behaviour among Hepatitis Patients Attending a Tertiary Care Hospital in Delhi. Indian Journal of Preventive and Social Medicine.2022; 53 (1): 20-29.
2. Dipayan Banerjee, Pushpanjali Swain. The Prevalence and Risk Factors of Hypertension among Adult Population of Four Major States In India: An exploratory study, Journal of preventive Medicine and Holistic Health Vol 7, Issue 2, July-December 2021, pp121-130
3. Kurniawan YS, Ramachandra Rao S, Ohto K, Iwasaki W, Kawakita H, Morisada S, Miyazaki M, Jumina J, New Concept for the Study of the Fluid Dynamics of Lithium Extraction Using Calix[4]arene Derivatives in T-Type Microreactor Systems, Separations , 8(5), 1-13,2021; doi.org/10.3390/separations8050070 (published on May 20, 2021)
4. Fatiqin A, Amrulloh H, Apriani I, Lestari A, Erawanti B, Saputri A, Gita M, Fitrianti M, Ramachandra Rao S, Kurniawan Y.S, Wulan R.M.S, Khan M.S, A Comparative Study on Phytochemical Screening and Antioxidant Activity of Aqueous Extract from Various Parts of Moringa oleifera, Indonesian Journal of Natural Pigments, 3 (2), 43-47, 2021 (published online on 31 August 2021)
5. Manisha (2021): Covid 19 and Its Impact on Education. Health Action, Vol.34. No.12, pp 13-15.
6. Meerambika Mahapatro & A Kumar (2021). Domestic violence, women's health, and the sustainable development goals: integrating global targets, India's national policies, and local responses. Journal of public health policy. pp. 1-12.
7. Meerambika Mahapatro. (2021). Does Technology Possess Potential to Alter Gender Relations? A Perspective on Social Construction of Infertility in India. J Womens Health, Issues, & Care, 10:8.
8. Meerambika Mahapatro and Avanish Kumar (2021). Social Production of Stigma and Fear around COVID-19. Annals of Psychiatry and Mental Health. 9(1): 1160.
9. Meerambika Mahapatro & MM Prasad (2021). Role of popular media in breaking the cycle of domestic violence. J Public Affairs.;e2618.
10. Meerambika Mahapatro et al.(2021). Domestic Violence- A Truism. NARCHI Bulletin, MAMC., 1: pp. 19-22.
11. Meerambika Mahapatro, MM Prasad & SP Singh.(2021). Role of Social Support in Women facing Domestic Violence during Lockdown of Covid-19 while Cohabiting with the Abusers: Analysis of Cases Registered with the Family Counseling Centre, Alwar, India. Journal of Family Issues: pp. 1–16.
12. Bharti R & Sherin Raj TP (2021). Social Determinants of Family Planning Practices in Bihar, India. Journal of Research in Health Science, Volume 5 issue. 1-2, pp. 29-48. ISSN 2523-1251 (Online) ISSN 2523-1243 (Print).
13. Nair KS & Sherin Raj T.P.(2021). The private health sector and universal health coverage in India: an assessment in light of the right to health framework. Int. Res. J. Social Sci., Volume 10, Issue (1), Pages 28-31,. ISSN : 2319 – 3565 (Online).
14. Vrnda Dhar and Ankur Yadav (2021). The Sacred Economy (An Anthropological Enquiry into the Development of Economic Relations and their Social Embodiment). International Journal of Science and Research, 10(7): pp. 1171-1174.
15. Anusha Dubey and Ankur Yadav (2021). Knowledge, Attitude and safety practices related to occupational Health among glass factory workers in District Firozabad (U.P.), India- A descriptive Cross-sectional Study. Indian Journal of Applied Research, 11 (2):pp. 1-3
16. Vandana Sabharwal, N. Subbiah and A. Yadav (2021). Exploring spectrum of Nutritional challenges in the context of COVID-19 pandemic in India. Indian Journal of Applied Research, 11(3): pp. 1-3
17. Ankur Yadav and G. S. Srivastava (2021). Bhartiya Paramparaye Aur Hamara Swasthya, Jan Swasthya Dharna, 26: 10-11.
18. Neera Dhar and Ankur Yadav (2021). Spiritual Health and Self Actualization. International Journal of Science and Research, 10(2):pp.1052-1058.
19. Neera Dhar and Ankur Yadav (2021). Covid 19: Stress and anxiety- A critical review of related literature. International Journal of Multidisciplinary Research and Development, 8 (2): pp. 72-77.
20. Bhole V. (2021). Household Air Pollution Risk on Respiratory Health among Women: A Case Study of Indian District after Clean Fuel Programme. Austin J Public Health Epidemiol.; 8(3): 1104.

21. Jaiswal V. Changes in Air Quality during Lockdown in New Delhi amid theSARS-Cov-2 Pandemic published in Health and Population: Perspective and Issue Vol. 44 No. 1, 38-48 January-March, 2021.
22. Vaishali Jaiswal (2021). आत्मनिर्भर भारतः कोरोन काल में स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश कैसे आत्मनिर्भर हुआ। Jan Swasthya Dharna Vol. 26. pp.16-19
23. Vaishali Jaiswal (2021). आत्मनिर्भर भारत में भारतीय भा"ा का महत्व। . Sahitya Samhita I, Vol 7 Issue 7 May 202 1,ISSN no. 2454-2695.
24. Chandana KR, Memon F & Raj Narayan . (2021). A Multidisciplinary Public Health Approach through Community Engagement in COVID-19 Prevention and Control - A Proposal for Bhadradri Kothagudem District in Telangana State. International Journal of Health Sciences and Research, Vol.11; (7), pp 351-357.
25. Raj Narayan, Singh NK, Raj D. (2021). Factors Affecting Substances Abuse among Male Migrants Youth in Low-Income Slums in Mumbai, India. Turkish Online Journal of Qualitative Inquiry (TOJQI), Vol. 12(6), 1: pp: 8465 – 8473.
26. Saini, M. and Kapoor, A. K. (2021). Perception, Attitude, and Behavior toward Persons with Disability in India. Indian Journal of Physical Medicine and Rehabilitation, 31(2): pp. 42-45.
27. Kapoor, A. K. and Saini, M. (2021). Variation in Selection Intensities among the Western Coastal Populations of India. Journal of Bioanthropology, (1): pp. 25-34.
28. Elizabeth et. al (2021). Sustainable Development of Health in India: An Inter-Ministerial Contribution Towards Health and Well- Being for Optimum Quality of Life, HPPI, Vol. 44(1): pp. 19-32.
29. Yadav, D. K., Kumar ,S. and Misra, T. (2021). Utilizing Sample Size Information for Improved Estimation of Population Mean in Agriculture Surveys.. Int.J.Curr.Microbiol.App.Sci 10(02): 809-815. https://doi.org/10.20546/ijcmas.2021.1002.xx
30. Rajendra Gora, Rajesh Kumar, Kamarapu Ruma Chandana (2021). A Study of Knowledge and Practice about Oral Hygiene among Senior Secondary School Students in Bansa Village of Jaipur District of Rajasthan. International Journal of Scientific & Engineering Research Volume 12, Issue 7, ISSN 2229-5518.
31. Nanthini (2021). Practising Care- Giving through Keyboards" Common Knowledge the Journal of Commonwealth Scholarship Community, UK.
32. Nanthini, A.Jeganathan (2021) challenges faced by the nursing professionals in management of patients with covid 19"International Journal of Community Health Nursing 4(1): 1-5.
33. Vandana Sabharwal, Nanthini Subbiah, Ankur Yadav (2021) Exploring Spectrum of Nutritional Challenges in the Context of Covid-19 Pandemic in India". Indian Journal of Applied Research, Vol 11, Issue :3.
34. Abra Pearl CT, Nanthini Subbiah (2021) Childbirth: Is Pregnant Woman Prepared in India?. The Nursing Journal of India May-June 2021 Vol.CXII.No.
35. Nanthini Subbiah & C.N. Bhargavi (2021) An Evaluation study of Implementation of Scheme of Upgradation of School of Nursing into Colleges of Nursing in various States of India. The Nursing Jouirnal of India, July-August VOL.CXII, NO 4 P. No 177-182.
36. Nanthini Subbiah (2021)..Evaluation of the Ongoing Central Sector Scheme of Development of Nursing funded by MOHFW, GOI July issue , Healthy India Chronicle.

Chapters in Edited Books/ /Modules/Units (2021-22).

1. Raj Narayan (2021). Maternal Health Situation in Bihar and Assam: A Comparative Analysis of State Fact Sheets of National Family Health Survey (NFHS)-4 and (NFHS)-5" in the edited book "Advance Research Trends in Statistics and Data Science", pp: 96-104, ISBN: 978-81-949305-4-9
2. Meena R (2021). The Importance of Effective Collaborative Governance in Ensuring Access to Quality Health Care to Denotified and Nomadic Tribes: the most marginalized section of society in India", in the edited Book "Collaborative Governance for Sustainable Development of Health and Well Being: Issues and Perspectives" Vol I; page 194-212, NIHFW Publication, ISBN 978-81-954142-0-8.
3. Y.S. Kurniawan, S. Ramachandra Rao, K. Ohto, (2021). Droplet microfluidic device for rapid and efficient metals separation using host-guest chemistry, in the book "Advances in Microfluidic Technologies for Energy and Environmental Applications" (ed.) Yong Ren, IntechOpen, London, UK, pp. 1-19, 2020, ISBN: 978-1-78984-419-1.
4. Yadav, D.K., Singh S.K., Khan Y., Singh R., Yadav S.L., Shukla R.K. (2021). Statistical Assessment of Online Education during COVID-19 Pandemic, in the Edited Book "Advance Research Trends in Medical and Biological Sciences", MKES Publication, Lucknow. ISBN 978-81-949305-0-1.

5. Bhattacharya V. (2021). Poverty Alleviation and Corporate Social Responsibility Course-1, Block-3, Unit-1. Unit contribution P.G. Diploma in Corporate Social Responsibility by the school of Development Studies, IGNOU, New Delhi of IGNOU, Course started in February 2021.
6. Bhattacharya V. (2021). Quality of Life Improvement (Better Access to health, sanitation, and environment) and Corporate Social Responsibility Course-1, Block-3, Unit-2.Unit contribution P.G. Diploma in Corporate Social Responsibility by the school of Development Studies , IGNOU, New Delhi of IGNOU, Course started in February 2021.
7. Bhattacharya V. (2021). Employment Generation and Livelihood : Corporate Social Responsibility, Course-1, Block-3, Unit-3. Unit contribution P.G. Diploma in Corporate Social Responsibility by the school of Development Studies , IGNOU, New Delhi of IGNOU, Course started in February 2021.
8. Bhattacharya V. (2021). Women Empowerment and Corporate Social Responsibility ,Course-1, Block-3,Unit-4 Unit contribution P.G. Diploma in Corporate Social Responsibility by the school of Development Studies , IGNOU, New Delhi of IGNOU, Course started in February 2021.
9. Bhattacharya V. (2021). Structural and Functional Setup of Corporate Social Responsibility Course 2: Operationalizing CSR, Unit-1. Unit contribution P.G. Diploma in Corporate Social Responsibility by the school of Development Studies , IGNOU, New Delhi of IGNOU, Course started in February 2021.
10. Bhattacharya V. (2021). Business Strategy in Corporate Social Responsibility, course-2, Unit-2. Unit contribution P.G. Diploma in Corporate Social Responsibility by the school of Development Studies , IGNOU, New Delhi of IGNOU, Course started in February 2021.
11. Bhattacharya V. (2021). Governance and Corporate social responsibility, course-2, Unit-3. Unit contribution P.G. Diploma in Corporate Social Responsibility by the school of Development Studies , IGNOU, New Delhi of IGNOU, Course started in February 2021.
12. Neera Dhar (2021). Spiritual Health: Patient-Centered Approach in Sanjay Rajpal (Ed.), Patient Centric Healthcare Practices (pp 115-127). Goya Publishing, New Delhi.
13. Sherin Raj & Bhawna Kathuria (2021): Intersectoral coordination for better Menstrual Hygiene Management in India in Edited book on "Collaborative Governance For Sustainable Development of Health and Well-Being: Issues And Perspectives", Vol.I, 2021.(pp 61-83), ISBN 978-81-954142-0-8.
14. Manisha (2021): Multi- sectoral Integration of Non-Communicable Diseases in India: An Overview" in edited Book "Collaborative Governance for Sustainable Development of Health and Well-being: Issues and Perspectives, Vol.1, pp 135-151, ISBN 978-81-954142-0-8.
15. Ankur Yadav and Nanthini Subbiah (2021). Interpersonal Communication in Health Teams for improving patient satisfaction in Sanjay Rajpal (Ed.), Patient Centric Healthcare Practices (pp 19-28). Goya Publishing, New Delhi.
16. Raj Narayan (2021). Health and Nutritional Status of Tribal Women and Children in Odisha, India: A Cross-Sectional Study in the edited book "Collaborative Governance for Sustainable Development of Health and Well-Being: Issue and Perspective", Vol. II, pp: 235-246, ISBN 978-81-954142-0-8.
17. Saini, M. and Kapoor, A. K. (2021). Ethical Issues in Fieldwork: Traditional versus Modern Approach. In Research Ethics, Indigenous Communities and Fieldwork. Editor Subir Biswas. 87-97, Research India Press, New Delhi.
18. Nanthini Subbiah, A. Jeganathan & CN. Bhargavi (2021). Roles and Responsibilities of Health Worker Female (ANM) under National Health Mission, Maternal and Child Health Care in India: Developments and Challenges. Bloomsbury Pub. ISBN 978-93-54353-67-3 P.No119-125.
19. Nanthini Subbiah, Vandana Sabarwal &Abra Pearl (2021). Meeting the Health needs of Adolescents: Where Does India Stand? In the edited book "Collaborative Governance for Sustainable Development of Health and Wellbeing: Issues and Perspectives": volume 1, The National Institute of Health and Family Welfare. ISBN 978-81-954142-0-8, pp. 175-194.
20. Elizabeth AM (2021). Local Governance and Institutions for Sustainable Development of Elderly Health and Well-being in India: An Integrated Multi-Sectoral Approach, Special Book entitled "Collaborative Governance for Sustainable Development of Health And Well-Being: Issues And Perspectives, Vol.-II, Sept. 2021, NIHFW Publication, ISBN No. 978-81-954142-0-8
21. Rangari K. M. (2021). Adolescent and Youth health: Intersectoral and Multisectoral Approach for Adolescent Health and wellbeing in the Book "Collaborative Governance for sustainable Development of Health and Well Being: Issues and Perspectives" Vol I; page 194-212, NIHFW Publication, ISBN No. 978-81-954142-0-8

22. Yadav D.K, Pandey A., Kalucha A. (2021). Applications of Machine Learning Techniques in Public Health Research (pp. 427-435) in the edited book Collaborative Governance for Sustainable Development of Health and Well-Being: Issues and Perspectives published by National Institute of Health and Family Welfare (NIHFW), New Delhi, ISBN: 978-81-954142-0-8.
23. Yadav D.K., Misra S., Swain P., Singh S.K. (2021). Analyzing Survey Data using R software (pp. 91-101) in the edited book Recent Advancements in Sampling Theory and its Applications, MKSES Publication, Lucknow, ISBN: 978-93-91248-28-4.
24. Shukla A., Shukla A.K., Yadav D.K. (2021). On Estimation of Population Mean using Auxiliary Variable and Known Coefficient of Variation under Double Sampling Scheme (pp.61-68) in the edited book Recent Advancements in Sampling Theory and its Applications, MKSES Publication, Lucknow, ISBN: 978-93-91248-28-4.
25. Yadav, D.K.,ST, P.K., Banerjie J, Swain P. (2021). Artificial Intelligence and Expert Systems in Agriculture (pp. 1-12) in the edited book Recent Research in Mathematical, Statistical and Computational Sciences, MKSES Publication, Lucknow, ISBN: 978-93-91248-25-3
26. Yadav, D.K., Pathania, R.,Shukla, A.K. (2021). National Health Portal (NHP): An Overview (pp. 40-50) in the edited book Digital Health in India: Evolution of Health Informatics, MKSES Publication, Lucknow, ISBN: 978-93-91248-12-3.
27. Yadav, A., Ojha D.K., Yadav, D.K., (2021). Ayushman Bharat – Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana (AB-PMJAY) (pp. 23-25) in the edited book Digital Health in India: Evolution of Health Informatics, MKSES Publication, Lucknow, ISBN: 978-93-91248-12-3
28. Pandey, R.K., Singh, C.K., Singh G.N., Yadav D.K. (2021). An improved exponential type estimators for population mean to alter the nuisance effect of non-respons (pp. 217-232) in the edited book Digital Health in India: Evolution of Health Informatics, MKSES Publication, Lucknow, ISBN: 978-93-91248-12-3
29. Yadav, D.K., Asthana, A. (2021). Machine Learning Applications in Cancer Prediction and Prognosis (pp. 76-95) in the edited book Advance Research Trends in Statistics and Data Science, MKSES Publication, Lucknow, ISBN 978-81-949305-4-9
30. Yadav, D.K., Singh S.K., Khan Y., Singh R., Yadav S.L., Shukla R.K. (2021). Statistical Assessment of Online Education during COVID-19 Pandemic (pp. 95-114) in the Edited Book Advance Research Trends in Medical and Biological Sciences, MKSES Publication, Lucknow. ISBN 978-81-949305-0-1

Edited Books:

1. Miyan M, Singh, A.K., Singh R., Yadav D.K. (2021). Applied Research Development in Statistical and Computational Sciences, MKSES Publication, INDIA, ISBN: 978-93-91248-43-7.
2. Yadav, D.K., Yadav, R., Singh S.K., Shukla A.K. (2021). Recent Advancements in Sampling Theory and its Applications, MKSES Publication, INDIA, ISBN: 978-93-91248-28-4
3. Miyan M., Yadav, D.K., Shukla S. (2021). Recent Research in Mathematical, Statistical and Computational Sciences, MKSES Publication, INDIA, ISBN: 978-93-91248-25-3
4. Yadav, D.K., Ojha D.K. (2021). Digital Health in India: Evolution of Health Informatics MKSES Publication, INDIA, ISBN: 978-93-91248-12-3
5. Yadav, D.K., Yadav, S.K., Singh, A., Kumar, S. (2021). Advance Research Trends in Statistics and Data Science. MKSES Publication, INDIA, ISBN: 978-81-949305-4-9
6. Shukla R.K., Singh, S.K., Yadav, D.K. (2021). Advance Research Trends in Medical and Biological Sciences. MKSES Publication, INDIA, ISBN: 978-81-949305-0-1

APPOINTMENTS, PROMOTIONS AND SUPERANNUATIONS

Appointments:

1. Shri Dinesh Singh Mehra - 26.11.2021
2. Dr. Rajesh Ranjan – Reader (MCHA) (Medical) - 2.02.2022
3. Dr. Kiran Rangari – Reader (RBM) (Non-Medical) - 24.03.2022

Promotions/ MACP/Financial Upgradation

1. Dr. A.M. Elizabeth, Research Officer
2. Dr. Sherin Raj T.P., ARO
3. Dr. S.P. Singh, ARO
4. Dr. B.C. Patro, Sub-Editor (English)
5. Sh. AAA Khan, Photographer
6. Smt. Kavita, Staff Nurse
7. Smt. Kiran Arora, Ex- Steno Gr. I
8. Sh. Vikas Kanojia, Steno Gr. I
9. Smt. Raj Bala, MTS
10. Smt. Sunita Khanna, UDC

Retirements/Resignation

1. Sh. S. P. Singh, UDC on 04.01.2021
2. Sh. Phool Singh, Assistant on 31.05.2021
3. Dr. Rajni Bagga , Professor on 31.07.2021
4. Sh. S. P. Singh, Transport Supervisor on 30.09.2021
5. Sh. S. K. Bhattacharha, Section Officer on 31.10.2021
6. Smt. Kiran Arora, Steno Gr. I on 31.10.2021
7. Smt. Pushpa Rawat, Steno Gr. I on 30.11.2021
8. Dr. Poonam Khattar, Professor on 31.01.2022
9. Sh. Parimal Parya, Research Officer on 28.02.2022
10. Sh. V. P. Uprati,Section Officer on 28.02.2022

Annexures

I. List of Governing Body Members

II. List of Standing Finance Committee Members

III. List of Programme Advisory Committee Members

IV. List of Faculty Members

V. Sanctioned and In-position Manpower

Annexure-I

List of Governing Body Members(As on 31st March 2022)

S. No.	Name	Position	Email and Telephone No.
1.	Dr. Mansukh Mandaviya Hon'ble Union Minister of Health and Family Welfare, Nirman Bhavan New Delhi-110011.	Chairman (Ex. Officio)	E-mail: Hfm@gov.in Tel: 23063513 23063024
2.	Mr. Rajesh Bhushan Secretary, (Health & Family Welfare) Ministry of Health and Family Welfare Nirman Bhavan, New Delhi-110011.	Vice-Chairperson (Ex. Officio)	E-mail: secyhfw@nic.in Tel: 23061863 23063221
3.	Dr. Sunil Kumar Director General of Health Services Ministry of Health and Family Welfare Nirman Bhavan New Delhi-110011.	Member (Ex. Officio)	E-mail: dghs@nic.in Tel: 23061063 23061438 23061924-FAX
4.	Dr. Balram Bhargava Secretary, Deptt. of Health Research (MoHFW) and Director General Indian Council of Medical Research Ansari Nagar, New Delhi-110029.	Member (Ex. Officio)	E-mail: dg@icmr.org.in Tel: 26588204 26588662 Mob: 9811132404
5.	Dr. Randeep Guleria Director All India Institute of Medical Sciences Ansari Nagar, New Delhi-110029.	Member (Ex. Officio)	E-mail: director@aiims.ac.in Tel: 26588500 26588700
6.	Mr. Vikash Sheel Additional Secretary (Health) R.No. 256-A,MoHFW, Nirman Bhavan New Delhi-110011.	Member (Ex. Officio) ash-mohfw@nic.in	E-mail: ash-mohfw@nic.in Tel: 23062857 23061447
7.	Shri Ashish Srivastava Financial Advisor R.NO.247-A, Ministry of Health and Family Welfare, Nirman Bhavan, New Delhi-110011.	Member (Ex. Officio)	E-mail: asfa-mhfw@nic.in Tel: 23061541 23061673
8.	Ms. V.Hekali Zhimomi Joint Secretary Ministry of Health and Family Welfare Nirman Bhavan, New Delhi-110011.	Member (Ex. Officio)	E-mail: js.me-mohfw@nic.in Tel: 23061398
9.	Dr. Suneela Garg Prof. of Excellence, Room No.359, Department of Community Medicine, Maulana Azad Medical College, (MAMC), New Delhi – 110002	Member (Chairperson of PAC, NIHFW) (Ex. Officio) w.e.f. 24-11-2021	Telephone: 120-2521256 + 91-11-23239271-73 extn.220(Office) Email : gargsuneela@gmail.com, gargsuneelamamc@gmail.com suneela.garg @gov.in.

S. No.	Name	Position	Email and Telephone No.
10.	Dr. K.S. James Director International Institute for Population Sciences Govandi Station Road Deonar, Mumbai – 400 088	Member (Ex. Officio)	E-mail: director@iips.net 91+22+2556 3254/55, 91+22+42372400 Fax:91+22+2556 3257
11.	Dr. Rajib Kumar Sen Sr. Adviser (MSME/Health/WCD), Niti Aayog Sansad Marg, New Delhi-110001	Member (Ex. Officio)	E-mail: rajib.sen@nic.in Tele: 23096727
12.	Dr. Alok Mukhopadhyay, Executive Director, Voluntary Health Association of India B-40, Qutab Institutional Area South of IIT Delhi New Delhi-110016.	Member w.e.f. 14-05-2018	E-mail: admin@vhai.org healthpromotion@vhai.org 011-47004300
13.	Prof. Rajesh Kumar Former Dean, PGIMER House No.107, Sector-24A Chandigarh – 160023.	Member w.e.f. 14-05-2018	E-mail: Dr.rajeshkumar@gmail.com Mob: 9876017948
14.	Prof. Sanjiv Kumar Chairperson Indian Academy of Public Health M-15, Second Floor South Extension-II New Delhi -110049.	Member w.e.f. 14-05-2018	Mobile No. 7678503003 E-mail: drsanjivkumardixit@gmail.com Mob: 7678503003
15.	Prof. Dileep Mavalankar Director Indian Institute of Public Health Gandhinagar, Gujarat – 382042.	Member w.e.f. 14-05-2018	Phone: +91-079-66740700 Email: contact@iiphg.org Web: http://www.iiphg.edu.in
16.	Prof. B.S. Garg Former Dean and Secretary, Kasturba Health Society, Mahatma Gandhi Institute of Medical Sciences , Wardha, Maharashtra – 442102.	Member w.e.f. 14-05-2018	Ph: +91 7152 284341-55 (15 lines) Email: garg.bs@gmail.com Mobile No.9422141693
17.	Prof. Nikhil Tandon Head Department of Endocrinology, conversion Building 7th Floor, AIIMS, New Delhi-29.	Member w.e.f. 14-05-2018	E-mail: Nikhil_tandon@hotmail.com Tel: 26593433 26593237
18.	Prof. Shalley Awasthi Head Department of Paediatrics KGMU, Lucknow - 226003	Member w.e.f. 14-05-2018	E-mail: shallyawasthi@kgmcindia.edu 09839221244, 09235444824 055-4011510 ®

S. No.	Name	Position	Email and Telephone No.
19.	Dr Manohar Agnani Additional Secretary (Training) Room No.145-A Ministry of Health and Family Welfare Nirman Bhavan, New Delhi-110011.	Special Invitee	E-mail: as-agnani@gov.in Tel: 23061723
20.	Nidhi Kesarwani, IAS, Director (Additional Charge), NIHFW Baba Gangnath Marg, Munirka, New Delhi-110067.	Member-Secretary (Ex. Officio)	E-mail: director@nihfw.org Tel: 26100057 26185696

(1-11 & 19 are ex-officio members and 12-18 are eminent persons nominated as non-official members by the Chairman.

List of Standing Finance Committee Members(As on 31st March 2022)

S.No.	Name	Position	Email and Telephone No.
1.	Mr. Rajesh Bhushan Secretary (H&FW) Ministry of Health and Family Welfare, Nirman Bhavan New Delhi – 110 108.	Chairperson	Secyhfw@nic.in Tel: 23061863 23063221
2.	Dr. Sunil Kumar Director General of Health Services, Nirman Bhavan New Delhi – 110 108.	Member (Ex. Officio)	dghs@nic.in Tel: 23061063 23061438 23061924-FAX
3.	Shri Ashish Srivastava Additional Secretary & Financial Advisor Ministry of Health and Family Welfare, Nirman Bhavan New Delhi 110 108.	Member (Ex. Officio)	asfa-mhfw@nic.in Tel: 23061541 23061673
4.	Dr. Rajib Kumar Sen Sr. Adviser (MSME/Health/WCD), Niti Aayog Sansad Marg, New Delhi-110001	Member (Ex. Officio)	rajib.sen@nic.in Tele:23096727
5.	Ms. V. Hekali Zhimomi Joint Secretary (Trg.) Ministry of Health and Family Welfare, Nirman Bhavan New Delhi – 110 108.	Special Invitee	js.me-mohfw@nic.in Tel: 23061398
6.	Nidhi Kesarwani, IAS, Director (Additional Charge NIHFW New Delhi-110 067.	Member-Secretary	director@nihfw.org Tel: 26100057, 26185696

Annexure-III

List of Programme Advisory Committee Members(As on 31st March 2022)

S.No.	Name	Position	Email and Telephone No.
1.	Dr. Suneela Garg Prof. of Excellence, Room No.359, Department of Community Medicine, Maulana Azad Medical College, (MAMC) New Delhi – 110002 Residential: C-17, Sector 19 NOIDA Pin Code: 201301 Telephone: 120-2521256	Chairperson (w.e.f 24.11.2021)	Telephone: 120-2521256 + 91-11-23239271-73 extn.220(Office) Email : gargsuneela@gmail.com, gargsuneelamamc@gmail.com suneela.garg @gov.in.
2.	Dr. Balram Bhargava Secretary Deptt. of Health, Research (MoHFW) and Director General Indian Council of Medical Research Ansari Nagar, New Delhi.	Member (Ex-Officio)	Email:- dg@icmr.org.in Telephones: 26588204, 26588662 Mobile No:- 9868333245
3.	Dr. Sunil Kumar Director General of Health Services, Nirman Bhavan New Delhi – 110 108.	Member (Ex-Officio)	Telephone: 23061438 Email:- dghs@nic.in
4.	Ms. V. Hekali Zhimomi Joint Secretary Ministry of Health and Family Welfare Nirman Bhavan New Delhi – 110 108.	Member (Ex-Officio)	Email:- js.me-mohfw@nic.in Telephone: 23063155
5.	Dr. Rajib Kumar Sen Sr. Adviser (MSME/Health/WCD), Niti Aayog Sansad Marg, New Delhi-110001	Member (Ex-Officio)	rajib.sen@nic.in Tele:23096727
6.	Dr. K.S. James Director International Institute for Population Sciences, Govandi Station Road Deonar, Mumbai – 400 088	Member (Ex-Officio)	Email:- director@iips.net Telephones: 91+22+2556 3254/55, 91+22+42372400 Fax:91+22+2556 3257
7.	Sri. Anil Kumar T.K IAS Principal Secretary to Govt. of Karnataka, Department of Health & Family Welfare, Room No. 105, I Floor, Vikas Soudha, Bangalore – 560 001	Member (w.e.f 24.11.2021)	Telephone: 080-22255324, 080-22034234 Email:- prs-hfw@karnataka.gov.in

S.No.	Name	Position	Email and Telephone No.
8.	Dr. Nilam Patel Director (In-charge) State Institute of Health and Family Welfare Old Leprosy Hospital Campus, Sayali Park, Azwah Road, Vadoadara, Gujarat – 390019	Member (w.e.f .4.11.2021)	Telephone:079-23257948 Fax- 079-23254544 Email:-Adir-hlt@gujarat.gov.in
9.	Dr. (Mrs.) Radha Debbarma Director, (FW&PM) Govt. of Tripura Health Directorate Building, 2nd Floor, Pt. Nehru Complex, Gurkabasti Agartala - 799006.	Member (w.e.f 24.11.2021)	Telephone: - 0381 2326602 Mob:- 9436137227 Email:- dfwpmtripura@gmail.com
10.	Dr. G. Srinivas Rao, Director of Public Health and Family Welfare Directorate of Public Health and Family Welfare DM and HS Campus, Koti Hyderabad, Telangana - 500010	Member (w.e.f 24.11.2021)	Telephone:-040-23455824 Email:-Director_phfw@telangana.gov.in
11.	Prof. Archana Shukla Director Indian Institute of Management, Lucknow IIM Rd, Prabandh Nagar, Mubarakpur, Lucknow, Uttar Pradesh 226013	Member (w.e.f 24.11.2021)	Telephone:- 91-522-6696601/02 Email:- director@iiml.ac.in
12.	Prof. Neera Dhar Professor and Head Deptt. of E&T NIHFW, New Delhi.	Member (w.e.f. 01.11.2019)	Telephone: 26165959
13.	Prof. Pushpanjali Swain Professor and Head Department of S&D NIHFW, New Delhi.	Member (w.e.f. 01.02.2022)	Telephone: 26165959
14.	Nidhi Kesarwani, IAS Director (Additional Charge) NIHFW, New Delhi.	Member-Secretary (Ex. Officio)	Email:- director@nihfw.org Telephones: 26100057, 26185696

Annexure-IV

List of Faculty Members(As on 31st March 2022)

Ms. Nidhi Kesarwani, IAS	**Director (Additional Charge)**
Department of Communication	
Dr. Ankur Yadav	Assistant Professor (Stage-3) and Acting Head
Department of Community Health Administration	
Dr. Sanjay Gupta Dr. Nanthini Subbiah	Professor and Head Professor
Department of Medical Care and Hospital Administration	
Dr. Manish Chaturvedi Dr. Rajesh Ranjan	Professor and Acting Head Reader
Department of Education and Training	
Dr. Neera Dhar	Professor and Head
Department of Epidemiology	
Dr. Sanjay Gupta	Professor and Acting Head
Department of Management Sciences	
Dr. Mihir Kumar Mallick	Professor and Acting Head
Department of Planning and Evaluation	
Dr. V. K. Tiwari Dr. Manish Chaturvedi Dr. Ramesh Chand	Professor and Head Professor Assistant Professor
Department of Reproductive Bio-medicine	
Dr. Renu Shehrawat Dr. Rajesh Kumar Dr. S. Ramachandra Rao Dr. Kiran Rangari	Professor and Head Assistant Professor (Stage-3) Reader Reader
Department of Social Sciences	
Dr. Meerambika Mahapatro Dr. Sarita Gautam Dr. Monika Saini	Professor and Acting Head Assistant Professor Assistant Professor
Department of Statistics and Demography	
Dr. Pushpanjali Swain Dr. Dharmendra Kumar Yadav	Professor and Head Assistant Professor
Total Faculty members : 19 (including Director)	

Manpower Position NIHFW(as on 31st March 2022)

Category	Sanctioned No.	No. in Position(%)	Vacant Posts (%)
Group-A (Including Faculty)	66	28 (42.42%)	38 (57.58%)
Group-B	132	58 (43.94%)	74 (56.04%)
Group-C (Non-technical and technical)	119	68 (57.14%)	51 (42.85%)
Group-C (Multi-TaskingStaff) +Other erstwhile group 'D' posts including Group-C Helper (Offset Press)Group-C LaboratoryAttendant	67+28 (28 MTS contractual under process)	47 (38+9) (49.47%)	48 (29+19) (50.5%)
Total	412	201 (48.79%)	211 (51.21%)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
The National Institute of Health and Family Welfare
Munirka, New Delhi - 110067